नई दिल्ली । शनिवार, 06 जून, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष षष्ठी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :151/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल अंडर-18 हॉकी एशिया कप : भारतीय महिला टीम... @ विचार नई टेक्नोलॉजी में निवेश की चाहत से पिछड़ रहा भारतीय... @ व्यापार देश के तेज आर्थिक विकास के लिए मोदी सरकार...

संक्षिप्त खबर

अंडमान के अपतटीय ब्लॉक में प्राकृतिक गैस की नई खोज

नई दिल्ली। सरकारी महारत्न कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने शुक्रवार को अंडमान के उथले समुद्री (अपतटीय) ब्लॉक में अपने तीसरे खोजी कुएं में प्राकृतिक गैस की नई खोज की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि यह खोज इस क्षेत्र में हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी का एक और महत्वपूर्ण संकेत है। कंपनी के अनुसार, विजयपुरम-3 (स्थान ओएईबी) नामक यह कुआं ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) के तहत ऑफशोर अंडमान ब्लॉक एएन-ओएसएचपी-2018/1 में ड्रिल किया गया है। यह कुआं अंडमान द्वीप समूह के पूर्वी तट से लगभग 15 किलोमीटर दूर समुद्र में स्थित है, जहां पानी की गहराई 355 मीटर है।

हिमाचल से पंजाब तक कांपी धरती

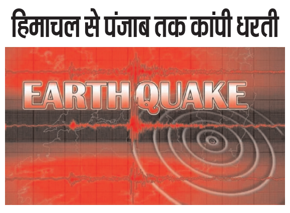

कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा व मंडी सहित कई स्थानों में भूकंप का बड़ा झटका महसूस किया गया है। शुक्रवार रात करीब 10 बजकर 3 मिनट पर भूकंप का झटका आया। इसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि लोग कंपन से ही घरों के बाहर आ गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5 मापी गई। भूकंप का क्षेत्र चंबा था। उल्लेखनीय है कि जिला कांगड़ा भूकंप की दृष्टि से अति संवेदनशील माना जाता है। ऐसे में भूकंप के झटके को लेकर लोगों में दहशत है। क्योंकि काफी सालों के बाद भूकंप का एक बड़ा झटका कांगड़ा जिला की धरती में महसूस किया गया है।

ईरानी टैंकर पर अमेरिकी सेना की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। अमेरिकी सेना ने हिंद महासागर में ईरानी कच्चा तेल ले जा रहे एक तेल टैंकर पर बड़ी कार्रवाई की है। अमेरिकी नौसैनिकों ने ईरानी कच्चा तेल ले जा रहे एक प्रतिबंधित टैंकर को समंदर के बीचों-बीच रोक लिया है। अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के अनुसार, अमेरिकी नौसैनिकों ने प्रतिबंधित जहाज 'MT DAVINA' को रोककर उस पर चढ़ाई की और जांच अभियान

गिलगित-बाल्टिस्तान हमारा अभिन्न अंग : भारत

पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों की स्थिति बदलने के किसी भी प्रयास को वह पूरी तरह खारिज करता है

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में तथाकथित विधानसभा चुनाव कराने की योजना पर शुक्रवार को कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्रशासित प्रदेश, जिनमें तथाकथित गिलगित-बाल्टिस्तान भी शामिल है, भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं।

विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि भारत सरकार ने 7 जून 2026 को प्रस्तावित तथाकथित 'गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा' के आम चुनावों को लेकर पाकिस्तान के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। भारत का कहना है कि यह क्षेत्र भारतीय भूभाग का हिस्सा है, जिस पर पाकिस्तान ने अवैध और बलपूर्वक कब्जा कर रखा है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि वर्ष 1947 में जम्मू-कश्मीर का भारत में पूर्ण, वैध और अपरिवर्तनीय विलय हुआ था। इसलिए जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सभी क्षेत्र, जिनमें गिलगित-बाल्टिस्तान भी शामिल है, भारत के अभिन्न अंग हैं।

यह बयान पाकिस्तान द्वारा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) की विधानसभा की सभी सीटों के लिए 27 जुलाई को मतदान कराने की घोषणा के बाद आया है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों की स्थिति बदलने के किसी भी प्रयास को वह पूरी तरह खारिज करता है। ऐसे कदम इस तथ्य को नहीं बदल सकते कि पाकिस्तान भारतीय क्षेत्रों पर अवैध रूप से कब्जा बनाए हुए है और उसे इन क्षेत्रों को खाली करना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले अन्य क्षेत्रों में गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन, राजनीतिक दमन, आर्थिक शोषण और लोगों की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध जैसे मूल मुद्दों को चुनावी प्रक्रिया के जरिए छिपाया नहीं जा सकता।

बयान में कहा गया, 'भारत सरकार पाकिस्तान द्वारा अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के भौतिक या प्रशासनिक बदलाव के प्रयासों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करती है। ऐसे कदम इस सच्चाई को नहीं छिपा सकते कि पाकिस्तान भारतीय क्षेत्रों पर अवैध रूप से कब्जा जमाए हुए है।' गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी भारत ने पाकिस्तान से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन रोकने की मांग की थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने कहा था कि पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों में लोग अपने मूल अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए खुलकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

पाकिस्तान में आतंकवाद बंद होने तक सिंधु जल संधि रहेगी स्थगित

भारत ने सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को लेकर अपना रुख दोहराते हुए शुक्रवार को स्पष्ट किया कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह और विश्वसनीय तरीके से बंद नहीं करता, तब तक यह संधि स्थगित रहेगी। विदेश मंत्रालय की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान द्वारा चिनाब-ब्यास लिंक टनल परियोजना और सलाल बांध जलाशय से गाद निकालने की भारत की योजनाओं पर आपत्ति जताए जाने के बाद आई है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि भारत पानी को 'हथियार' के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है। मीडिया ब्रीफिंग के दौरान एमईए के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, 'हमने सिंधु जल संधि को स्थगित कर रखा है और यह तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त नहीं कर देता।' जम्मू-कश्मीर में स्विट्जरलैंड के राजदूत की यात्रा पर पाकिस्तान की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और स्विस राजदूत या किसी भी अन्य देश के राजदूत को वहां जाने की पूरी स्वतंत्रता है।

अन्नामलाई का नई पार्टी बनाने का ऐलान

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शुक्रवार को नई पार्टी बनाने का ऐलान किया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज में अन्नामलाई ने कहा कि आज हम एक आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। हमारी राजनीतिक पार्टी तमिलनाडु में 2031 में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी। मेरे लिए यह तय करना बहुत मुश्किल था कि मैं बीजेपी का सदस्य रहूं या तमिल लोगों से जुड़ा रहूं। मैंने 4 दिसंबर 2025 को पार्टी को बताया कि मैं इस्तीफा देने जा रहा हूं। पार्टी ने मुझसे कहा कि पहले चुनाव हो जाने दें, फिर जाएं। अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा से इस्तीफा दिया था। लेटर शुक्रवार को सामने आया। उन्होंने इस्तीफे की वजह बताते हुए लिखा कि पिछले 18 महीनों से आलाकमान के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। अब उनके विचार एक जैसे नहीं रहे। इधर, तमिलनाडु बीजेपी के उपाध्यक्ष के नागराजन ने भी पार्टी से पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

भारत की विकास की गति मजबूत : केंद्र सरकार

जीवन को आसान और व्यापार को सुगम बनाने पर कर रही फोकस : पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत की विकास की गति मजबूत बनी हुई है और केंद्र सरकार जीवन को आसान बनाने, व्यापार करने के तरीके को आसान करने और युवाओं के लिए अवसरों को बढ़ाने में कोई कमी नहीं छोड़ेगी।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'भारत की विकास की गति मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर हमारी अर्थव्यवस्था की मजबूती, सुधारों की सफलता और 140 करोड़ भारतीयों की कड़ी मेहनत को दर्शाती है।'

साथ ही पोस्ट में कहा, 'हम जीवन को आसान बनाने, व्यापार करने के तरीके को आसान करने और अपने युवाओं के लिए अवसरों को बढ़ाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।'

यह सरकार द्वारा राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों और हवाई अड्डों जैसी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में किए गए भारी निवेश को भी दर्शाता है। भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना हुआ है। अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जैसे जर्मनी की वृद्धि दर 0.4 प्रतिशत, जापान की वृद्धि दर 0.8 प्रतिशत, यूरो की वृद्धि दर 1.3 प्रतिशत, जी7 की वृद्धि दर 1.6 प्रतिशत है।

भारत की अर्थव्यवस्था ऐसे समय पर तेजी से बढ़ रही है, जब अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण अस्थिरता के दौर से गुजर रही है।

सरकार की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश की नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत रही है। वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रियल और नॉमिनल ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) में क्रमशः 7.9 प्रतिशत और 9.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सरकारी डेटा के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र का प्रदर्शन मजबूत रहा है। इनकी वृद्धि दर स्थिर कीमतों में क्रमशः 8.8 प्रतिशत और 9.3 प्रतिशत रही है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेड, रिपेयर, होटल, ट्रांसपोर्ट, कम्युनिकेशन और ब्रॉडकास्टिंग, स्टोरेज से जुड़े सर्विसेज और फाइनेंशियल, रियल एस्टेट एंव प्रोफेशनल सर्विसेज सेक्टर की वृद्धि दर स्थिर और मौजूदा कीमतों में दोहरे अंकों में रही है।

ट्रंप बोले- भारत ने दशकों तक अमेरिका का फायदा उठाया

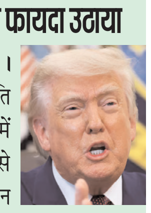

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान सवालों का जवाब देते हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के साथ व्यापार को लेकर कहा कि लंबे समय तक भारत ने अमेरिका पर ऊंचे टैरिफ लगाए और उसका फायदा उठाया। ट्रम्प ने दावा किया कि अब स्थिति बदल गई है और अमेरिका भारत से अच्छी कमाई कर रहा है। ट्रम्प ने आगे कहा कि अमेरिका और भारत के बीच जल्द ही एक बड़ा व्यापार समझौता भी हो सकता है, क्योंकि मैं मोदी को बहुत पसंद करता हूं। मोदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमारे संबंध अच्छे हैं और हम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका की एक टीम हाल ही में नई दिल्ली में भारत सरकार के अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत कर चुकी है। दोनों देश एक अस्थायी व्यापार समझौते पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि व्यापार से जुड़े कुछ मुद्दों का जल्द समाधान किया जा सके। भारत के वाणिज्य मंत्रालय का कहना है कि बातचीत सकारात्मक रही है और दोनों देश इसे समझौता करना चाहते हैं।

ममता की बैठक में दिखी टीएमसी की फूट

सिर्फ 4 सांसद, 8 विधायक पहुंचे; अभिषेक पर 'दीदी' ने फिर जताया भरोसा

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में सत्ता गंवाने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में विद्रोह की आग तेजी से फैल रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर शुक्रवार को बुलाई गई महत्वपूर्ण बैठक में महज 8 विधायक ही पहुंचे। जबकि लोकसभा और राज्यसभा के ज्यादातर सांसद भी बैठक से गायब रहे।

टीएमसी के कुल 80 विधायकों में से दो-तिहाई से अधिक नेता अब खुलकर विद्रोह कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही 60 विधायकों ने एक अहम बैठक का बहिष्कार किया था।

शुक्रवार की बैठक में बेहद कम उपस्थिति ने पार्टी नेतृत्व को चौंका दिया है। सूत्रों के अनुसार, कई विधायक और सांसद अब पार्टी की दिशा और ममता बनर्जी के नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं।

सांसदों की गैरमौजूदगी चिंताजनक

बैठक में पार्टी के 28 लोकसभा सांसदों में से सिर्फ 4 ही शामिल हुए, जबकि राज्यसभा के 13 सांसदों में से 11 गायब रहे। ममता बनर्जी के भतीजे और राष्ट्रीय महासचिव

अभिषेक बनर्जी बैठक में मौजूद थे। राज्यसभा से केवल डेरेक ओ'ब्रायन और डोला सेन ही पहुंचे। विधायकों में मदन मित्रा, बीना मंडल, अशिमा पात्रा, फिरहाद हकीम, कुणाल घोष, सोवनदेव चट्टोपाध्याय, बिमान बनर्जी और अशोक देब मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्तर पर नई नियुक्तियां

बैठक में दो नए राष्ट्रीय संयुक्त सचिव नियुक्त किए गए, जबकि अभिषेक बनर्जी को पार्टी महासचिव के पद पर बरकरार रखा गया। डेरेक ओ'ब्रायन और डोला सेन अब राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की मदद करेंगे।

पश्चिम बंगाल प्रदेश कमेटी का पुनर्गठन

पार्टी ने पश्चिम बंगाल प्रदेश तृणमूल कांग्रेस कमेटी का पुनर्गठन किया है। चंद्रिमा भट्टाचार्य को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि सुब्रत बख्शी राष्ट्रीय कार्यसमिति में उपाध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर सजदा अहमद, ममता ठाकुर, नयना बंद्योपाध्याय और स्वाति खांडेकर को नियुक्त किया गया।

प्रदेश महासचिवों में बाबर अली, पुलक रॉय, आशिमा पात्रा, अरूप विश्वास और राजीब बनर्जी शामिल हैं। कार्यकारी सदस्यों में ज्योतिप्रियो मल्लिक, डॉ. राणा चटर्जी, विदेश बोस, त्रिनंकुर भट्टाचार्जी, जया दत्ता, तापस चटर्जी, वसुंधरा गोस्वामी और गौतम देब शामिल किए गए।

अन्य नियुक्तियां

टीएमवाईसी (युवा विंग) अध्यक्ष: सायोनी घोष, टीएमवाईसी महासचिव: मधुरिमा ठाकुर, महिला अध्यक्ष: माला रॉय, टीएमसीपी अध्यक्ष: प्रियंका अधिकारी, आईएनटीटीयूसी अध्यक्ष: मोलॉय घटक, हॉकर्स विंग अध्यक्ष: मदन मित्रा, किसान विंग: बेचाराम मन्ना, खेत मजदूर विंग: पूर्णेन्दु बोस, एससी/एसटी विंग: बिरबाहा हांसदा आदि की नियुक्ति की गई है।

पुतिन ने भारत को सुखोई-57 का दिया प्रस्ताव

अमेरिका से बोले- भारत पर दबाव डालना बेकार

एजेंसी ■ सेंट पीटर्सबर्ग

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत को सुखोई एसयू-57 स्टेल्थ फाइटर जेट को लेकर बड़ा ऑफर दिया है। उन्होंने कहा है कि रूस, भारत के साथ मिलकर इस विमान का विकास और उत्पादन करने के लिए तैयार है। साथ ही रूस जरूरी रक्षा तकनीकें साझा करने के लिए भी तैयार है।

पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम के दौरान अंतरराष्ट्रीय मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले भी भारत को इसे बनाने के प्रोजेक्ट में साझेदार बनने का ऑफर दिया था। उस समय भारत ने कहा था कि रूस पहले इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाए, उसके बाद भारत इसमें शामिल होने पर विचार करेगा।

यह विमान हमारा जॉइंट प्रोजेक्ट हो सकता था। हमने इसे अपने दम पर विकसित किया, लेकिन अब भी हम भारत के साथ इस क्षेत्र में काम करने के लिए तैयार हैं। हम भारत को यह विमान देने और इसके आगे के विकास में साझेदारी करने के लिए तैयार हैं। इसमें हमें कोई समस्या नजर नहीं आती। यही बात एयर डिफेंस सिस्टम पर भी लागू होती है। पुतिन ने अमेरिका-भारत के संबंधों पर

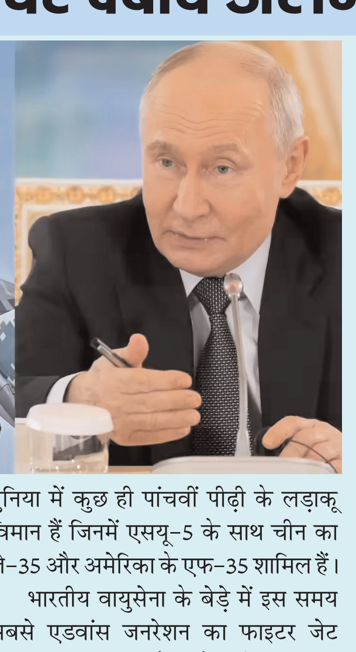

कहा कि एसयू कई मुद्दों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन इस तरह की कोशिशें बेकार हैं। भारत इसका विरोध करेगा। पुतिन ने सुखोई एसयू-57 की तारीफ करते हुए कहा कि यह पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है और उनकी नजर में दुनिया के सबसे अच्छे फाइटर जेट्स में से एक है। इसमें स्टेल्थ क्षमता, उच्च गतिशीलता, आधुनिक एवियोनिक्स और मल्टी-रोल कॉम्बैट क्षमताएं हैं।

सुखोई एसयू-57 हवा, जमीन और समुद्री लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम है। दुनिया में कुछ ही पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान हैं जिनमें एसयू-5 के साथ चीन का जे-35 और अमेरिका के एफ-35 शामिल हैं।

भारतीय वायुसेना के बेड़े में इस समय सबसे एडवांस जनरेशन का फाइटर जेट फ्रांसीसी मूल का राफेल है। इसे तकनीकी रूप से 4.5 जनरेशन का लड़ाकू विमान माना जाता है।

भारत ने सुखोई प्रोजेक्ट से जुड़ने का ऑफर ठुकराया था

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस ने भारत को 2018 के आसपास सुखोई प्रोजेक्ट में शामिल होने का प्रस्ताव दिया गया था, उस समय भारत ने एसयू-57 प्रोजेक्ट में रुचि दिखाई थी, लेकिन भारतीय वायुसेना का मानना था कि यह विमान उसकी सभी जरूरतों को पूरा नहीं करता।

उस दौर की कई रिपोर्टों में दावा किया गया था कि वायुसेना इसकी स्टेल्थ क्षमताओं से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थी। इसके अलावा तकनीक हस्तांतरण (टेक्नोलॉजी ट्रांसफर) को लेकर भी दोनों पक्षों के बीच मतभेद थे।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्हाइट हाउस यात्रा के दौरान भारत को एफ-35 की पेशकश की थी। अब पुतिन के नए प्रस्ताव के बाद माना जा रहा है कि रूस इन पुरानी चिंताओं को दूर करने की कोशिश कर रहा है।

पुतिन बोले- रूस, भारत-चीन के रिश्तों में दखल नहीं देगा

पुतिन ने कहा है कि भारत और चीन के रिश्ते बेहद संवेदनशील और जटिल हैं, इसलिए रूस उनमें दखल नहीं देना चाहता। उन्होंने भरोसा जताया कि मोदी और जिनपिंग बातचीत के जरिए सीमा विवाद समेत सभी अहम मुद्दों का समाधान निकाल सकते हैं।

जेईई एडवांस्ड में डेटा लीक की खबरें भ्रामक

शिक्षा मंत्रालय और आईआईटी रुड़की ने किया खंडन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (एडवांस्ड) के नतीजों में डाटा लीक होने के आरोपों को खारिज कर दिया।

मंत्रालय ने आईआईटी रुड़की द्वारा 1.79 लाख से ज्यादा छात्रों के लिए आयोजित इस परीक्षा में लोगों का भरोसा कम करने की कोशिशों की निंदा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में मंत्रालय ने कहा, 'जेईई (एडवांस्ड) परीक्षा देने वाले छात्रों के डाटा लीक और प्राइवेसी के उल्लंघन के बारे में कई गुमराह करने वाली और तथ्यों के हिसाब से गलत खबरें आई हैं।'

मंत्रालय ने कहा, 'आईआईटी रुड़की द्वारा जारी स्पष्टीकरण के मुताबिक, हम फिर से कहते हैं कि कोई भी संवेदनशील जानकारी लीक नहीं हुई है, और परीक्षा के नतीजे, मार्क्स और उम्मीदवारों की जानकारी पूरी तरह सुरक्षित और सही सलामत है।' आईआईटी रुड़की ने भी सोशल मीडिया पर डाटा लीक के दावों को खारिज करते हुए एडमिशन चाहने वाले छात्रों और उनके माता-पिता की चिंताओं को दूर किया। संस्थान ने कहा कि किसी तकनीकी घटना को

गलत तरीके से पेश करने और परीक्षा प्रणाली में लोगों का भरोसा कम करने की जानबूझकर की गई कोशिशें 'बहुत चिंताजनक' हैं और इन्हें हतोत्साहित किया जाना चाहिए। जेईई एडवांस्ड परीक्षा, 23 प्रमुख इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) में एडमिशन चाहने वाले उम्मीदवारों के लिए एक क्वालिफाइंग परीक्षा है।

आईआईटी रुड़की ने सोशल मीडिया पर कहा, 'लाखों जेईई (एडवांस्ड) उम्मीदवारों के डेटा लीक और प्राइवेसी के उल्लंघन के दावे गुमराह करने वाले और तथ्यों के हिसाब से गलत हैं।' आईआईटी रुड़की ने कहा, 'सोशल मीडिया पर फैल रही जानकारी गुमराह करने वाली है और असल में क्या हुआ था, उसे सही ढंग से नहीं दिखाती। गलत जानकारी फैलाने की कोशिश की जा रही है, जो सच्चाई से बहुत दूर है।'

संस्थान ने कहा, '2 जून को एडमिट कार्ड डाटा तक पहुंचने में मुश्किलों का सामना कर रहे उम्मीदवारों की मदद करने और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए तेजी से कुछ तकनीकी बदलाव किए गए थे। इन बदलावों के कारण क्लाउड स्टोरेज कंपोनेंट में बहुत कम समय के लिए एक छोटी सी गलत कॉन्फिगरेशन की समस्या हुई थी।' संस्थान ने कहा, 'एक एथिकल हैकर, राइलेन अनिल ने इस गलत कॉन्फिगरेशन की पहचान की और बताया कि वह संबंधित डाटाबेस तक पहुंच सकते हैं।'

इस समस्या को तुरंत ठीक कर दिया गया और डाटा तक पहुंच को सीमित कर दिया गया।

कर्नाटक कांग्रेस में बढ़ते असंतोष के बीच बेंगलुरु पहुंचे राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे

बेंगलुरु। कर्नाटक में मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व वाली नई कांग्रेस सरकार के भीतर जारी असंतोष के बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शुक्रवार को बेंगलुरु पहुंचे। दोनों नेता राज्यसभा चुनाव के लिए खड़गे के नामांकन दाखिल करने के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए।

राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और मंसूर अली खान के साथ कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव के लिए खड़गे का नामांकन दाखिल कराने विधान सौधा पहुंचे। बेंगलुरु पहुंचने पर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने स्वागत किया।

इससे पहले राहुल गांधी ने दिल्ली से बेंगलुरु पहुंचने के बाद केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक पौधा लगाया। इस दौरान मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, मंत्री एम.बी. पाटिल और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

इधर, कर्नाटक सरकार के भीतर असंतोष भी खुलकर सामने आ गया है। जल संसाधन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने शुक्रवार को कैबिनेट से इस्तीफा देने का ऐलान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बेंगलुरु अर्बन विभाग देने का अपना वादा पूरा नहीं किया। रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि सरकार गठन के समय उन्हें आश्वासन दिया गया था कि ढाई साल बाद उन्हें बेंगलुरु अर्बन विभाग दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि डी.के. शिवकुमार और उनके भाई डी.के. सुरेश ने व्यक्तिगत रूप से यह भरोसा दिलाया था, लेकिन बाद में उन्हें जल संसाधन विभाग सौंप दिया गया। वहीं, सरकार को एक और झटका तब लगा जब वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग दिए जाने पर नाराजगी जताई और मंत्रालय का कार्यभार संभालने से इनकार कर दिया। उन्होंने पार्टी आलाकमान से हस्तक्षेप कर स्थिति सुधारने की मांग की है। दलित समुदाय से आने वाले के.एच. मुनियप्पा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं। वह सात बार सांसद रह चुके हैं और पूर्व केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और जनसरोकारों से जुड़ी राजनीति के लिए उन्हें जाना जाता है।

कर्नाटक कांग्रेस संकट : नाराज मंत्री मुनियप्पा ने खाद्य मंत्रालय का कार्यभार संभालने से किया इनकार

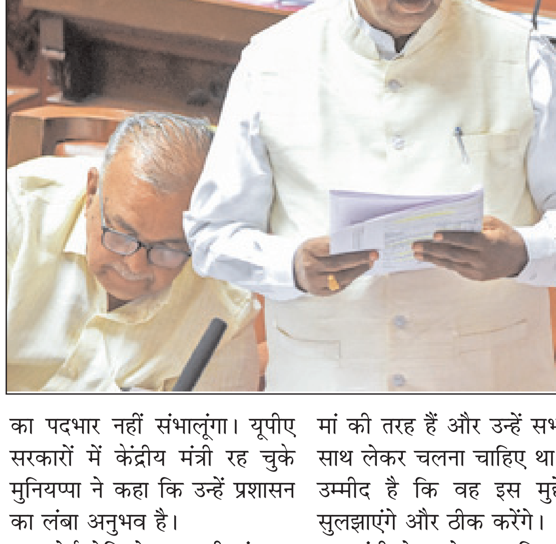

बेंगलुरु। डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार के लिए एक और झटका तब लगा, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मंत्री केएच. मुनियप्पा ने खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के आवंटन पर कड़ी नाराजगी जताई और घोषणा की कि वे इस मंत्रालय का कार्यभार नहीं संभालेंगे।

वरिष्ठ मंत्री ने पार्टी हाईकमान से अपील की है कि वे उनके साथ हुई नाइंसाफी को ठीक करने के लिए दखल दें। यह कदम एक ऐसी ही घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें वरिष्ठ मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने पोर्टफोलियो बंटवारे से नाराज होकर इस्तीफे का ऐलान किया था।

सूत्रों का कहना है कि मंत्री इस बात से नाराज हैं कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे और पूर्व सीएम सिद्दारमैया के बेटे यतींद्र सिद्दारमैया को अहम पद दिए गए हैं। शुक्रवार को बेंगलुरु ग्रामीण जिले के देवनहल्ली में मुनियप्पा ने कहा, 'पार्टी हाईकमान को नेताओं की सीनियरिटी को समझना चाहिए और पोर्टफोलियो बंटवारे से जुड़ी दिक्कतों को ठीक करना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि जब तक ऐसा नहीं होता, मैं मुझे सौंपे गए मंत्रालय का पदभार नहीं संभालूंगा। यूपीए सरकारों में केंद्रीय मंत्री रह चुके मुनियप्पा ने कहा कि उन्हें प्रशासन का लंबा अनुभव है।

पोर्टफोलियो का सही बंटवारा सुनिश्चित करना और ऐसे फैसले लेना, जिनसे नेताओं की सीनियरिटी और जनता का भरोसा बना रहे, हाईकमान की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे को सभी नेताओं को साथ लेकर चलने के लिए कदम उठाने चाहिए थे। मुनियप्पा ने कहा कि वह एक मां की तरह हैं और उन्हें सभी को साथ लेकर चलना चाहिए था। मुझे उम्मीद है कि वह इस मुद्दे को सुलझाएंगे और ठीक करेंगे।

मंत्री ने आगे कहा कि उन्होंने यह मामला राहुल गांधी, एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और केसी वेणुगोपाल के साथ-साथ पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और मौजूदा मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के ध्यान में लाया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नेतृत्व इस मुद्दे को सुलझा लेगा।

संक्षिप्त खबरें

मुंबई के मानखुर्द में चार साल की बच्ची का यौन शोषण, 60 वर्षीय पड़ोसी गिरफ्तार

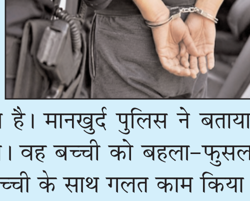

मुंबई। मुंबई में चार साल की बच्ची के यौन शोषण का मामला सामने आया है। मानखुर्द इलाके में रहने वाले एक साठ वर्षीय व्यक्ति ने पड़ोस की चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मानखुर्द पुलिस ने बताया कि आरोपी उसी इलाके में रहता था। वह बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया। वहां उसने बच्ची के साथ गलत काम किया और उसे धमकी भी दी कि अगर किसी को बताया तो नुकसान पहुंचाएगा। बच्ची ने घर आकर अपने परिवार वालों को पूरी घटना बताई। परिवार वाले तुरंत पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत मिलते ही मामले को बहुत गंभीरता से लिया। तुरंत जांच शुरू की गई और आरोपी को जल्दी ही पकड़ लिया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपी पड़ोसी होने के कारण बच्ची पर आसानी से भरोसा जमा पाया। पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है ताकि कोई और पहलू सामने न आए। बच्ची को तुरंत चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू कर दिया है। बच्ची अभी सदमे में है और परिवार वाले भी बहुत परेशान हैं। स्थानीय लोग इस घटना से काफी आक्रोशित हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए इलाके में सख्त निगरानी बढ़ाई जाए।

नीट पेपर लीक मामले में आरोपी मनीषा वाघमारे की जमानत पर फैसला सुरक्षित, 9 जून को आएगा आदेश

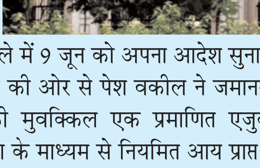

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पेपर लीक मामले की आरोपी मनीषा वाघमारे की जमानत याचिका पर राऊ एवेन्यू कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने कहा कि वह इस मामले में 9 जून को अपना आदेश सुनाएगी। सुनवाई के दौरान मनीषा वाघमारे की ओर से पेश वकील ने जमानत की मांग करते हुए कहा कि उनकी मुवक्किल एक प्रमाणित एजुकेशन काउंसलर हैं और उन्हें काउंसलिंग के माध्यम से नियमित आय प्राप्त होती है। सीबीआई जिस बैंक लेन-देन का उल्लेख कर रही है, वह करीब 3.50 लाख रुपए की राशि थी, जो उन्हें पैतृक संपत्ति की गिफ्ट डीड के माध्यम से प्राप्त हुई थी। बचाव पक्ष ने अदालत को बताया कि मनीषा वाघमारे के बैंक खातों में ऐसा कोई आपत्तिजनक या संदिग्ध लेन-देन नहीं मिला है, जिसके आधार पर उन्हें हिरासत में रखा जाए। वकील ने यह भी कहा कि सीबीआई ने उनके घर पर दो बार तलाशी ली, लेकिन वहां से कोई कैश या आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई।

पटना के दो कोचिंगों में विवाद का मामला तूल पकड़ा, खान सर के खिलाफ एफआईआर

पटना। बिहार की राजधानी पटना में दो कोचिंग संस्थानों में शुरू हुए विवाद का मामला अब तूल पकड़ लिया है। इस बीच, खान ग्लोबल स्टडीज में हुई तोड़फोड़ की घटना के संबंध में अब फैसल खान उर्फ 'खान सर' पर भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। इधर, पुलिस ने छात्रों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है।

पुलिस के मुताबिक, मंगलवार देर रात खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग संस्थान में कथित तौर पर तोड़फोड़ की गई थी और परिसर पर पथराव किया गया था। इसके बाद गुरुवार को एक वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कथित तौर पर गोली चलाने के आरोप में खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग संस्थान के दो सुरक्षा गार्डों को गिरफ्तार किया था। जानकारी के मुताबिक, इनके बयान के आधार पर फैसल खान को भी आरोपी बनाया गया है। इस बीच पटना पुलिस ने एक बयान जारी कर कहा कि कदमकुआं थानांतर्गत खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग संस्थान पर पथराव एवं तोड़फोड़ की गई थी। उक्त के संदर्भ में कदमकुआं थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। अनुसंधान के क्रम में एक वीडियो के सामने आने के बाद दो लोग घटना के पश्चात हवाई फायरिंग करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो के सत्यापन के बाद खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग संस्थान से जुड़े दो गार्ड को हिरासत में लेकर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। प्रयोग किए गए हथियारों को जब्त करके एफएसएल जांच के लिए अग्रसित किया जा रहा है। बयान में अनुरोध करते हुए कहा गया है, 'सभी छात्र-छात्राओं से अनुरोध है कि कोचिंग सेंटर की प्रतिस्पर्धा में किसी के बहकावे में न आएं। अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।' खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग संस्थान पर पथराव और तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ज्ञान बिंदु कोचिंग संस्थान के निदेशक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

गुजरात में 226 करोड़ रुपए के संदिग्ध क्रिप्टो नेटवर्क का पर्दाफाश

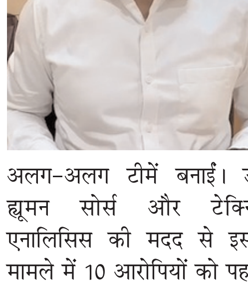

गांधीनगर। गुजरात के गांधीनगर स्थित साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने टेररिस्ट फंडिंग नेटवर्क, इंटरनेशनल ड्रग्स नेटवर्क और डार्क वेब से जुड़े 226 करोड़ रुपए से ज्यादा के क्रिप्टो करेंसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इसी के साथ साइबर पुलिस ने 'डर्टी क्रिप्टो' को यूएसडीटी में बदलने वाले गैंग के आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है।

इसी को लेकर संजय केशवलाल, पुलिस अधीक्षक, साइबर अपराध ने बताया कि आजकल बढ़ते साइबर क्राइम को रोकने के लिए डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी), सीआईडी क्राइम और रेलवे, डॉ के लक्ष्मी नारायण राव और डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीआईजी), बिपिन अहीर ने सख्त और गहन कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे, जिसके अनुसार एसपी, डॉ राजदीप सिंह झाला और एसपी संजय केशवाला और एसपी विवेक भेड़ा ने अलग-अलग टीमें बनाईं। उन्होंने ह्यूमन सोर्स और टेक्निकल एनालिसिस की मदद से इस पूरे मामले में 10 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया था। क्राइम में फिलहाल 2 और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की टेक्निकल यूनिट ने क्रिप्टो करेंसी के ब्लॉकचेन और उसके ट्रांजैक्शन को एनालाइज करके एक बहुत बड़े इंटरनेशनल फाइनेंशियल नेटवर्क का पर्दाफाश किया है।

एम्स के कार्यवाहक निदेशक डॉ. निखिल टंडन के खिलाफ अवमानना नोटिस जारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने डीएनए जांच रिपोर्ट से जुड़े एक मामले में अपने आदेश का पालन न करने पर एम्स नई दिल्ली के कार्यवाहक निदेशक के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की है। अदालत ने उन्हें 7 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने इस बात पर नाराजगी जताई कि अदालत के स्पष्ट निर्देश के बावजूद एम्स निदेशक की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया गया। इसके बजाय एम्स के एक उप सचिव (डिप्टी सेक्रेटरी) ने हलफनामा दाखिल किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 16 अप्रैल को दिए गए आदेश में साफ तौर पर निदेशक से व्यक्तिगत स्पष्टीकरण मांगा गया था। ऐसे में किसी अन्य अधिकारी द्वारा उनकी ओर से जवाब दाखिल करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान एम्स की ओर से पेश वकील ने बताया कि फिलहाल संस्थान में स्थायी निदेशक नहीं हैं और वर्तमान अधिकारी केवल कार्यवाहक निदेशक के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, हालांकि अदालत ने इस दलील को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि चाहे कोई अधिकारी स्थायी पद पर हो या कार्यवाहक के रूप में, उसे अपने पद की जिम्मेदारियां निभानी होंगी। अदालत ने कहा कि वह इस मामले में कार्यवाहक निदेशक को संदेह का लाभ देने के पक्ष में नहीं है और प्रथमदृष्टया यह अवमानना का मामला बनता है।

मालवीय नगर अग्निकांड : विदेशी नागरिकों की मौत को लेकर दूतावासों के संपर्क में भारत सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट में हुई भीषण आग की घटना में 13 विदेशी नागरिकों की मौत हो गई, जबकि 22 से अधिक विदेशी नागरिक घायल हुए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को विदेश मंत्रालय ने दी।

नई दिल्ली में साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान एमईए के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने बताया कि मृतकों में चार नागरिक नाइजीरिया, तीन किर्गिस्तान तथा एक-एक नागरिक मोज़ाम्बिक, लाइबेरिया, उज़्बेकिस्तान, बांग्लादेश, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और इराक के हैं।

जायसवाल ने कहा, 'उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दिल्ली अग्निकांड में मरने वालों में 13 विदेशी नागरिक शामिल हैं। हम सभी संबंधित देशों के दूतावासों के संपर्क में हैं और उनकी जरूरतों के अनुसार हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।' उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय स्थानीय प्रशासन और अस्पतालों के साथ समन्वय कर आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रियाओं, चिकित्सा सहायता और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं में सहयोग कर रहा है। इस घटना में लगभग 22 विदेशी नागरिक घायल भी हुए हैं। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया था। उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों के लिए 50 हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की।

गौरतलब है कि बुधवार सुबह दिल्ली के मालवीय नगर स्थित बहुमंजिला लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट में भीषण आग लगने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा था कि मालवीय नगर की अग्नि दुर्घटना में लोगों की मौत अत्यंत दुखद है।

सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रही है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है।

लोक कलाओं को नई पीढ़ी से जोड़ना समय की मांग, संस्कृति बची तो पहचान बचेगी : राज्यपाल

लखनऊ। आधुनिकता और तकनीकी बदलाव के दौर में लोक संगीत, लोक नृत्य और लोक परंपराओं को केवल स्मृतियों तक सीमित नहीं रहने दिया जा सकता। संस्कृति किसी समाज की विरासत भर नहीं, बल्कि उसकी पहचान और अस्तित्व का आधार होती है, इसलिए कला और संस्कृति के संरक्षण को जन-जन का दायित्व बनाना होगा। यह संदेश उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने संगीत नाटक अकादमी सम्मान समारोह-2026 के अवसर पर दिया।

वहीं, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि लोक कलाकार हमारी सनातन सांस्कृतिक विरासत के वास्तविक संरक्षक हैं और सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है। जन भवन स्थित गांधी सभागार में आयोजित उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी सम्मान समारोह-2026 में वर्ष 2021, 2022, 2023 और 2024 के लिए चयनित 51 विशिष्ट कलाकारों को संगीत, नृत्य, नाटक और लोककलाओं के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राज्यपाल का संदेश पढ़कर सुनाया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने संदेश में कहा कि कला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्थान का सशक्त साधन है। कला अतीत की धरोहर होने के साथ-साथ भविष्य की प्रेरणा भी है, जो पीढ़ियों तक समाज को दिशा देने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि लोकगीत, लोकनाट्य और लोकसंगीत किसी भी सभ्यता की आत्मा होते हैं, और इन्हीं के माध्यम से समाज की सांस्कृतिक चेतना जीवित रहती है।

एम्स के कार्यवाहक निदेशक डॉ. निखिल टंडन के खिलाफ अवमानना नोटिस जारी

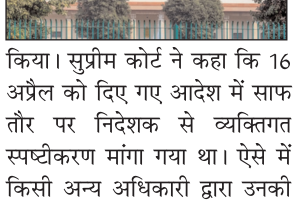

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने डीएनए जांच रिपोर्ट से जुड़े एक मामले में अपने आदेश का पालन न करने पर एम्स नई दिल्ली के कार्यवाहक निदेशक के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की है। अदालत ने उन्हें 7 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने इस बात पर नाराजगी जताई कि अदालत के स्पष्ट निर्देश के बावजूद एम्स निदेशक की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया गया। इसके बजाय एम्स के एक उप सचिव (डिप्टी सेक्रेटरी) ने हलफनामा दाखिल किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 16 अप्रैल को दिए गए आदेश में साफ तौर पर निदेशक से व्यक्तिगत स्पष्टीकरण मांगा गया था। ऐसे में किसी अन्य अधिकारी द्वारा उनकी ओर से जवाब दाखिल करना स्वीकार नहीं किया जा सकता।

सुनवाई के दौरान एम्स की ओर से पेश वकील ने बताया कि फिलहाल संस्थान में स्थायी निदेशक नहीं हैं और वर्तमान अधिकारी केवल कार्यवाहक निदेशक के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, हालांकि अदालत ने इस दलील को खारिज कर दिया।

पीठ ने कहा कि चाहे कोई अधिकारी स्थायी पद पर हो या कार्यवाहक के रूप में, उसे अपने पद की जिम्मेदारियां निभानी होंगी। अदालत ने कहा कि वह इस मामले में कार्यवाहक निदेशक को संदेह का लाभ देने के पक्ष में नहीं है और प्रथमदृष्टया यह अवमानना का मामला बनता है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एम्स के कार्यवाहक निदेशक डॉ. निखिल टंडन को मामले में पक्षकार बनाते हुए उनके खिलाफ अवमानना नोटिस जारी किया।

राम प्रसाद दुबे
कार्यकारी संपादक

सुजीत कुमार
प्रधान संपादक विश्व केसरी

प्रधान संपादक सुजीत कुमार ने 5 जून 2026 को वरिष्ठ पत्रकार राम प्रसाद दुबे का विश्व केसरी के कार्यकारी संपादक के रूप में स्वागत किया। विश्व केसरी एक तेजी से उभरता हुआ हिंदी समाचार पत्र है, जिसका वर्तमान में नई दिल्ली से प्रकाशन हो रहा है तथा शीघ्र ही इसका छत्तीसगढ़ संस्करण भी शुरू होने जा रहा है। प्रिंट मीडिया के साथ-साथ डिजिटल मीडिया क्षेत्र में भी विश्व केसरी ने अपनी मजबूत और प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई है। तथ्यपरक, निष्पक्ष और विश्वसनीय पत्रकारिता के प्रति प्रतिबद्ध यह समाचार समूह तेजी से अपने पाठक वर्ग और प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर रहा है।

आयुषी कुमारी
बिजनेस एनालिस्ट

सचिन पवार
सीईओ विश्व केसरी

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र विश्व केसरी ने आयुषी कुमारी को बिजनेस एनालिस्ट नियुक्त किया है। उन्हें समाचार पत्र के व्यावसायिक एवं आर्थिक मामलों के विश्लेषण तथा शोध संबंधी कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति बेंगलुरु में की गई है, जहां से वह विश्व केसरी के लिए आर्थिक, कारोबारी और बाजार संबंधी विषयों पर विश्लेषणात्मक लेख एवं रिपोर्ट तैयार करेंगी।

पुस्तम सिंह सोरी
सीनियर ग्राफिक्स डिजाइनर

चन्द्रमणी साव
संपादक विश्व केसरी

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र विश्व केसरी में पुस्तम सिंह सोरी को सीनियर ग्राफिक्स डिजाइनर के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्हें समाचार पत्र के डिजाइनिंग, ब्रांडिंग एवं रचनात्मक कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने अन्य समाचार पत्रों में सेवाएं दी हैं। कार्य अनुभव की दृष्टि से काफी दखल रखते हैं। पत्रकारिता से निरंतर सुझबुझ के साथ कार्य करने की गहरी क्षमता कार्यों में दिखलाई पड़ती है।

संक्षिप्त खबरें

सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

रायपुर। सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड में आज विश्व पर्यावरण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सारडा समूह के प्रबंध निदेशक पंकज सारडा, हेड ऑपरेशन मनोज शाह एवं हेड एचआर विवेक चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन अमित मिश्रा, हेड HSE द्वारा किया गया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी बताते हुए सभी को हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

लोक गायिका तीजन बाई की हालत स्थिर

रायपुर। एम्स रायपुर द्वारा प्राप्त जानकर के अनुसार छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक कलाकार एवं पद्म विभूषण सम्मान से अलंकृत तीजन बाई को 27 मई 2026 को गंभीर स्वास्थ्य स्थिति में एम्स रायपुर के ट्रॉमा एवं इमरजेंसी विभाग में भर्ती कराया गया था। वर्तमान में उनका उपचार मेडिकल इंटेंसिव केयर यूनिट में चल रहा है। जनरल मेडिसिन, क्रिटिकल केयर, पल्मोनरी मेडिसिन एवं नेफ्रोलॉजी विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक बहु–विषयक टीम उनकी चिकित्सा एवं देखभाल कर रही है। स्थापित चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुसार उनकी लगातार निगरानी की जा रही है।

जंतर-मंतर में सीजेपी के प्रदर्शन में शामिल होगी जकांछ (जे)

रायपुर (संवाददाता)। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने आज 6 जून को नई दिल्ली के जंतर–मंतर में आयोजित होने वाले सीजेपी (कांग्रेसजन परिषद) के प्रदर्शन में शामिल होने की घोषणा की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने कहा कि जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) देश की पहली और अब तक की एकमात्र मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टी है, जिसने इस प्रदर्शन में औपचारिक रूप से भाग लेने का निर्णय लिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में अन्य राजनीतिक दल भी इस अभियान से जुड़ेंगे। अमित जोगी ने बताया कि जंतर–मंतर में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी की ओर से महासचिव नीलेश चौहान प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन केवल किसी एक संगठन या व्यक्ति का मुद्दा नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों, राजनीतिक स्वतंत्रता और वैचारिक प्रतिबद्धता की रक्षा का प्रश्न है।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में शोध छात्रवृत्ति हेतु साक्षात्कार 22 जून को

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा विश्वविद्यालय शोध छात्रवृत्ति सत्र 2025–26 के लिए साक्षात्कार का आयोजन 22 जून को प्रातः 11:00 बजे कुलपति सचिवालय के सभागार में किया जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, शोध छात्रवृत्ति के लिए पात्र अभ्यर्थियों को साक्षात्कार समिति के समक्ष निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होना होगा। साक्षात्कार में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को पृथक रूप से पत्र के माध्यम से भी सूचित किया जा रहा है।

खाद संकट से किसानों में नाराजगी, पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने की मांग

रायपुर (संवाददाता)। खरीफ सीजन के दौरान खाद की कमी को लेकर किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। डीएपी, यूरिया और पोटाश जैसे आवश्यक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने से खेती–किसानी प्रभावित हो रही है। इस समस्या को लेकर किसानों ने प्रशासन से तत्काल व्यवस्था सुधारने की मांग की।

किसानों का कहना है कि सहकारी समितियों और सरकारी वितरण केंद्रों में जरूरत के अनुसार खाद उपलब्ध नहीं है। मजबूरी में किसानों को निजी दुकानों से अधिक कीमत पर खाद खरीदना पड़ रहा है, जिससे खेती की लागत बढ़ गई है। छोटे और सीमांत किसानों के लिए यह स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

किसान पारसनाथ साहू ने बताया कि एक किसान को फसल की बेहतर पैदावार के लिए एक बार में कम से कम दो बोरा खाद की आवश्यकता होती है, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में केवल एक बोरा खाद ही दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खाद वितरण में की गई इस कटौती से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पर्याप्त मात्रा में उर्वरक नहीं मिलने से फसलों को आवश्यक पोषण नहीं मिल पा रहा है, जिसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ने की आशंका है। किसानों का आरोप है कि खाद की कमी के कारण कई किसानों को बुवाई और फसल प्रबंधन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय पर डीएपी, यूरिया और पोटाश उपलब्ध नहीं कराया गया तो इस वर्ष पैदावार में कमी आ सकती है। किसानों ने कहा कि खाद वितरण की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और किसान हताश तथा परेशान हैं।

किसानों ने मांग की कि सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए, ताकि किसानों को निजी दुकानों पर अधिक कीमत चुकाने के लिए मजबूर न होना पड़े। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

हसदेव अरण्य में कोयला खनन विस्तार को मिली सैद्धांतिक मंजूरी, 7 लाख से अधिक पेड़ों की कटाई की आशंका

रायपुर/सरगुजा (संवाददाता)। भीषण गर्मी और पर्यावरणीय संकट के बीच छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य क्षेत्र में प्रस्तावित केते एक्सटेंशन ओपनकास्ट कोल माइन परियोजना को केंद्र की सलाहकार समिति से स्टेज–1 (इन–प्रिंसिपल) वन स्वीकृति की सिफारिश मिल गई है। इस फैसले के बाद 1742.6 हेक्टेयर वन भूमि को खनन कार्य के लिए डायवर्ट किए जाने का रास्ता साफ हो गया है। पर्यावरण कार्यकर्ताओं और स्थानीय आदिवासी समुदायों का दावा है कि इससे लगभग 7 लाख पेड़ों की कटाई होगी और हसदेव क्षेत्र की जैव विविधता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) की इस परियोजना की क्षमता 9 एमटीपीए (सामान्य) और 11 एमटीपीए (पीक) निर्धारित की गई है। परियोजना सरगुजा जिले की उदयपुर तहसील के केते, बसान, चकेरी और परोगिया गांवों में प्रस्तावित है। कुल 1760 हेक्टेयर खनन पट्टा क्षेत्र में 1742.60 हेक्टेयर वन भूमि और 17.40 हेक्टेयर गैर–वन भूमि शामिल है।

समिति ने खनन को दो चरणों में करने की शर्त लगाई है। पहले चरण में 15 वर्षों तक 1001.95 हेक्टेयर वन भूमि में ही खनन की अनुमति होगी। शेष 740.65 हेक्टेयर क्षेत्र में खनन की अनुमति तभी मिलेगी, जब पहले चरण में पुनर्वनीकरण, जैव विविधता संरक्षण और अन्य पर्यावरणीय शर्तों का पालन संतोषजनक पाया जाएगा। हसदेव अरण्य को मध्य भारत के सबसे समृद्ध वन क्षेत्रों में गिना जाता है। यह हाथी, तेंदुआ, स्लॉथ भालू समेत अनेक वन्यजीवों का महत्वपूर्ण आवास है तथा हसदेव नदी के कैचमेंट क्षेत्र का भी हिस्सा है। पर्यावरणविदों का कहना है कि क्षेत्र में पहले से संचालित परसा और परसा ईस्ट–कांता बासन (पीईकेबी) परियोजनाओं के बाद अब केते एक्सटेंशन को मंजूरी मिलने से वन क्षेत्र पर दबाव और बढ़ेगा। हालांकि समिति ने भारतीय वन्यजीव संस्थान और भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद की सिफारिशों के अनुरूप वन्यजीव प्रबंधन योजना, दीर्घकालिक निगरानी, जैव विविधता संरक्षण तथा मृदा एवं जल संरक्षण योजनाओं को अनिवार्य बनाया है। इसके लिए आवश्यक राशि राष्ट्रीय कैम्पा खाते में जमा करानी होगी।

परियोजना को मिली इस सैद्धांतिक मंजूरी के बाद एक बार फिर हसदेव अरण्य में विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन को लेकर बहस तेज होने की संभावना है। स्थानीय ग्रामीणों, आदिवासी संगठनों और पर्यावरण समूहों ने फैसले पर चिंता जताते हुए वन संरक्षण को प्राथमिकता देने की मांग की है।

गौमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग

रायपुर। मुस्लिम समाज, नगर पालिक निगम बिरगांव द्वार जुमे की नमाज़ के बाद एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री के नाम हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस अभियान में सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने हस्ताक्षर कर इस मांग का समर्थन किया। समाज के पदाधिकारियों द्वारा शीघ्र ही राज्यपाल, छत्तीसगढ़ से समय लेकर इस हस्ताक्षरयुक्त बैनर को औपचारिक रूप से सौंपा जाएगा, ताकि इस जनभावना को शासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।

पर्यावरणीय मानकों से समझौता नहीं, 94 उद्योगों को नोटिस

रायपुर। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा रायपुर क्षेत्रांतर्गत संचालित औद्योगिक इकाइयों के पर्यावरणीय अनुपालन की नियमित निगरानी की जा रही है। मंडल के क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा जल एवं वायु प्रदूषणकारी उद्योगों का औचक निरीक्षण कर पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों के विरुद्ध वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981 एवं जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के तहत कठोर कार्रवाई की जा रही है।

क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर के अंतर्गत रायपुर, बलौदाबाजार–भाटापारा, धमतरी, महासमुंद एवं गरियाबंद जिलों में स्थापित उद्योगों के विरुद्ध जनवरी 2025 से मई 2026 की अवधि में व्यापक कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल 94 प्रदूषणकारी उद्योगों को नोटिस जारी किए गए तथा 82 उद्योगों के विरुद्ध उत्पादन बंद करने अथवा विद्युत विच्छेदन के निर्देश जारी किए गए। इसी अवधि में 96 उद्योगों पर कुल 2 करोड़ 40 लाख 65 हजार 125 रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति राशि अधिरोपित की गई। वहीं कच्चे माल, उत्पाद एवं ठोस अपशिष्टों का बिना तारपोलिन से ढंके परिवहन करने वाले 136 उद्योगों एवं संस्थानों पर 51 लाख 2 हजार 323 रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाई गई।

सुशासन तिहार में गूंजे जनसरोकार के सवाल, मूलभूत सुविधाओं को लेकर जनता नाराज; कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

रायपुर (संवाददाता)। राजधानी रायपुर के देवपुरी में आयोजित सुशासन तिहार के दौरान एक ओर सरकार जनता की समस्याओं के निराकरण और सुशासन के दावे करती नजर आई, तो वहीं दूसरी ओर पानी, बिजली, नल कनेक्शन, सड़क, पीएम आवास, मकान पट्टा समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं को लेकर नागरिकों में नाराजगी दिखाई दी। कई लोगों ने शिकायतों के लंबे समय तक लंबित रहने और समाधान नहीं होने पर असंतोष जताया।

इसी बीच सुशासन तिहार के विरोध में शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि आम जनता की समस्याओं का समाधान करने के बजाय सरकार आयोजन और प्रचार पर अधिक ध्यान दे रही है।

प्रदर्शन के दौरान शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने कहा कि कांग्रेस सुशासन का विरोध नहीं कर रही है, बल्कि जनता की समस्याओं को सामने लाने और उनकी मदद करने का काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कांग्रेस कार्यकर्ता लोगों की आवाज उठाने पहुंचते हैं तो प्रशासन और पुलिस के माध्यम से उन्हें रोकने का प्रयास किया जाता है।

मेनन ने यह भी आरोप लगाया कि ठेकेदारों से भाजपा के कुछ पार्षदों द्वारा एक–एक लाख रुपये की घूस मांगने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिसका कांग्रेस विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता विभिन्न स्तरों पर परेशान है और कांग्रेस सड़क पर उतरकर लोगों के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही है। सुशासन तिहार के बीच जनता की शिकायतों और विपक्ष के आरोपों ने राजनीतिक माहौल को गर्म कर दिया है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि सरकार इन आरोपों और जनसमस्याओं पर क्या कदम उठाती है तथा सुशासन के दावों को धरातल पर किस तरह साबित करती है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बीएसएफ छत्तीसगढ़ का हरित संकल्प

5000 से अधिक पौधों का रोपण

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सामरिक मुख्यालय (विशेष–संक्रिया) सीमा सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए व्यापक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत सामरिक मुख्यालय (विशेष–संक्रिया) बीएसएफ छत्तीसगढ़, भिलाई तथा अधीनस्थ वाहिनियों एवं इकाइयों में 5000 से अधिक छायादार, औषधीय, फलदार एवं सजावटी पौधों का रोपण किया गया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ गिरधारी लाल मीणा, उप महानिरीक्षक, सामरिक मुख्यालय (विशेष–संक्रिया) बी.एस.एफ छत्तीसगढ़, द्वारा पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर उप महानिरीक्षक महोदय ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने सभी कार्मिकों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण सुनिश्चित करने का आव्हान किया। बीएसएफ छत्तीसगढ़ द्वारा प्रत्येक वर्ष मानसून अवधि के दौरान व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इस वर्ष भी बी0एस0एफ सामरिक मुख्यालय से लेकर वाहिनी एवं कम्पनी स्तर तक यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर बीएसएफ के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सामूहिक जिम्मेदारी का निर्वाहन किया। कार्यक्रम के अंत में बीएसएफ परिवार की ओर से सभी देशवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं जनभागीदारी का संदेश दिया गया। यह वृक्षारोपण अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व, जन–जागरूकता एवं सतत विकास के प्रति बीएसएफ की प्रतिबद्धता का भी सशक्त

नीट यूजी 2026 परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए मुख्य सचिव ने कलेक्टरों को दिये दिशा-निर्देश

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता मे यहां मंत्रालय महानदी भवन में आगामी 21 जून को नीट (यू जी) 2026 की पुनः परीक्षा के सुचारु संचालन हेतु बैठक आयोजित की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंस से आयोजित इस बैठक में मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये हैं। उन्होंने परीक्षा के दौरान केन्द्र सरकार एवं राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा जारी दिशा– निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने कहा है।

नीट पुनः परीक्षा 21 जून को

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों को परीक्षा के पहले ही परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करने और परीक्षा के लिए की गई तमाम तैयारियों के बारे जानकारी लेने कहा है। मुख्य सचिव ने कहा है कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस है इसे ध्यान में रखते हुये परीक्षा संचालन में कहीं पर कोई दिक्कत नहीं हो यह सुनिश्चित कर लिया जाये। परीक्षा केन्द्रों पर आने जाने के लिए समुचित व्यवस्था हो।

संपादकीय

रुपये की गिरावट, वैश्विक मुद्रा दबाव और भारत की आर्थिक चुनौती

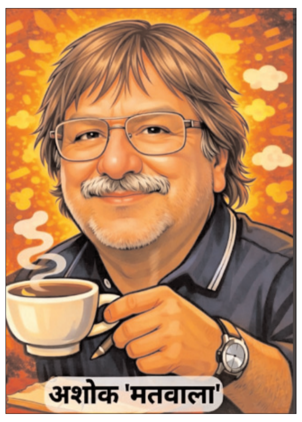
अशोक 'मतवाला'

पिछले कुछ महीनों में भारतीय रुपये की विनिमय दर को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी की चर्चा केवल वित्तीय बाजारों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह आम नागरिकों के रोजमर्रा के जीवन—महंगाई, ईंधन की कीमतों और आयात लागत—तक महसूस की जाने लगी है। इसी बीच यह भी कहा जा रहा है कि एशिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में रुपया अधिक दबाव में रहा है, जबकि चीनी युआन और पाकिस्तानी रुपया अपेक्षाकृत स्थिर या हल्की मजबूती दिखा रहे हैं। लेकिन इस पूरे परिदृश्य को केवल सतही तुलना से समझना पर्याप्त नहीं है। मुद्रा बाजारों की चाल कई वैश्विक और घरेलू कारकों के जटिल मिश्रण का परिणाम होती है—जिनमें ब्याज दरें, विदेशी पूंजी प्रवाह, व्यापार घाटा, कच्चे तेल की कीमतें और केंद्रीय बैंकों की नीतियाँ प्रमुख भूमिका निभाती हैं।

डॉलर की मजबूती और वैश्विक परिदृश्य

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि डॉलर के मुकाबले केवल भारत का रुपया ही नहीं, बल्कि कई उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राएँ दबाव में रहती हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति, वैश्विक अनिश्चितता और सुरक्षित निवेश के रूप में डॉलर की मांग बढ़ने पर दुनिया भर की मुद्राओं पर असर पड़ता है। जब वैश्विक निवेशक जोखिम से बचते हैं, तो वे उभरते बाजारों से पूंजी निकालकर अमेरिकी बॉन्ड या डॉलर आधारित परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं। इसका सीधा असर स्थानीय मुद्राओं पर पड़ता है। इसलिए मुद्रा की कमजोरी को केवल घरेलू विफलता के रूप में देखना अधूरा विश्लेषण होगा। भारतीय रुपये पर हाल के समय में दबाव के कुछ संरचनात्मक कारण लगातार बने हुए हैं। पहला कारण है व्यापार घाटा। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, विशेषकर कच्चे तेल का। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है।

दूसरा कारण है विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI) का उतार-चढ़ाव। वैश्विक ब्याज दरों में बदलाव के साथ विदेशी निवेशक भारतीय शेयर और बॉन्ड बाजार से पूंजी निकालते या डालते रहते हैं, जिससे रुपये पर दबाव बनता है। तीसरा कारण है डॉलर इंडेक्स की मजबूती। हाल के वर्षों में डॉलर ने वैश्विक स्तर पर मजबूती दिखाई है, जिससे लगभग सभी एशियाई मुद्राओं पर दबाव बना है। अक्सर यह दावा किया जाता है कि इस अवधि में चीनी युआन और पाकिस्तानी रुपया अपेक्षाकृत मजबूत रहे हैं। वास्तविकता अधिक जटिल है। चीनी युआन को चीन का केंद्रीय बैंक सक्रिय रूप से नियंत्रित करता है, और उसकी विनिमय दर बाजार के पूर्ण मुक्त प्रवाह पर आधारित नहीं है। इसलिए उसकी स्थिरता कई बार नीति-आधारित होती है, न कि केवल बाजार-आधारित। पाकिस्तानी रुपया, दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) कार्यक्रमों और कड़े नियंत्रणों के बीच संचालित होता है, जहाँ मुद्रा स्थिरता अक्सर आर्थिक दबावों के साथ संतुलित की जाती है। इसलिए विभिन्न देशों की मुद्राओं की सीधी तुलना हमेशा सही निष्कर्ष नहीं देती।

क्या RBI ने सोना बेचकर डॉलर खरीदा ?

हाल के दिनों में कुछ रिपोर्ट्स और चर्चाओं में यह दावा सामने आया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने रुपये को स्थिर करने के लिए सोने की बिक्री या स्वैप के माध्यम से डॉलर जुटाए हैं। इस प्रकार की खबरों को सावधानी से समझना जरूरी है।

वास्तव में RBI समय-समय पर विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करता है, लेकिन उसका मुख्य उपकरण डॉलर-रुपया स्वैप, विदेशी मुद्रा भंडार का प्रबंधन और सरकारी प्रतिभूतियों के माध्यम से तरलता नियंत्रण होता है। RBI के पास सोने का भंडार एक रणनीतिक परिसंपत्ति के रूप में होता है, और उसका उपयोग अत्यंत सीमित परिस्थितियों में ही किया जाता है। इसलिए बिना आधिकारिक पुष्टि के यह कहना कि 'सोना बेचकर डॉलर खरीदे गए' एक अधूरी या अतिरंजित व्याख्या हो सकती है। हालांकि यह सही है कि RBI रुपये में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए बाजार में सक्रिय भूमिका निभाता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि मुद्रा की कमजोरी अपने आप में अर्थव्यवस्था की कमजोरी का पूर्ण संकेत नहीं होती। भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और विकास दर के मामले में प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी बना हुआ है।

विदेशी मुद्रा भंडार, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, सेवा निर्यात और मजबूत घरेलू मांग—ये सभी ऐसे कारक हैं जो भारत की आर्थिक नींव को स्थिर रखते हैं। लेकिन साथ ही यह भी सच है कि रुपया लंबे समय से संरचनात्मक दबाव में है, जो भारत की आयात निर्भरता और वैश्विक पूंजी प्रवाह पर निर्भरता को दर्शाता है।

मुद्रा में गिरावट का सबसे सीधा असर आम जनता पर महंगाई के रूप में पड़ता है। आयातित तेल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ती है, जिसका असर खाद्य वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों पर भी पड़ता है। विदेशी शिक्षा, यात्रा और इलेक्ट्रॉनिक सामान भी महंगे हो जाते हैं।

इसलिए रुपये की स्थिरता केवल वित्तीय बाजार का विषय नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक और आर्थिक चिंता का विषय है। भारत के लिए दीर्घकालिक समाधान केवल मुद्रा प्रबंधन नहीं, बल्कि संरचनात्मक सुधारों में है। ऊर्जा में आत्मनिर्भरता, निर्यात बढ़ाने की रणनीति, मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करना और वैश्विक निवेश को स्थिर करना—ये सभी रुपये को मजबूत करने में सहायक हो सकते हैं। इसके साथ ही RBI की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी, जो बाजार में अत्यधिक अस्थिरता को नियंत्रित करने का प्रयास करता है, लेकिन दीर्घकालिक रुझानों को अकेले नहीं बदल सकता।

नई टेक्नोलॉजी में निवेश की चाहत से पिछड़ रहा भारतीय शेयर बाजार

इंद्र शेखर शाह

भारतीय शेयर बाजार के बाजार पूंजीकरण के मामले में फिसलकर ताइवान और दक्षिण कोरिया के बाद सातवें पायदान पर लुढ़कने में नई पीढ़ी की टेक्नोलॉजी कंपनियों की महत्ती भूमिका है जिसमें भारतीय कंपनियां पिछड़ती दिख रही है।

सूचना प्रौद्योगिकी और इंटरनेट का जमाना आया था तब भारतीय कम्पनियों विशेषकर इससे जुड़ी कम्पनियों ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई जिससे देश को इस क्षेत्र में स्थापित होने में काफी मदद मिली लेकिन अब जो नई टेक्नोलॉजी विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र भारतीय कम्पनियों के पिछड़ने से देश को आर्थिक नुकसान होने लगा है। दुनिया भरके निवेशक अब इन क्षेत्रों की कंपनियों में निवेश करने लगे हैं और यही कारण है कि भारत से निकलकर वे अब दुनिया के दूसरे देशों की रुख करने लगे हैं। इसका दबाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी दिख रहा। इसका असर रूपये पर भी हुआ है क्योंकि जब कोई निवेश अपना निवेश निकलता है तो वह डॉलर की खरीद करता है और रुपए पर इसका सीधा असर होता है। रूपये में गिरावट से सपूर्ण अर्थ तंत्र प्रभावित होता है।

हाल ही नीति आयोग ने नई टेक्नोलॉजी विशेषकर सेमीकंडक्टर को लेकर एक नीतिगत रिपोर्ट तैयार की है जिसमें कहा गया है कि सेमीकंडक्टर मॉडर्न इकोनॉमिक पावर के सेंटर में हैं। वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेलीकम्युनिकेशन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, डिफेंस सिस्टम, हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को पावर देने वाली ज़रूरी बैकबोन के तौर पर काम करते हैं। टेक्नोलॉजी से होने वाली तरक्की में उनकी अहम भूमिका को देखते हुए, सेमीकंडक्टर न सिर्फ़ स्ट्रेटेजिक एसेट हैं, बल्कि इकोनॉमिक लचीलेपन और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है। इसके साथ ही वे 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बनने के लिए भी ज़रूरी है।

बढ़ते जियोपॉलिटिकल दबाव और टेक्नोलॉजी कॉम्पिटिशन की वजह से ग्लोबल सप्लाई चेन में बिखराव हो रहा है, ऐसे में सेमीकंडक्टर को डिज़ाइन, मैन्युफैक्चर और इंटीग्रेट करने के लिए घरेलू क्षमता बनाना भारत के भविष्य के विकास और स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी को अहम रूप से आकार देगा। तेज़ी से बदलता डिमांड का माहौल ग्लोबल सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री लगातार, टेक्नोलॉजी से होने वाले विस्तार के दौर में जा रही है।

इसमें कहा गया है कि लगातार प्रतिबद्धता और रणनीतिक स्पष्टता के साथ, भारत एक प्रतिस्पर्धी सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बना सकता है, जो आर्थिक मज़बूती को बढ़ाएगा और देश को एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के भविष्य में एक अहम खिलाड़ी के तौर पर स्थापित करेगा।

यह बदलाव काफी हद तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - सेंट्रिक कंप्यूटिंग, 5G/6G नेटवर्क, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, डेटा सेंटर, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और एज इंटेलिजेंस से प्रेरित है। ये मांग जनरल-पर्पस चिप्स से आगे बढ़कर स्पेशल आर्किटेक्चर की ओर बढ़ रही है, साथ ही एडवांस्ड पैकेजिंग, हेटेरोजेनस इंटीग्रेशन और सिस्टम-लेवल परफॉर्मेंस पर भी ज़ोर दिया जा रहा है। 2035 तक, वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार के 1.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव, दूरसंचार, ऊर्जा और रक्षा में मजबूत घरेलू खपत से भारत की सेमीकंडक्टर मांग और भी तेजी से बढ़ रही है। देश का सेमीकंडक्टर बाजार 2035 तक लगभग 200 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, बढ़ती घरेलू मांग के बावजूद, इस मांग का लगभग 90-95 प्रतिशत वर्तमान में आयात के माध्यम से पूरा किया जाता है, जिससे बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा बाहर जाता है। मांग में वृद्धि और सीमित घरेलू क्षमता के बीच यह बढ़ता अंतर एक महत्वपूर्ण रणनीतिक मसला बन गया है। हालांकि इस मामले ने अब तक पिछड़ रही भारतीय कम्पनियों के लिए बढ़ा अवसर भी हो सकता है।

फैब्रिकेशन, असेंबली और बजट 2026 में घोषित आईएसएम 2.0 में निवेश जुटाने में शुरुआती गति मिली है, आईएसएम 2.0 एडवांस्ड पैकेजिंग, कंपाउंड सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण डिजाइन इंफ्रास्ट्रक्चर, पॉलिसी स्थिरता और दीर्घकालिक पूंजी जुटाने पर ध्यान केंद्रित करता है। विशेषज्ञों से मिले इनपुट के आधार पर अनुमान लगाता है कि सेमीकंडक्टर नेतृत्व के लिए एक दशक या उससे अधिक समय तक निरंतर, मिशन-मोड प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।

इसको ध्यान में रखते हुए विजन 2035 तैयार किया गया है जिसमें कहा गया है कि भारत को ऐसा खिलाड़ी बनने का लक्ष्य रखना चाहिए जिसके बिना वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग नहीं चल सके। 2035 तक, भारत को भागीदारी के बजाय नेतृत्व और उद्देश्य को चुनकर 120-150 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए। वैश्विक वेफर दौड़ का पीछे से पीछा करने के बजाय, भारत को अपना स्वयं का मार्ग परिभाषित करना चाहिए - जो न केवल अलग हो बल्कि रणनीतिक आत्मनिर्भरता, पारिस्थितिकी तंत्र की ताकत और वैश्विक अपरिहार्यता से आकार लेता हो। इस विजन का मूल विश्व स्तर के फैब्स पर आधारित है। ये सब मिलकर भारत के ऑटोमोटिव, एनर्जी, इंडस्ट्रियल, टेलीकॉम और स्ट्रेटेजिक सेक्टर को गति देंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत के भविष्य के लिए ज़रूरी टेक्नोलॉजी भारत की ज़मीन पर ही बनें। साथ ही, भारत अपनी सबसे बड़ी ताकतों का इस्तेमाल करेगा, जिसमें उसका डिज़ाइन टैलेंट, हाई-क्वालिटी वर्कफोर्स और मटीरियल और केमिस्ट्री इकोसिस्टम पोटेंशियल शामिल हैं।

इन फायदों के आधार पर, भारत का लक्ष्य सेमीकंडक्टर डिज़ाइन और सिस्टम आर्किटेक्चर में ग्लोबल लीडर के तौर पर उभरना होना चाहिए। आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट और एडवांस्ड पैकेजिंग के लिए टॉप-थ्री डेस्टिनेशन और ज़रूरी सेमीकंडक्टर मटीरियल, खासकर वाइड-बैंडगैप और एडवांस्ड पैकेजिंग मटीरियल का भरोसेमंद सप्लायर बनना चाहिए।

इन क्षेत्रों में, भारत को सिर्फ़ हिस्सा लेने तक खुद को सीमित रखने के बजाय, मानक तय करने, सप्लाई चेन को आकार देने और दुनिया को हमेशा के लिए खुद पर निर्भर बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए। यह विज़न भारत को सिर्फ़ एक मैन्युफैक्चरिंग जगह के तौर पर नहीं, बल्कि दुनिया के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के एक मुख्य स्तंभ के तौर पर स्थापितकार सकता है जहाँ चिप्स डिज़ाइन किए जाते हैं, इंटीग्रेट किए जाते हैं, पैकेज किए जाते हैं, पावर दिए जाते हैं और दुनिया के लिए तैयार किए जाते हैं।

इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सोच-समझकर फ़ैसले लेने होंगे कि भारत किन क्षेत्रों में मुकाबला करेगा और वह अपनी पूंजी, हुनर और नीतिगत ध्यान को कैसे बांटेगा। जहाँ एडवांस्ड-नोड वेफ़र मैन्युफैक्चरिंग में नेतृत्व हासिल करना एक लंबे समय का लक्ष्य है, वहीं मैच्योर और कंपाउंड नोड में मज़बूत दबदबा बनाना एक कम समय की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके अलावा, भारत को घरेलू मांग के लिए आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए, साथ ही एडवांस्ड पैकेजिंग में दुनिया के टॉप-तीन स्थानों में से एक बनने का ज़ोरदार प्रयास करना चाहिए। साथ ही, भारत को वाइड-बैंडगैप मटीरियल का एक अहम वैश्विक सप्लायर बनकर, दुनिया की सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन के मुख्य हिस्से में खुद को शामिल करने की कोशिश करनी चाहिए। भारत दुनिया के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में एक ज़रूरी हिस्से के तौर पर अपनी जगह पक्की कर सकता है। इससे, बदले में, सेमीकंडक्टर क्षमताओं को लंबे समय तक चलने वाले आर्थिक और रणनीतिक फ़ायदों में बदला जा सकेगा।

एक स्वदेशी सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाना अगले दशक के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण औद्योगिक बदलावों में से एक है—खासकर तब जब दुनिया की सप्लाई चेन फिर से व्यवस्थित हो रही हैं और एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक्स आर्थिक प्रतिस्पर्धा के केंद्र में आ रहे हैं। यह भारत के लिए एक अहम पल है, जब वह सिर्फ़ एक डिज़ाइन-एग्ज़ीक्यूशन हब होने से आगे बढ़कर, सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन के हर चरण में अपनी क्षमताएँ विकसित कर सकता है। इसे हासिल करने के लिए कई हितधारको की भागीदारी की ज़रूरत होती है, जिसमें आपसी सहयोग, इंडस्ट्री और एकेडेमिया की गहरी भागीदारी, और एक मज़बूत रिसर्च और टैलेंट का आधार शामिल हो। जहाँ एक तरफ़ घरेलू डिज़ाइन क्षमताओं को बढ़ाना ज़रूरी होगा, वहीं इस लक्ष्य को पाने के लिए भारत को एडवांस्ड आई पी का मालिकाना हक हासिल करने, अगली पीढ़ी के आर्किटेक्चर डेवलप करने और सिस्टम-लेवल पर इनोवेशन की क्षमता बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। साथ ही, घरेलू मैन्युफैक्चरिंग का विस्तार जिसमें मैच्योर कंपाउंड सेमीकंडक्टर और एडवांस्ड पैकेजिंग शामिल हैं जो आयात पर निर्भरता को कम करेगा और टेलीकॉम, ऑटोमोटिव, रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे सेक्टरों के लिए एक मज़बूत सप्लाई बेस तैयार करेगा। सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने में प्रगति की रफ़्तार मुख्य रूप से टैलेंट और रिसर्च में उत्कृष्टता से तय होती है। नतीजतन, विशेष ट्रेनिंग, इंडस्ट्री-एकेडेमिया सहयोग और व्यावहारिक अनुभव के ज़रिए ज़रूरी टैलेंट पाइपलाइन डेवलप करना—यानी सेमीकंडक्टर शिक्षा—बेहद ज़रूरी है। इसके साथ ही, भारत को नई टेक्नोलॉजी डिवाइस, 2डी मटीरियल, क्वांटम टेक्नोलॉजी और न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग जैसे नए रिसर्च क्षेत्रों में निवेश करना चाहिए, ताकि लंबे समय तक तकनीकी नेतृत्व सुनिश्चित किया जा सके। लगातार प्रतिबद्धता और रणनीतिक स्पष्टता के साथ, भारत एक प्रतिस्पर्धी सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बना सकता है, जो आर्थिक मज़बूती को बढ़ाएगा और देश को एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के भविष्य में एक अहम खिलाड़ी के तौर पर स्थापित करेगा।

बदलते परिवेश में भी भारत और रूस की मित्रता रहेगी कायम

महेन्द्र तिवारी

वैश्विक कूटनीति के निरंतर बदलते स्वरूप के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत के संदर्भ में दिया गया हालिया बयान दोनों देशों के बीच की प्रगाढ़ और ऐतिहासिक मित्रता को एक नई ऊर्जा प्रदान करता है। पुतिन ने अत्यंत स्पष्ट शब्दों में भारत को रूस का एक बेहद भरोसेमंद साझेदार करार दिया है। इसके साथ ही उन्होंने वैश्विक मंच पर एक बहुत बड़ा संदेश देते हुए यह भी साफ कर दिया है कि भारत और अमेरिका के बीच बढ़ती रणनीतिक और कूटनीतिक नजदीकियों का असर मॉस्को और नई दिल्ली के गहरे संबंधों पर बिल्कुल नहीं पड़ेगा। यह बयान इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक ध्रुव या गुट तक सीमित नहीं रखा है। आज के समय में जब पश्चिमी देश लगातार विकासशील देशों पर अपने एजेंडे थोपने का प्रयास कर रहे हैं, तब पुतिन का यह कहना कि भारत पर रूस के साथ सहयोग कम करने के लिए डाला जा रहा पश्चिमी दबाव पूरी तरह से व्यर्थ है, भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की सबसे बड़ी वैश्विक स्वीकार्यता है। यह बयान केवल दो नेताओं या दो देशों की सरकारों के बीच का कूटनीतिक संवाद नहीं है, बल्कि यह एक बदलते हुए विश्व के शक्ति संतुलन का बहुत ही सजीव चित्रण है।

रूस और भारत के कूटनीतिक रिश्तों की बुनियाद कई दशकों के विश्वास और आपसी सहयोग पर टिकी है। वर्ष 1971 की शांति और मैत्री संधि से लेकर आज 2026 तक के सफर में दोनों देशों ने कई वैश्विक उतार चढ़ाव देखे हैं। जब भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को समर्थन की आवश्यकता पड़ी है, रूस ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी वीटो शक्ति का इस्तेमाल कर भारत का साथ दिया है। कश्मीर का मुद्दा हो या फिर आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई, रूस हमेशा एक सच्चे मित्र की भांति भारत के साथ खड़ा रहा है। यही कारण है कि आज की सदी में भी यह रिश्ता मात्र कूटनीतिक समझौतों का मोहताज नहीं है, बल्कि यह दोनों देशों की जनता के बीच पनपे एक अटूट भावनात्मक जुड़ाव का भी प्रतीक है। पुतिन की बातों में इसी ऐतिहासिक विश्वास की झलक मिलती है। उन्हें इस बात का भलीभांति भान है कि भारत किसी भी बाहरी देश के दबाव में आकर अपने पुराने और सच्चे मित्र के साथ संबंधों में कोई भी कटौती नहीं करेगा। भारत की जनता और भारत के नीति निर्माता दोनों ही इस बात को बहुत अच्छी तरह से समझते हैं कि संकट के समय में किसने उनका साथ दिया था।

फरवरी 2022 में शुरू हुए यूक्रेन संकट के बाद से ही पश्चिमी देशों, विशेषकर अमेरिका और यूरोपीय संघ ने रूस पर कई तरह के कड़े आर्थिक और कूटनीतिक प्रतिबंध लगाए हैं। इन पश्चिमी देशों ने भारत पर भी यह भारी दबाव बनाया कि वह रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंध सीमित करे और वहां से कच्चे तेल की खरीद को रोक दे। लेकिन भारत ने पूरी दुनिया को यह दिखा दिया कि उसकी नीतियां उसके अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार तय होती हैं, न कि पश्चिमी देशों के फरमानों से। भारत ने न केवल रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखी, बल्कि अपनी ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए उसे कई गुना बढ़ा भी दिया। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले कुछ वर्षों में भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार ने 60 अरब डॉलर के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर लिया है, जो कि दोनों देशों द्वारा तय किए गए 2025 के लक्ष्य से बहुत पहले ही हासिल कर लिया गया। आज रूस, भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन चुका है। भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा रूस से आयात कर रहा है।

बोध कथा

शिक्षित कौन ?

अनेक लोग स्वयं को शिक्षित और प्रगतिशील दिखाने के चक्कर में अपने हिन्दू प्रतीकों और नामों की उपेक्षा करते दिखते हैं। इसे स्पष्ट करने के लिए श्री गुरुजी ने एक बार यह कथा सुनायी।

गाँव में रहने वाले एक निर्धन सज्जन ने अनेक कष्ट उठाकर भी अपने बच्चों को पढ़ाया। सौभाग्य से उनका एकमात्र पुत्र पढ़-लिखकर उच्च अधिकारी

बन गया और एक बड़े शहर में उसकी नियुक्ति भी हो गयी। उचित समय पर उन्होंने पुत्र का विवाह किया। विवाह के बाद वह युवक पत्नी सहित शहर में ही रहने लगा। दो साल इसी प्रकार बीत गये, एक दिन उन्हें समाचार मिला कि उनके बेटे के घर में पुत्र का जन्म हुआ है। वे बहुत प्रसन्न हुए तथा अपने पौत्र को देखने की इच्छा से शहर की ओर चल दिये। जिस समय वे अपने बेटे की कोठी पर पहुंचे, वह अपने मित्रों के साथ बैठा चाय पी रहा था। जब उसने अपने पिता को आते हुए देखा, तो वह घबरा गया।

उसने सोचा कि मेरे ये मित्र क्या सोचेंगे कि ऐसा गँवार और निर्धन व्यक्ति उसका पिता है। उसने एक नौकर को भेजा, जिससे वह पिताजी को पिछले दरवाजे से अंदर ले आये। जब एक मित्र ने आंगतुक के बारे में पूछा, तो उसने बताया कि ये हमारा पुराना घरेलू नौकर है और गाँव से आ रहा है। उसके पिता ने यह सुन लिया। वे सबके सामने गुस्से में बोले : मैं कौन हूँ, यह इसकी माँ से पूछ लो। इतना कहकर वे अपना सामान उठाकर बिना पौत्र को देखे वापस चले गये।

इस घटना का संदेश है कि अच्छी शिक्षा वही है, जो संस्कारों को जीवित और जाग्रत रखे। ऐसी उच्च शिक्षा का क्या लाभ, जिससे व्यक्ति अपने धर्म, संस्कृति और परिवार से ही कट जाये।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

पर्यावरण प्रेमीजी ..

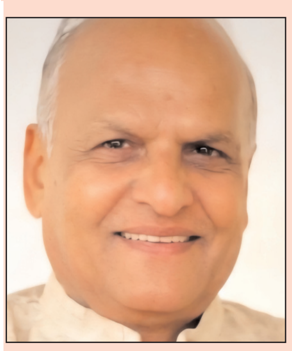
गिरीश पंकज

अपुन के यहाँ भाई लोग कुछ इस तरह से पर्यावरण दिवस मनाते हैं/पहले सौ पेड़ काटते हैं और उस पर दस पेड़ लगाते हैं/और हर दस पेड़ों में सोचिए तो, ज़रा कितने बच पाते हैं ? जब-जब अपने देश में, पर्यावरण दिवस सम्पन्न होता है, और उसी दिन से पर्यावरण और ज्यादा विपन्न होता है। कल एक पर्यावरण प्रेमी मिल गए। पर्यावरण के प्रति उनका प्रेम साल में एक बार ही प्रकट होता है। वो भी पर्यावरण दिवस पर। साल भर ये क्या करते हैं? हम बताए देते हैं। साल भर पर्यावरण प्रेमी हरेराम 'निर्मोही' कठफोड़वा बनकर पेड़ों को काटकर मालामाल होने के जुगाड़ में लगे रहते हैं। जंगल जाते हैं और देखते हैं कि ऐसा कौन-सा पेड़ काटा जाए, जिससे जेबें भारी हों। वन विभाग के अफसर पतझर सिंह से हरेराम के संबंध बड़े गहरे हैं। एक पेड़ है, तो दूसरा पत्ता है। एक कपड़ा, तो दूसरा लत्ता है। एक छक्का है, तो दूसरा सत्ता है। एक ठोंगा है, तो दूसरा गत्ता है। एक बर्र है, तो दूसरा छत्ता है। उनकी जोड़ी ऐसी कि दम टूट जाए, दोस्ती न टूटे। भ्रष्टाचार का मजबूत जोड़ 'ऐसई' होता है।

तो, हरेराम और पतझर सिंह की जोड़ी के प्रताप से जंगल के जंगल अमंगल के शिकार हो रहे हैं। जंगली जानवर अपने शावकों (बच्चों) को डराने के लिए अब तो बाकायदा इस जोड़ी का नाम लेने लगे हैं। उस दिन शेर अपने शावक से कह रहा था - 'अरे सो जा बेटे, नहीं तो हरेराम या पतझर सिंह आ जाएगा।'' यही हरेराम साल में एक दफे पर्यावरण दिवस बड़ी धूमधाम से मनाता है। जिसकी खाओ, उसकी गाओ। जिसके सहारे रोजी-रोटी चल रही है, मालामाल हो रहे हैं, उसे तो याद करना ही चाहिए। यही तो नैतिकता है भई। जिन पेड़ों को काट-काटकर हरेराम, लाल हो रहे हैं, उन पेड़ों की याद में क्या साल में एक बार एक-दो पेड़ भी नहीं लगा सकते ? इतने भी अहसानफरामोश नहीं हुए हैं लोग।

हरेराम कहने लगे - ''आप हमारे पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम में नही आए साहब।'' मैने कहा - ''जिसको सम्पन्न करने के लिए आप लोगों ने अनेक पेड़ काट डाले थे ?'' हरेराम जी अचकचा गए - ''अरे-अरे नहीं भई, पेड़ नहीं, कुछ पत्ते काटे थे। हमारे हर अच्छे काम को लोग दुष्प्रचारित कर देते हैं। आप आइएगा। तब पता चलेगा कि कितने पेड़ लगाते हैं।'' मैंने कहा - ''वो सब तो ठीक है। लेकिन ये बताइए कि कितने पेड़ ज़िंदा रहते हैं ?'' हरेराम बोले - ''हम तो कर्म करते हैं, फल की इच्छा नहीं रखते। वह ऊपर वाले के हाथ पर छोड़ देते हैं। पौधा लगाना अपना काम, और पौधे को पेड़ बनाने प्रभु का काम।''

मैंने पूछा - ''और पेड़ को ठूँठ बनाना भी क्या प्रभु का काम है ?'' हरेराम समझ गए कि उनकी हजामत बन सकती है इसलिए वह खाँसने लगे। फिर बोले - ''अभी तो चलूँ, पर्यावरण दिवस समारोह के फोटोग्राफ्स धुलने डाले थे, उन्हें ले आऊँ । अख़बारों में विज्ञप्तियाँ भिजवानी है।''

पर्यावरण प्रेमी हरेराम चले गए। मैं उनके जुझारूपन को प्रणाम करने झुक गया।

इतिहास

आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का नाम सबसे अधिक सुने जाने वाले नामों में से एक है। वह 19वीं शताब्दी के एक आसन्न कवि थे जिन्होंने कई उपन्यास और नाटक भी लिखे। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का निधन 6 जनवरी 1885 को हुआ था। भारतेंदु हरिश्चंद्र के लेखन के विषय और पैटर्न ने आलोचकों और जनता का ध्यान आकर्षित किया जिस वजह से हिंदी साहित्य में उनका इतना नाम लोकप्रिय हुआ।

चलिए आज के इस आर्टिकल में आपको 6 जनवरी से जुड़े इतिहास के बारे में बताते हैं कि आखिर इस दिन से जुड़ी प्रमुख एतिहासिक घटनाएं कौन सी है। साथ ही हम ये भी बताएंगे कि इस दिस किस प्रमुख हस्ती का जन्म हुआ था और किसकी मृत्यु हुई थी।

संक्षिप्त खबरें

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर पंचायत चारपारा में हुआ विशेष कार्यक्रम

जांजगीर-चांपा। जिले के एकीकृत बाल विकास परियोजना बलौदा अंतर्गत ग्राम पंचायत चारपारा में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत ग्लोबल डे ऑफ पेरेंट्स के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अनिता अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी एवं सशक्त बनाना तथा उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को बताया गया कि बेटियों को सही-गलत की पहचान कराने तथा जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना परिवार और समाज की साझा जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को अपने माता-पिता का सम्मान करने, उनकी बातों को समझने तथा जीवन में उनके मार्गदर्शन को अपनाने का संदेश दिया गया। साथ ही माता-पिता द्वारा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए किए जाने वाले त्याग, समर्पण एवं योगदान पर भी प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर रमाकांत साहू, द्रौपती साहू, मानीबाई, संतोष पटेल सहित पर्यवेक्षक विनिता शर्मा, लता ठाकुर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं तथा बड़ी संख्या में महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे।यह संस्करण भाषा, व्याकरण और समाचार शैली के अनुरूप परिष्कृत किया गया है।

डीजल-गैस संकट से उद्योगों पर मंडराया मंदी का खतरा, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

रायपुर(संवाददाता)। प्रदेश में डीजल और एलपीजी गैस की कमी को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर उद्योगों की अनदेखी का आरोप लगाया है। कांग्रेस का कहना है कि ईंधन संकट के कारण प्रदेश के अनेक उद्योग गंभीर मुश्किलों का सामना कर रहे हैं और कई इकाइयों के संचालन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि लौह उद्योगों में कटिंग कार्य के लिए एलपीजी गैस की आवश्यकता होती है, लेकिन पिछले तीन महीनों से उद्योगों को जरूरत के अनुरूप व्यावसायिक सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। अब डीजल की कमी ने भी स्थिति को और गंभीर बना दिया है। उनका दावा है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो अनेक उद्योगों में उत्पादन प्रभावित होगा और बंदी जैसी स्थिति बन सकती है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि उद्योगों के समक्ष उत्पन्न संकट को लेकर राज्य सरकार गंभीर नजर नहीं आ रही है। पार्टी के अनुसार इस विषय पर न तो कोई प्रभावी समीक्षा की गई है और न ही उद्योगों को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। इससे उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों के रोजगार पर भी संकट गहराने लगा है। कांग्रेस का कहना है कि उद्योगों के प्रभावित होने से प्रदेश की औद्योगिक उत्पादन क्षमता और राजस्व संग्रह पर भी असर पड़ सकता है।

केंद्रीय जेल जगदलपुर में नक्सल कैदी बाथरूम में फिसला, उपचार के दौरान हुई मौत

जगदलपुर। केंद्रीय जेल जगदलपुर में नक्सल मामले में सजा काट रहा एक कैदी रमेश कुंजाम 35 वर्ष बीती गुरूवार रात बाथरूम में फिसलकर गिर गया। जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसे उपचार के लिए महारानी अस्पताल ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान कैदी ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिजनों को मामले की जानकारी दे दिया गया है। कोतवाली थाना प्रभारी लीलाधर राठौर ने बताया कि बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र के ग्राम लिंगापुर में रहने वाला रमेश कुंजाम 35 वर्ष नक्सल मामले में सजा काट रहा था, जिस पर 3 नक्सल मामले चल रहे थे। नक्सल मामले होने के कारण रमेश को केंद्रीय जेल दंतेवाड़ा में रखा गया था। लेकिन नवंबर 2025 में उसे जगदलपुर जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। गुरुवार की रात को रमेश बाथरूम करने के लिए गया हुआ था। जहां बाथरूम में बिखरे पानी में उसका पैर फिसल गया और गिर पड़ा। रमेश की आवाज को सुनकर अन्य कैदियों ने उसे जेल प्रहरियो की मदद से महारानी अस्पताल उपचार के लिए ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मृतक के परिजनों को सूचना दे दिया गया है।

विधायक-राजस्व अधिकारी विवाद : नायब तहसीलदार तुषार मानिक हटाए गए

राजापुर उप तहसील का अतिरिक्त प्रभार सीतापुर तहसीलदार उमेश बाज को सौंपा गया

अंबिकापुर/सरगुजा। सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो और राजस्व अधिकारी के बीच हुए विवाद के बाद सरगुजा जिले में प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है। जिला प्रशासन ने नायब तहसीलदार तुषार मानिक को उनके वर्तमान प्रभार से हटाकर अंबिकापुर कलेक्टर कार्यालय से संबद्ध कर दिया है। वहीं राजापुर उप तहसील का अतिरिक्त प्रभार सीतापुर तहसीलदार उमेश बाज को सौंपा गया है।

जानकारी के अनुसार, विधायक रामकुमार टोप्पो ने हाल ही में कलेक्टर अजीत वसंत से मुलाकात कर नायब तहसीलदार तुषार मानिक और एसडीएम फागेश सिन्हा को हटाने की मांग की थी। इसके बाद कलेक्टर ने तुषार मानिक को हटाने का आदेश जारी कर दिया। सूत्रों के मुताबिक एसडीएम फागेश सिन्हा के स्थानांतरण पर भी विचार चल रहा है और इस संबंध में जल्द आदेश जारी हो सकता है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले नायब तहसीलदार तुषार मानिक ने विधायक और उनके समर्थकों पर मारपीट का आरोप लगाया था, जिसके आधार पर विधायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इस मामले ने पूरे प्रदेश में तूल पकड़ लिया था और विधायक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लगभग 500 तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार हड़ताल पर चले गए थे।

बाद में राजस्व मंत्री से कार्रवाई और उचित जांच का आश्वासन मिलने के बाद हड़ताल समाप्त कर दी गई। गुरुवार से तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारी पुन: काम पर लौट आए हैं। हड़ताल खत्म होने के बाद शुक्रवार को तहसीलों में लंबित कार्यों के लिए बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ देखी गई।

प्रशासनिक कार्रवाई और संभावित स्थानांतरण को लेकर जिले में राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बैकुंठपुर सहित जिले में बिजली, सड़क सुरक्षा शहरवासियों की प्राथमिकता

बैकुंठपुर। जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में बिजली की चरमराती व्यवस्था और शहर की यातायात सुरक्षा को लेकर नागरिकों में कई समय से रखा जा रहा है। गुरुवार 4 जून को स्थानीय लोगों ने अलग-अलग समूहों से अलग-अलग मांग की, जिसमें कहा गया कि यदि जिम्मेदार विभाग ने जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो शहर की जनता को एकजुट होकर आंदोलन करने के लिए मजबूर किया जाएगा। शहरवासियों का कहना है कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की स्थिति खराब है। विशेष रूप से प्रमुख मांगे पेश की गई हैं। लोड परीक्षण और प्रशंसा: बढ़ते लोड के कारण दिन के उपकरणों में गिरावट की समस्या से मुक्ति के लिए उनकी क्षमता मानक स्तर के नए प्रमाण पत्र जारी किए गए।

सुरक्षा का खतरा: शहर के मुख्य मार्गो पर लटकते जंगल तार से किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का पता चल जाता है। इग्नू मानक मानक स्तर के केबल प्लांट।

उन्नत नस्ल की गायों ने बदली सरस्वती की जिंदगी, बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड के ग्राम अंबाधार की सरस्वती पैंकरा की सफलता की कहानी में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

एक साधारण किसान परिवार से संबंध रखने वाली सरस्वती पैंकरा बिहान योजना के अंतर्गत संचालित करुणा स्व-सहायता महिला समूह की सक्रिय सदस्य हैं। समूह से जुडने के बाद उन्होंने आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया और पशुपालन को आजीविका का प्रमुख साधन बनाया। राज्य शासन की पशुपालन प्रोत्साहन योजना के तहत सरस्वती को दो उन्नत नस्ल की गायें प्रदान की गईं। इन गायों की कुल कीमत लगभग 1.40 लाख रुपये थी, जिसमें से 93 हजार रुपये की राशि शासन द्वारा अनुदान के रूप में उपलब्ध कराई गई। इससे उन्हें व्यवसाय शुरू करने में बड़ी आर्थिक सहायता मिली। वर्तमान में सरस्वती अपनी गायों से प्रतिदिन लगभग 14 से 15 लीटर दूध का उत्पादन कर रही हैं। स्थानीय बाजार में दूध विक्रय कर वे प्रतिमाह लगभग 20 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। इस अतिरिक्त आय से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। सरस्वती पैंकरा का कहना है कि शासन की योजनाओं और स्व-सहायता समूह के सहयोग ने उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढने का अवसर दिया है।

कांकेर के दो थाना प्रभारियों को राष्ट्रपति 8 जून को करेंगी शौर्य चक्र से सम्मानित

कांकेर । जिला में पदस्थ दो थाना प्रभारियों भानुप्रतापपुर थाना से थाना प्रभारी रामेश्वर देशमुख और पखांजूर थाना से लक्ष्मण केंवट को नक्सल उन्मूलन के क्षेत्र में उत्कृष्ट साहस, नेतृत्व और कर्तव्यनिष्ठा के लिए राष्ट्रपति के हाथों 8 जून 2026 को शौर्य चक्र से सम्मानित किया जाएगा। इन दोनों अधिकारियों ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अपनी बहादुरी और सूझबूझ का परिचय देते हुए कई महत्वपूर्ण अभियानों को सफल बनाया है। राष्ट्रपति द्वारा दिए जाने वाले इस प्रतिष्ठित सम्मान से कांकेर जिले सहित पूरे छत्तीसगढ़ में खुशी का माहौल है। पुलिस विभाग के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए दोनों अधिकारियों को बधाई एवंशुभकामनाएं दी है।

मिली जानकारी के अनुसार 16 अप्रैल 2026 को कांकेर जिला मुख्यालय से 160 किलोमीटर दूर छोटे बेठिया थाना इलाके के आपाटोला-कलपर जंगल में पुलिस-नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 15 महिला समेत कुल 29 नक्सली मारे गए थे, जिन पर 8-8 लाख रुपए का ईनाम घोषित था, इन दोनों थाना प्रभारियों ने अपने साथियों के साथ अपने साहस का परिचय देते हुए 29 नक्सलियों को ढेर करने वाली टीम में शामिल थे ।दरअसल, 15 अप्रैल की देर रात जवानों को नक्सल ऑपरेशन के लिए निकाला गया था। 16 अप्रैल की दोपहर पुलिस फोर्स नक्सलियों के ठिकाने पर पहुंची। दोपहर 2 बजे नक्सलियों को घेर कर मारा गया। साढ़े 5 घंटे तक चली इस मुठभेड़ में जवानों ने कुल 29 नक्सलियों को मार गिराया। यह छत्तीसगढ़ के नक्सल इतिहास का सबसे बड़े मुठभेड़ में से एक था। घटनास्थल से सर्चिंग करने पर पुलिस ने्त्र-47 1 नग, इंसास रायफल- 2 नग, स्क्र रायफल- 1 नग, कार्बाइन - 1 नग, 303 रायफल 3 नग, 315 बोर रायफल- 2 नग, 9रूपिस्टल - 2 नग, देशी लॉचर- 2 नग, भरमार बंदूक 8 नग, देसी हैंडग्रेनेड- 1 नग, सहित भारी मात्रा में गोला बारूद सहित नक्सल सामग्री बरामद हुआ था।

16 जून को मानसून बस्तर से होते हुए छत्तीसगढ़ में करेगा प्रवेश

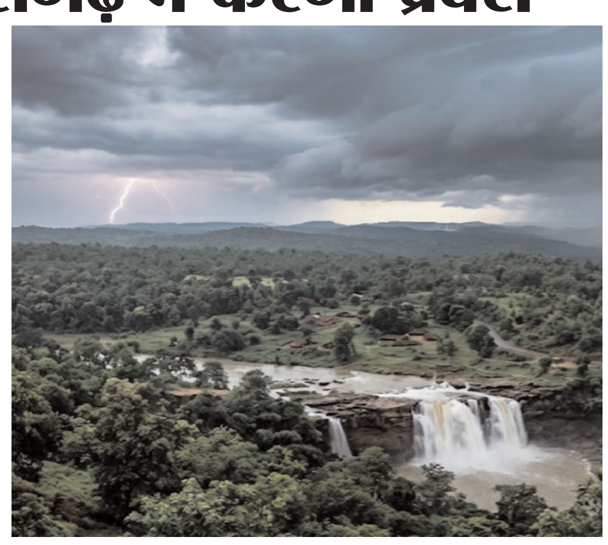

जगदलपुर। मौसम विभाग के अनुसार देश में मानसून का प्रवेश तीन दिनों के अतिरिक्त इंतजार के बाद अंतत: केरल पंहुच गया, वर्तमान में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि निर्धारित समय अर्थात 16 जून को मानसून बस्तर से होते हुए छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगा। विदित हो कि बस्तर संभाग में रोजाना गरज-चमक के साथ प्री-मानसून की बारिश हो रही है। शुक्रवार को भी बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में दोपहर बाद घने काले बादल छाने लगे और शाम को बारिश होने लगी जिससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है।

मौसम विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून बंगाल की खाड़ी, अरब सागर, लक्षद्वीप, केरल और माहे, कर्नाटक के कुछ भाग, तमिलनाडु, क्षेत्र के शेष हिस्से में 4 जून को पहुंच गया है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण तेलंगाना और उससे लगे तटीय आंध्रप्रदेश के ऊपर 3.1 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके प्रभाव से 5 जून को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ में आज एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा या गरज-चमक के साथ बूंदबांदी की संभावना है।

सुरक्षाबलों ने अबूझमाड़ में दो नक्सली स्मारक किया ध्वस्त

नारायणपुर। जिले के संवेदनशील अबूझमाड़ क्षेत्र में आईटीबीपी की 41वीं वाहिनी और नारायणपुर पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर ग्राम उसेबेड़ा और कस्तूरमेटा-2 में दो नक्सली स्मारकों को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी सुरक्षाबलों का सहयोग किया। जेसीबी मशीन की सहायता से सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए स्मारकों को हटाया गया।

ग्रामीणों ने इस कार्रवाई का खुलकर स्वागत किया। उनका कहना था कि माड़ क्षेत्र के लोग अब बंदूक और हिंसा की संस्कृति के बजाय शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास की राह पर आगे बढ़ना चाहते हैं। दरअसल, ये स्मारक लंबे समय से नक्सली विचारधारा और हिंसात्मक गतिविधियों के प्रतीक माने जाते थे। इनके ध्वस्तीकरण को क्षेत्र में नक्सली प्रभाव के खत्में लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती के रूप में देखा जा रहा है। 41वीं वाहिनी आईटीबीपी और नारायणपुर पुलिस का यह अभियान केवल प्रतीकों को हटाने तक सीमित नहीं है। यह विश्वास, जनसहभागिता और विकास की उस नई चेतना का परिचायक है, जो आज माड़ के गांवों में आकार ले रही है।

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 5 हाईवा और 6 ट्रैक्टर जब्त

अवैध परिवहनकर्ताओं पर होगी सख्त कार्रवाई

जांजगीर-चांपा। जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने केवा (नवापारा) एवं हाथनेवरा क्षेत्र में औचक जांच कर बड़ी कार्रवाई की है। खनिज अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान अवैध रूप से रेत परिवहन करते पाए जाने पर कुल 11 वाहनों को जब्त किया गया। जब्त वाहनों में 5 हाईवा एवं 6 ट्रैक्टर शामिल हैं। कार्रवाई के तहत 9 वाहनों को पुलिस लाइन खोखरा तथा 2 ट्रैक्टरों को थाना नवागढ़ में सुरक्षित रखा गया है।

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 11 वाहन जब्त- संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान नवापारा रेत खदान के पहुंच मार्ग को जेसीबी मशीन की सहायता से काटकर अवरुद्ध किया गया, ताकि अवैध खनन एवं परिवहन गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 11 वाहन जब्तप्रशासन ने बताया कि दर्ज प्रकरणों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23(ख) के तहत नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने अधिकारियों को जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए लगातार सख्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं

महिला के आभूषण झपटमारी करने वाला एक आरोपित गिरफ्तार

कांकेर । कांकेर जिले के दुर्गकोंदल थाना क्षेत्र में खेत से पैदल घर लौट रही एक महिला से सोने की माला समझकर गले में पहनी चेन झपटमारी करने वाला एक आरोपी आशीष भट्टाचार्य को रायपुर से गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही घटना में इस्तेमाल की गई कार भी जब्त कर ली गई है।

दुर्गकोंदल पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया श्रीमती कुमारीबाई, निवासी ग्राम घोटिया, विक्रमगंज स्थित अपने खेत से काम खत्म कर घर लौट रही थीं। इसी दौरान भानुप्रतापपुर-दुर्गकोंदल मुख्य मार्ग पर विक्रमगंज के समीप एक सफेद रंग की कार आकर रुकी। कार में तीन युवक और एक युवती सवार थे। कार से उतरे एक युवक ने बातचीत के बहाने महिला को रोक लिया और उसके गले में पहनी माला को सोने की माला समझकर झपट लिया। इसके बाद आरोपी अपने साथियों के साथ कार में बैठकर मौके से फरार हो गया। महिला की शिकायत पर दुर्गकोंदल थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की। जांच के दौरान संदिग्धों की पहचान कर आरोपी आशीष भट्टाचार्य को रायपुर स्थित उसके निवास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने घटना करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से महिला के आभूषण एवं घटना में प्रयुक्त मारुति डिजायर कार भी बरामद कर ली है।

देश के तेज आर्थिक विकास के लिए मोदी सरकार सुधारों के प्रति प्रतिबद्ध : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। वैश्विक अस्थिरता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार देश की तेज आर्थिक वृद्धि के लिए 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बयान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से शुक्रवार को दिया गया।

वित्त मंत्रालय की ओर से यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों में बताया गया कि वित्त वर्ष 2025-26 में देश की जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही है और इस दौरान रियल ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) वृद्धि दर 7.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च अवधि) में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत और जीवीए वृद्धि दर 7.9 प्रतिशत रही।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, 'विशेष रूप से, विनिर्माण, व्यापार, मरम्मत, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण से संबंधित सेवाएं, भंडारण और वित्तीय, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवा क्षेत्रों ने वित्त वर्ष 2025-26 में स्थिर और वर्तमान दोनों कीमतों पर दोहरे अंकों की वृद्धि हासिल की है। सरकारी डेटा के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र का प्रदर्शन मजबूत रहा है। इनकी वृद्धि दर स्थिर कीमतों में क्रमशः 8.8 प्रतिशत और 9.3 प्रतिशत रही है।

दूसरी तरफ, वित्त वर्ष 26 में उच्च विकास दर रहने पर बीजेपी नेता डॉ. सैयद जफर इस्लाम ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि हमारी आर्थिक बुनियाद आलोचकों की कल्पना से कहीं अधिक मजबूत साबित हुई है।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, 'जिन लोगों ने महीनों तक भारत में आर्थिक मंदी की भविष्यवाणी की थी, उनके लिए वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पहले 7.1 प्रतिशत थी। यह ईरान संघर्ष, टैरिफ युद्ध और वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद संभव हुआ है। एक बार फिर, हमारी आर्थिक बुनियाद आलोचकों की कल्पना से कहीं अधिक मजबूत साबित हुई है।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, मेटल और आईटी में रही बिकवाली

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 116.67 अंक या 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,243.34 और निफ्टी 49.85 अंक या 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,366.70 पर था।

बाजार पर दबाव बनाने का काम मेटल और आईटी स्टॉक्स ने किया। सूचकांकों में निफ्टी मेटल में 1.60 प्रतिशत और निफ्टी आईटी में 0.99 प्रतिशत की कमजोरी देखी गई। इसके अलावा निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी ऑयलएंडगैस, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग और निफ्टी इन्फ्रा लाल निशान में बंद हुआ। वहीं, निफ्टी मीडिया, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फार्मा, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी ऑटो हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स पैक में एचयूएल, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, इटरनल, एमएंडएम, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, सन फार्मा, एलएंडटी, पावर ग्रिड और आईटीसी गेनर्स थे। ट्रेंट, टीसीएस, टाटा स्टील, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, इंडिगो, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फिनसर्व लूजर्स थे।

एसबीआई सिक्योरिटीज के टेक्निकल और फंडामेंटल रिसर्च हेड सुदीप शाह ने कहा कि सत्र के दौरान बेंचमार्क निफ्टी कमजोरी के साथ बंद हुआ। डेली चार्ट पर निफ्टी ने एक छोटी कमजोरी की कैंडल बनाई है, जो दिखाता है कि बाजार में मजबूत दिशात्मक गति का आभाव है।

उन्होंने आगे कहा कि निफ्टी के लिए 23,230-23,200 का जोन एक समर्थन का स्तर है। अगर यह 23,200 के नीचे जाता है तो यह 23,050 के स्तर तक जा सकता है। तेजी की स्थिति में 23,530-23,550 का जोन रुकावट का स्तर होगा। अगर निफ्टी 23,550 को पार करता है तो 23,700 के स्तर तक जा सकता है।

भारतीय शेयर बाजार ने सत्र की शुरुआत तेजी के साथ की थी। इस दौरान, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,360.01 से 269.93 अंक उछलकर 74,629.94 पर खुला, तो वहीं एनएसई निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,416.55 से 62.4 अंक बढ़कर 23,478.95 पर खुला।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 938 मिलियन डॉलर बढ़कर 682.321 बिलियन डॉलर हुआ

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में तनाव के बीच भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 29 मई को समाप्त हुए सप्ताह में 938 मिलियन डॉलर बढ़कर 682.321 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह जानकारी शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए डेटा में दी गई।

आरबीआई के डेटा के मुताबिक, 29 मई को समाप्त हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) की वैल्यू 3.116 बिलियन डॉलर बढ़कर 546.148 बिलियन डॉलर हो गई है।

एफसीए में डॉलर के साथ दुनिया की कई अहम वैश्विक मुद्राएं जैसे येन, यूरो और पाउंड होते हैं, जिनकी वैल्यू को डॉलर में दिखाया जाता है।

इस दौरान, विदेशी मुद्रा भंडार के दूसरे सबसे बड़े घटक गोल्ड रिजर्व की वैल्यू 2.186 घटकर 112.600 बिलियन डॉलर हो गई है।

आरबीआई के अनुसार, 29 मई को समाप्त हुए हफ्ते में एसडीआर की वैल्यू स्थिर 18.747 बिलियन डॉलर रही है। वहीं, भारत की आरबीआई में रिजर्व पॉजिशन 8 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.826 बिलियन डॉलर पर पहुंच गई है।

किसी भी देश के लिए उसका विदेशी मुद्रा भंडार काफी महत्वपूर्ण होता है, और इससे उस देश की आर्थिक स्थिति का पता लगता है। इससे अलावा, यह मुद्रा की विनिमय दर को स्थिर रखने में बड़ी भूमिका निभाता है।

उदाहरण के लिए अगर किसी स्थिति में डॉलर के मुकाबले रुपए पर अधिक दबाव देखने को मिलता है और उसकी वैल्यू कम होती है तो केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल कर डॉलर के मुकाबले रुपए को गिरने से रोक सकता है और विनिमय दर को स्थिर रखता है।

बढ़ता हुआ विदेशी मुद्रा भंडार यह भी दिखाता है कि देश में डॉलर की आवक बड़ी मात्रा में बनी हुई है और यह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाता है। साथ ही इसके बढ़ने से देश के लिए विदेशों में व्यापार करना भी आसान हो जाता है।

इसके अतिरिक्त, वैश्विक अस्थिरता के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन शानदार बना हुआ है और वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान जीडीपी विकास दर 7.7 प्रतिशत रही है।

आरबीआई के फैसलों के बाद आ सकता है 40 अरब डॉलर तक का कैपिटल इनफ्लो : एसबीआई रिपोर्ट

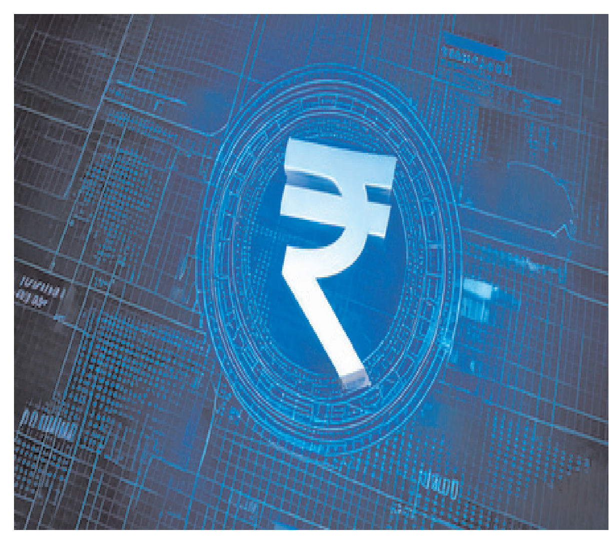

नई दिल्ली। एसबीआई रिसर्च की ओर से शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी (आरबीआई -एमपीसी) द्वारा लिए गए फैसलों से देश में 40 अरब डॉलर का कैपिटल इनफ्लो देखने को मिल सकता है और इससे डॉलर के मुकाबले रुपया 92-93 के स्तर पर जा सकता है।

साथ ही कहा कि केंद्रीय बैंक अगस्त की मौद्रिक नीति में भी ब्याज दरों को स्थिर रख सकता है।

रिपोर्ट में एसबीआई रिसर्च ने कहा, 'हमारा मानना ??है कि आरबीआई ब्याज दरों में संभावित वृद्धि पर विचार करने से पहले महंगाई के आंकड़ों का विश्लेषण करना जारी रखेगा। बाजार की उम्मीदों के विपरीत, विकास संबंधी कारक ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि के चक्र को दरकिनार कर सकते हैं। हमें अगस्त में नीतिगत दरों में कोई बदलाव न होने की उम्मीद है।'

एसबीआई रिसर्च ने कहा कि एमपीसी ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने और तटस्थ रुख जारी रखने का निर्णय लिया, जबकि विकास अनुमानों को 30 बीएसपी समायोजित करके 6.6 प्रतिशत कर दिया गया है। साथ ही, सीपीआई मुद्रास्फीति अनुमान को भी 50 बीएसपी संशोधित करके अब 5.1 प्रतिशत कर दिया है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया , 'गहन विश्लेषण के आधार पर, हमें लगता है कि मौद्रिक नीति की भाषा मुद्रास्फीति पर निगरानी और बाहरी क्षेत्र से बचाव पर केंद्रित रही है, हालांकि नीति का रुख तटस्थ है। यह विवेकपूर्ण कदम है क्योंकि यह आरबीआई की ओर से शांति और आत्मविश्वास का संकेत देता है और निराशावादी धारणाओं को रोकता है जो संभावित रूप से रुपए पर सट्टेबाजी को जन्म दे सकती हैं।

एसबीआई रिसर्च ने बताया कि आरबीआई ने नीति वक्तव्य में एक बार फिर स्पष्ट रूप से इस बात पर जोर दिया गया है कि कभी-कभी रुपए की चाल मूलभूत कारकों के अनुरूप नहीं होती है।

रिपोर्ट में कहा गया, 'इससे उन हालिया अनावश्यक आरोपों पर विराम लग जाता है कि रुपए को 100 तक भी बढ़ने दिया जाना चाहिए, क्योंकि इस तरह के अनावश्यक दावे रुपए पर सट्टेबाजी को बढ़ावा देते हैं।

भारत के कृषि क्षेत्र का जीवीए एक दशक में दोगुने से अधिक बढ़कर 48.7 लाख करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली। भारत के कृषि और उससे जुड़े क्षेत्र का ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) 2014-15 में 20.9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2023-24 में 48.7 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो कि देश के कुल जीवीए का करीब 18 प्रतिशत है। इसमें वृद्धि की वजह सरकारी निवेश बढ़ना और स्थिर नीति होना है। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को दी गई।

समीक्षा अवधि में कृषि क्षेत्र ने मौजूदा कीमतों पर 8.83 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की और अकेले फसल का जीवीए 2014-15 में 12,92,874 करोड़ रुपए से बढ़कर 2023-24 में 26,52,891 करोड़ रुपए हो गया।

बयान में कहा गया है कि पिछले 12 वर्षों में, भारत के कृषि क्षेत्र में किसानों के सशक्तिकरण में व्यापक विस्तार हुआ है।

इसमें फोकस कल्याणकारी सहायता से आगे बढ़कर उत्पादकता, आय सुरक्षा, बाजार पहुंच, बुनियादी ढांचे और संस्थागत लचीलेपन को मजबूत करने की ओर केंद्रित हो गया है।

कृषि उत्पादन में वृद्धि, सिंचाई व्यवस्था का विस्तार, ऋण तक बेहतर पहुंच, बीमा कवरेज में मजबूती और संबद्ध क्षेत्रों में वृद्धि ने इस परिवर्तन में योगदान दिया है।

साथ ही, एमएसपी संचालन और खरीद प्रणालियों के विस्तार ने बाजार में स्थिरता को मजबूत किया है, लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया है और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों को समर्थन दिया है। सरकार ने बयान में आगे कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म, सहकारी समितियां, खाद्य प्रसंस्करण और जलवायु-लचीली पहलों ने कृषि मूल्य श्रृंखला में नए अवसर पैदा किए हैं। ये विकास एक अधिक विविध, प्रौद्योगिकी-आधारित और किसान-केंद्रित कृषि प्रणाली की ओर क्रमिक बदलाव को दर्शाते हैं।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) ने सिंचाई कवरेज का विस्तार किया और जल उपयोग दक्षता को बढ़ावा दिया। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना ने वैज्ञानिक पोषक तत्व प्रबंधन को सक्षम बनाया, जबकि राष्ट्रीय गोकुल मिशन ने स्वदेशी नस्लों और दुग्ध उत्पादन को समर्थन दिया।

कुल खाद्यान्न उत्पादन 2013-14 में 265.05 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 357.73 मिलियन टन हो गया, जिसमें चावल का रिकॉर्ड उत्पादन 150.18 मिलियन टन और गेहूं का 117.94 मिलियन टन रहा, जो क्रमशः 42 प्रतिशत और 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

खाद्य तेल के आयात पर निर्भरता 2015-16 में 63.2 प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 56.25 प्रतिशत हो गई, जो क्रमिक प्रगति का संकेत है। इस अवधि के दौरान, तिलहन के अंतर्गत क्षेत्रफल में 18 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। उत्पादन में लगभग 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि उत्पादकता में लगभग 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

बागवानी उत्पादन 2013-14 में 280.70 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 369.05 मिलियन टन हो गया है। यह विस्तार बेहतर कृषि पद्धतियों और बाजार की मांग द्वारा समर्थित उच्च मूल्य वाली फसलों की ओर विविधीकरण को दर्शाता है।

मारुति सुजुकी इंडिया बायोगैस प्रोजेक्ट्स में 150 करोड़ रुपए का निवेश करेगी, ग्रीन एनर्जी को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने शुक्रवार को दो बड़े बायोगैस प्रोजेक्ट्स में कुल 150 करोड़ रुपए निवेश करने का ऐलान किया। इसके जरिए कंपनी की कोशिश देश में सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग और क्लीन एनर्जी इकोसिस्टम अपनाने को बढ़ावा देना है।

कंपनी ने कहा कि वह हरियाणा के खरखोदा स्थित अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में 10 टन प्रति दिन की क्षमता वाला एक नया बायोगैस प्लांट स्थापित करेगी।

इस प्रोजेक्ट के चालू वित्त वर्ष में शुरू होने की उम्मीद है। इसके अलावा, मारुति सुजुकी ने मानेसर स्थित अपने मौजूदा बायोगैस प्लांट की क्षमता को 0.2 टन प्रति दिन से बढ़ाकर 0.7 टन प्रति दिन कर दिया है। कार निर्माता कंपनी ने कहा कि ये पहल सरकार के 'बेस्ट से वेल्थ' मिशन के अनुरूप हैं और इनका उद्देश्य जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना और अपने सभी परिचालनों में रिन्यूएबल एनर्जी सॉल्यूशंस को बढ़ावा देना है। कंपनी के अनुसार, आगामी खरखोदा बायोगैस प्लांट पूरी क्षमता से चलने पर प्रति वर्ष लगभग 9,490 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगा। इस प्लांट से मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की कुल गैस आवश्यकता का लगभग 20 प्रतिशत पूरा होने की उम्मीद है।

इन पहलों पर टिप्पणी करते हुए, प्रबंध निदेशक और सीईओ हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कंपनी जीवाश्म ईंधन की खपत और आयातित तेल पर निर्भरता को कम करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा, 'ऐसे समय में जब दुनिया ऊर्जा के बढ़ते अनिश्चित परिदृश्य का सामना कर रही है, ऐसी पहल का महत्व और भी बढ़ जाता है।

ताकेउची ने आगे कहा, 'भारत के प्रधानमंत्री द्वारा जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के आह्वान के मद्देनजर, हमारे द्वारा बायोगैस प्रोजेक्ट को चालू करने का यह एक सही समय है। यह हमें कई अन्य चल रहे प्रयासों के साथ-साथ वर्तमान राष्ट्रीय प्राथमिकता में एक छोटा लेकिन सार्थक योगदान देने में सक्षम बनाता है।

इस अतिरिक्त मानेसर में विस्तारित बायोगैस प्लांट से प्रति वर्ष लगभग 3.6 लाख मानक घन मीटर बायोगैस उत्पन्न होने का अनुमान है।

कंपनी का अनुमान है कि इस परियोजना से प्रति वर्ष लगभग 664 टन कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी।

मानेसर प्लांट में खाद्य अपशिष्ट, नेपियर घास और धान के भूसे का उपयोग कच्चे माल के रूप में किया जाता है और पशुओं के गोबर का उपयोग करके उत्पादन को और बढ़ाया जा सकता है।

नीलकंठ मिश्रा होंगे विश्व बैंक में भारत के प्रतिनिधि, वैश्विक आर्थिक मंच पर निभाएंगे अहम भूमिका

नई दिल्ली। एक महत्वपूर्ण निर्णय में वरिष्ठ अर्थशास्त्री नीलकंठ मिश्रा को विश्व बैंक में भारत का कार्यकारी निदेशक (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर) नियुक्त किया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है। वह वॉशिंगटन डीसी स्थित विश्व बैंक मुख्यालय में तीन वर्षों के कार्यकाल के लिए यह जिम्मेदारी संभालेंगे।

नीलकंठ मिश्रा, परमेश्वरन अय्यर की जगह यह पद संभालेंगे। अय्यर का कार्यकाल तब तक बढ़ाया गया है, जब तक मिश्रा आधिकारिक रूप से पदभार ग्रहण नहीं कर लेते। मिश्रा वर्तमान में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अंशकालिक सदस्य भी हैं।

विश्व बैंक के बोर्ड में वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह बोर्ड ऋण वितरण, विकास परियोजनाओं, वित्तीय नीतियों और प्रशासनिक निर्णयों की निगरानी करता है। यह पद भारत की आर्थिक कूटनीति से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक माना जाता है, जिसमें वैश्विक विकास वित्तपोषण, बुनियादी ढांचा निवेश, गरीबी उन्मूलन और आर्थिक विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होती है।

नीलकंठ मिश्रा फिलहाल एक्सिस बैंक में मुख्य अर्थशास्त्री (चीफ इकोनॉमिस्ट) हैं। इसके साथ ही वह एक्सिस कैपिटल में वैश्विक शोध प्रमुख (हेड ऑफ ग्लोबल रिसर्च) और पूर्णकालिक निदेशक के रूप में भी कार्यरत हैं। उन्हें भारत के सबसे सम्मानित अर्थशास्त्रियों और बाजार रणनीतिकारों में गिना जाता है।

साल 2023 में एक्सिस समूह से जुड़ने से पहले उन्होंने लगभग दो दशक तक क्रेडिट सुइस में काम किया। वहां वह प्रबंध निदेशक, भारत रणनीतिकार और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के इक्विटी रणनीति विभाग के सह-प्रमुख रहे थे।

नीलकंठ मिश्रा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के अंशकालिक अध्यक्ष और भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अंशकालिक सदस्य भी हैं।

इसके अलावा, उन्होंने केंद्र सरकार की कई महत्वपूर्ण समितियों और संस्थानों को सलाह दी है। वह 15वें और 16वें वित्त आयोग के साथ भी जुड़े रहे हैं।

नीलकंठ मिश्रा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (आईआईटी कानपुर) के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने आईआईटी प्रवेश परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर चौथा स्थान हासिल किया था।

उनकी उपलब्धियों को देखते हुए आईआईटी कानपुर ने वर्ष 2020 में उन्हें 'विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार' (डिस्टिंग्विश्ड एलुमनस अवॉर्ड) से सम्मानित किया था।

अपने करियर के शुरुआती दौर में नीलकंठ मिश्रा ने इंफोसिस में वरिष्ठ तकनीकी आर्किटेक्ट के रूप में भी काम किया था।

PM मोदी के उपहारों से दुनिया में चमकी भारत की विरासत

सिर्फ़ खानपान नहीं, वैश्विक पहचान भी; 'जीआई' टैग ने बदली भारतीय उत्पादों की तस्वीर

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया विदेश यात्राओं ने केवल कूटनीतिक रिस्तों को ही मजबूत नहीं किया, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक कला और कृषि उत्पादों को भी वैश्विक पहचान दिलाई हैं।

इटली, यूएई और अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को भेंट किए गए जीआई टैग प्राप्त भारतीय उत्पादों ने दूनिया का ध्यान आकर्षित किया है। मूगा रेशम शॉल, मिथिला पेंटिंग, रोगन आर्ट, ब्लू पॉटरी, कोफ्तगरी कटार, मिथिला मखाना और केसर आम जैसे उत्पाद भारत की सांस्कृतिक विविधता और स्थानीय कारीगरों की मेहनत का प्रतीक बनकर उभरे हैं।

600+
भारतीय उत्पादों को
GI टैग
प्राप्त

- कृषि उत्पाद
- हस्तशिल्प
- खाद्य पदार्थ
- हस्तकला

GI टैग की ताकत

- किसानों व कारीगरों की आय में वृद्धि
- नकली उत्पादों से सुरक्षा
- सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती

दुनिया के मंच पर भारत की पहचान

प्रधानमंत्री ने हर देश के राष्ट्राध्यक्षों और प्रपुखों को जीआई टैग प्राप्त भारतीय उत्पाद भेंट किए, जो 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना के तहत स्थानीय कारीगरों और किसानों की मेहनत का प्रतीक हैं। यह यात्रा भारत को विश्व पटल पर सांस्कृतिक रूप से मजवूत बनाने का एक और उदाहरण साबित हुई।

क्या है GI टैग?

जियोग्राफिकल इंडिकेशन (GI) टैग किसी उत्पाद को उसके भौंगोलिक क्षेत्र से जोड़ने वाला कानूनी प्रमाण है। इससे उस उत्पाद की विशिष्टता और गुणवत्ता की सुरक्षा होती है।

पीएम मोदी ने आगरा की पच्चीकारी से सजी संगमरमर पेटी, मूगा रेशम (गोल्डन सिल्क) और शिरई लिली रेशम का शॉल इटली की प्रधानमंत्री को भेंट की। नीदरलैंड में जयपुर की ब्लू पॉटरी, मीनाकारी-कुंदन की बालियां और मिथिला पेंटिंग दी गई। यूएई में रोगन पेंटिंग (जीवन वृक्ष) और कोफ्तगरी कटार के साथ मिथिला मखाना भेंट किए।

भारत की असली ताकत उसकी विविधता में छिपी है। ये उत्पाद केवल वस्तुएं नहीं, लल्कि भारत की मिट्टी, मेहनत और परंपरा की कभी न मिटने वाली पहचान हैं। जीआई टैग भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम बन चुकी हैं।

उत्तर प्रदेश के प्रमुख GI उत्पाद

- मलिहाबाद का दशहरी आम
- वाराणसी का लंगड़ा आम
- प्रयागराज का अमरूद
- बनारसी पान
- मुजफफरनगर का गुड़
- प्रतापगढ़ का आंवला
- हाथरस की हींग
- लखनवी चिकनकारी
- कानपुर चमड़ा
- आगरा पच्चीकारी
- लखनऊ जूते
- मथुरा पेड़ा
- आजमगढ़ कालीन

बिहार की वैश्विक पहचान

- सिलाव खाजा
- शाही लीची
- मिथिला मखाना
- मगही पान
- जरदालू आम
- कतरनी चावल
- मार्चा चावल

देश के चर्चित GI उत्पाद

असम
- मुगा सिल्क
- जोहा चावल
- तेजपुर लीची

गुजरात
- कच्छ रोगन आर्ट
- पटोला साड़ी
- सुरती पान
- केसर आम

राजस्थान
- ब्लू पॉटरी
- कोफ्तगरी
- बर्धनेज
- झालावाड़ आम

कर्नाटक
- मैसूर सिल्क
- कोर्ग कॉफी
- ब्यादगी मिर्च
- नंजनगुड़ केला

केरल
- पलक्कड़ मट्टा चावल
- पोक्कली चावल
- वायनाड़ चावल
- कूर्ग संतरा
- तिरूर सुपारी
- एधोमोझी नारियल

तमिलनाडु
- कांचीपुरम सिल्क
- मदुरै मल्ली
- इरोड हल्दी
- नीलगिरी चाय

तेलंगाना
- हैदराबादी हलीम
- पोचमपल्ली इकत
- नरायणपेट साड़ी
- वारंगल दरी
- चेरियल पेंटिंग
- तेलंगाना इमली

जम्मू-कश्मीर
- केसर
- पश्मीना शॉल
- बासमती चावल

महाराष्ट्र
- अल्फांसो आम
- कोल्हापुरी चप्पल
- पावन खंडी गुड़

पश्चिम बंगाल
- दार्जिलिंग चाय
- शांतिनिकेतन चादर
- बंगाल रसगुल्ला

ओडिशा
- कांजीवरण सिल्क
- रसगोला
- ओडिशा पान

झारखंड
- सोहराय-कौहबर पेंटिंग
- डोकरा कला
- तसर सिल्क
- बांस कला
- कोदी मिलेट उत्पाद

आंध्र प्रदेश
- तिरुपति लड्डू
- गंदूर मिर्च
- बंगनपल्ले आम
- कॉंडापल्ली खिलौने

दुनिया में घट रहा तंबाकू सेवन, लेकिन किशोरों में वेपिंग बनी नई

नई दिल्ली। इस दौर में स्मोकिंग से ज्यादा वेपिंग एक चुनौती के तौर पर उभर रही है। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के मौके पर डब्ल्यूएचओ ने ऐसी तस्वीर पेश की जो भयावह है। बताया है कि कैसे युवा तंबाकू से दूरी बना रहे हैं, लेकिन वहीं किशोर इसके मकड़जाल में फंसते जा रहे हैं। '2000-2024 के बीच तंबाकू उपयोग की व्यापकता के रुझानों और 2025-2030 के अनुमानों पर वैश्विक रिपोर्ट' पिछले दो वर्षों पहले प्रकाशित संस्करण का एक अपडेट है। ये हाल ही में जारी 'डब्ल्यूएचओ रिपोर्ट ऑन द ग्लोबल टोबैको एपिडेमिक, 2025/ का एक महत्वपूर्ण पूरक भी है। ये दोनों रिपोर्ट्स मिलकर यह दर्शाती हैं कि लगभग सभी देश प्रभावी तंबाकू नियंत्रण उपायों को अपनाने और लागू करने में आगे बढ़ रहे हैं। कई देश पहले से ही इसके सकारात्मक परिणाम प्रास कर रहे हैं, जिनमें तंबाकू उपयोग में उल्लेखनीय कमी शामिल है, और इसके परिणामस्वरूप सीधे स्वास्थ्य और आर्थिक लाभ भी देखे जा रहे हैं।

रिपोर्ट कहती है कि दुनिया भर में तंबाकू सेवन को कम करने के प्रयासों का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 में जहां 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 1.379 अरब लोग किसी न किसी तंबाकू उत्पाद का उपयोग करते थे, वहीं 2024 में यह संख्या घटकर 1.202 अरब रह गई। अनुमान है कि 2025 तक यह आंकड़ा और घटकर 1.196 अरब हो जाएगा। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। हालांकि, तंबाकू उपयोग में यह गिरावट एक नई चुनौती के साथ सामने आई है। दुनिया भर में लगभग 1.5 करोड़ किशोर, जिनकी आयु 13 से 15 वर्ष के बीच है, ई-सिगरेट या वेपिंग का उपयोग कर रहे हैं। जिन देशों में इस संबंध में आंकड़े उपलब्ध हैं, वहां किशोर, वयस्कों की तुलना में औसतन नौ गुना अधिक वेपिंग करते पाए गए हैं। इसके अलावा, करीब 4 करोड़ किशोर पारंपरिक तंबाकू उत्पादों का भी सेवन कर रहे हैं।

लिंग के आधार पर देखें तो 2024 में कुल तंबाकू उपयोगकर्ताओं में 83 प्रतिशत पुरुष हैं। इस वर्ष पुरुष उपयोगकर्ताओं की संख्या 99.7 करोड़ और महिला उपयोगकर्ताओं की संख्या 20.6 करोड़ दर्ज की गई। महिलाओं में तंबाकू सेवन में लगातार गिरावट देखी जा रही है। वर्ष 2000 में जहां 34.2 करोड़ महिलाएं तंबाकू का उपयोग करती थीं, वहीं 2024 में यह संख्या घटकर 20.6 करोड़ रह गई है। 2030 तक इसके 18.2 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

क्षेत्रीय स्तर पर दक्षिण-पूर्व एशिया में सबसे अधिक सुधार देखने को मिला है। 2010 से 2025 के बीच इस क्षेत्र में लगभग 6.9 करोड़ तंबाकू उपयोगकर्ताओं की कमी आने का अनुमान है।

ललिता पवार: 9 साल की उम्र में डेब्यू, 7 दशक तक 700 से ज्यादा फिल्मों में किया काम

मुंबई। ललिता पवार... हिंदी सिनेमा के प्रेमी इनके नाम और इनके चेहरे से अच्छी तरह से वाकिफ हैं। फिल्मों में खतरनाक सास का किरदार हो या रामानंद सागर के रामायण में मंथरा का, वह इतनी शिद्दत से पर्दे पर अपनी भूमिका गढ़ती थीं कि दर्शक उनकी दमदार छवि पर खूब प्यार लुटाते थे। अपनी बेजोड़ अदायगी से सिने प्रेमियों का मनोरंजन करने वाली अभिनेत्री की 18 अप्रैल को जयंती है।

हिंदी सिनेमा में 'सास' के किरदार की छवि इतनी मजबूत हो गई कि दर्शक उन्हें देखकर डर जाते थे, लेकिन असल जिंदगी में वह बेहद मेहनती और लगनशील अभिनेत्री थीं। 9 साल की छोटी सी उम्र में फिल्मों में डेब्यू करने वाली ललिता पवार ने सात दशक तक सक्रिय रहते हुए 700 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया और भारतीय सिनेमा में अपना एक अलग मुकाम बनाया।

ललिता पवार का जन्म 18 अप्रैल 1916 को नासिक जिले के योला कस्बे में हुआ था। उनका असली नाम अंबा लक्ष्मण राव शगुन था। उनके पिता लक्ष्मण राव शगुन सिल्क और कॉटन के बड़े व्यापारी थे। मात्र 9 साल की उम्र में उन्होंने एक मूक फिल्म में बाल कलाकार के रूप में काम किया और पहली फिल्म के लिए उन्हें सिर्फ 18 रुपए मिले थे। खास बात है कि उस समय लड़कियों को स्कूल भेजना आम नहीं था, लेकिन उनके पिता ने घर पर ही उर्दू-हिंदी शिक्षक और शास्त्रीय संगीत की व्यवस्था कर दी थी।

ललिता पवार बेहद खूबसूरत थीं और जबरदस्त अदाकारा भी। जल्दी ही वे हिंदी सिनेमा की सबसे महंगी हीरोइन बन गईं। वे खुद अपने गाने भी गा लेती थीं, लेकिन 1942 में फिल्म 'जंग आजादी' की शूटिंग के दौरान उनके साथ एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हो गया। एक सीन में भगवान दादा ने उन्हें इतनी जोर से थप्पड़ मारा कि उनकी एक आंख की नस फट गई। डॉक्टर की गलत दवाई से उनके चेहरे पर लकवा मार गया। इस चोट के कारण उनकी एक आंख छोटी हो गई और लगभग तीन साल तक वे फिल्म इंडस्ट्री से दूर रहीं। हीरोइन बनने का उनका सपना चकनाचूर हो गया, लेकिन ललिता पवार ने हार नहीं मानी। उन्होंने खुद को मजबूत बनाया और कैरेक्टर आर्टिस्ट के रूप में वापसी की।

साल 1948 में फिल्म 'गृहस्थी' से उनकी वापसी हुई। 1950 में वी. शांताराम की फिल्म 'दहेज' में उन्होंने पहली बार क्रूर सास का रोल निभाया। इस रोल ने उन्हें रातोंरात मशहूर कर दिया। दर्शक इतने प्रभावित हुए कि कई माताएं ईश्वर से प्रार्थना करती थीं कि उनकी बेटी को ललिता पवार जैसी सास न मिले। उन्होंने दिलीप कुमार, देव आनंद, राज कपूर जैसे सितारों के साथ काम किया, जो उम्र में उनसे छोटे थे, लेकिन उन्हें मां के रोल निभाने पड़े। उनकी प्रमुख फिल्मों में श्री 420, आनंद, दाग, नसीब, बॉम्बे टू गोवा, अनाड़ी आदि शामिल हैं।

रामानंद सागर के महाकाव्य रामायण में उन्होंने मंथरा का किरदार इतनी शानदार तरीके से निभाया कि आज भी लोग उन्हें मंथरा के नाम से याद करते हैं। ललिता पवार की दो शादियां हुईं। पहली शादी फिल्म प्रोड्यूसर जी.पी. पवार से हुई, लेकिन तलाक हो गया। दूसरी शादी राजकुमार गुप्ता से हुई, जिनसे उन्हें एक बेटा जय पवार हुआ। 24 फरवरी 1998 को 81 साल की उम्र में पुणे के अपने बंगले 'आरोही' में उनका निधन हो गया। जबड़े के कैंसर से पीड़ित ललिता पवार की मौत की खबर तीन दिन बाद पता चली थी।

सामाजिक मुद्दे, क्राइम और इमोशंस का दमदार मिश्रण, स्टारकास्ट ने बताया क्यों खास है 'द नर्मदा

मुंबई। मध्य प्रदेश की पृष्ठभूमि पर बनी अपकमिंग क्राइम-ड्रामा फिल्म 'द नर्मदा स्टोरी' सिस्टम में फैले भ्रष्टाचार, सामाजिक अन्याय और एक आदिवासी महिला के संघर्ष की कहानी को बड़े पर्दे पर पेश करने जा रही है। फिल्म में दिखाया गया है कि किस तरह एक आदिवासी महिला न्याय के लिए लड़ती है और व्यवस्था की सच्चाइयों का सामना करती है। फिल्म की टीम इशतियाक खान, आईपीएस अधिकारी और अभिनेत्री सिमाला प्रसाद, अभिनेता मुकेश तिवारी, और निर्देशक जैगम इमाम ने फिल्म के विषय, किरदारों और सामाजिक संदेश पर समाचार एजेंसी आईएएनएस से खुलकर बात की।

निर्देशक जैगम इमाम से पूछा गया कि क्या यह फिल्म किसी सच्ची घटना पर आधारित है? इस विषय पर काम करना कितना भावुक अनुभव रहा? तो उन्होंने बताया, यह फिल्म पूरी तरह किसी एक सच्ची घटना पर आधारित नहीं है, बल्कि कई घटनाओं, खबरों और फाइलों का मिश्रण है। अलग-अलग इलाकों में होने वाली कई घटनाओं को जोड़कर इसकी कहानी बनाई गई है, इसलिए हम यह दावा नहीं करते हैं कि यह सिर्फ एक घटना की कहानी है। फिल्म में आदिवासी महिला अग्नि धुर्वे और उसकी बेटी की कहानी बेहद भावुक है। कैसे वह एक पुलिस इंस्पेक्टर से मिलती है और उसकी जिंदगी में क्या बदलाव आते हैं, यह दर्शकों को फिल्म देखकर समझ आएगा। अश्विनी कालसेकर ने आदिवासी महिला का किरदार बहुत ही भावनात्मक तरीके से निभाया है। कई दृश्यों की एडिटिंग और साउंड के दौरान हमारी आंखें भी नम हो गई थीं। मुझे विश्वास है कि दर्शक भी उस दर्द और संघर्ष को महसूस करेंगे।

मुकेश तिवारी से पूछा गया कि ट्रेलर में आप पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आ रहे हैं। यह किरदार आपको कितना प्रभावित करता है? तो उन्होंने बताया कि एक अभिनेता के तौर पर जरूरी नहीं कि कहानी मुझे व्यक्तिगत रूप से प्रभावित करे, लेकिन दर्शकों तक उसका प्रभाव पहुंचना बहुत जरूरी है। कलाकार को कई बार तटस्थ रहना पड़ता है ताकि वह किरदार को सही तरीके से पेश कर सके। मेरे किरदार में एक व्यंग्यात्मक दृष्टिकोण है। वह परिस्थितियों को अलग नजरिए से देखता है। उदाहरण के तौर पर उसके लिए एक ट्यूबलाइट बदलना भी जिंदगी का बड़ा काम बन जाता है। हमने इस किरदार में हल्की कॉमेडी डालने की कोशिश की है, ताकि गंभीर माहौल के बीच दर्शकों को अलग अनुभव मिल सके। आईपीएस ऑफिसर-अभिनेत्री सिमाला प्रसाद से पूछा गया कि आप खुद आईपीएस अधिकारी हैं, और फिल्म भी पुलिस सिस्टम पर आधारित है। आपकी असल जिंदगी ने इस किरदार को कितना प्रभावित किया?

सिमाला ने बताया, 'लोगों को लगता है कि वर्दी पहनने वाले सभी लोग एक जैसे होते हैं, लेकिन हर व्यक्ति की जिम्मेदारी और संघर्ष अलग होते हैं। फिल्म में मेरा किरदार एक महिला सब-इंस्पेक्टर का है, जिसकी जिंदगी और संघर्ष मेरी वास्तविक जिंदगी से काफी अलग हैं। उस किरदार ने कठिन परिस्थितियों से निकलकर पुलिस में आने का फैसला किया है। महिला पुलिसकर्मियों के अपने अलग संघर्ष और चुनौतियां होती हैं, और फिल्म में उन्हीं पहलुओं को दिखाया गया है। सिमाला प्रसाद का मानना है कि सिनेमा समाज की सोच बदल सकता है, खासकर महिलाओं की सुरक्षा और न्याय जैसे मुद्दों पर। उन्होंने बताया कि सिनेमा एक ऐसा माध्यम है जिसकी पहुंच बहुत व्यापक होती है। लिखी हुई बात हर कोई नहीं पढ़ पाता, लेकिन फिल्में हर वर्ग के लोगों को देखनी पड़ती हैं। जब कोई बात विजुअल माध्यम से दिखाई जाती है, तो उसका असर ज्यादा गहरा होता है। फिल्मों के जरिए हम सिर्फ समस्याएं नहीं दिखाते, बल्कि उनके समाधान की दिशा भी बताते हैं, इसलिए मुझे लगता है कि सिनेमा समाज में बदलाव लाने का एक प्रभावशाली माध्यम है।

यादों में महबूब : जिनकी स्क्रिप्ट पर हंसते और दरवाजा बंद कर देते थे मेकर्स, उसी फिल्मकार ने देश को दी 'मदर इंडिया'

मुंबई। भारतीय सिनेमा जगत के इतिहास में जब भी महान फिल्म मेकर्स का जिक्र होता है, तो महबूब खान का नाम बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है। एक ऐसा फिल्मकार, जिसने गरीबी, संघर्ष और लगातार ठुकराए जाने के बावजूद हार नहीं मानी और आगे चलकर दुनिया को 'मदर इंडिया' जैसी क्लासिक और बेहतरीन फिल्म दी।

हालांकि, गांव से मुंबई तक का सफर आसान नहीं था। कभी ऐसा समय था जब निर्माता उनकी स्क्रिप्ट सुनकर हंसते थे और मुंह पर दरवाजा बंद कर देते थे, लेकिन महबूब खान ने अपने सपनों को टूटने नहीं दिया।

महबूब खान का जन्म 9 सितंबर 1906 को गुजरात के बड़ौदा के पास सरार गांव में एक साधारण परिवार में हुआ था। बचपन से ही उन्हें फिल्मों का बेहद शौक था। वह अक्सर ट्रेन पकड़कर आसपास के शहरों में फिल्में देखने चले जाते थे और फिर चुपचाप घर लौट आते थे। परिवार को लगता था कि वह यूं ही इधर-उधर घूमते रहते हैं, लेकिन उनके भीतर सिनेमा को लेकर एक अलग ही जुनून पल रहा था।

जवानी के दौर में आते-आते महबूब खान ने खुद को हीरो बनाने का दृढ़ संकल्प ले लिया और मुंबई जाकर फिल्मों में काम करने का फैसला भी कर लिया। हालांकि, यह खबर जब पिता को लगी तो वह उन्हें वापस घर ले आए और उस दिन उनकी पिटाई भी हुई। यहीं नहीं बेटे के भविष्य को देखते हुए जबरन शादी भी कर दी गई। यह सोच कर कि वह सुधर जाएंगे और सिनेमा के अपने जुनून को त्याग देंगे। महबूब खान एक बेटे के पिता भी बन गए। लेकिन, समय के साथ फिल्मों के प्रति उनका लगाव और भी गहराता गया और आखिरकार लाख कोशिशों के बाद वह दोबारा मुंबई पहुंच गए और स्टूडियो के बाहर काम मांगने लगे। मुंबई में महबूब खान वीटी स्टेशन के पास ज्योति स्टूडियोज के बाहर घंटों खड़े रहते, शुरुआती दिनों में उन्होंने काफी संघर्ष किया। कई रातें रेलवे प्लेटफॉर्म पर गुजारनी पड़ीं, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी।

मैं चुप नहीं बैठूंगी और न्याय के लिए लड़ती रहूंगी, पति से विवाद के बीच बोलीं एक्ट्रेस सेलिना जेटली

मुंबई। अभिनेत्री सेलिना जेटली एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पति पीटर हाग से तलाक और बच्चों की कस्टडी को लेकर चल रहे विवाद के बीच अब उन्होंने अपने पति और ससुर की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिसों पर खुलकर प्रतिक्रिया दी है। सेलिना ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा बयान जारी करते हुए कहा कि वह किसी भी तरह की कानूनी धमकी या दबाव के आगे झुकने वाली नहीं हैं। वह अपने बच्चों, अपने अधिकारों और न्याय के लिए यह लड़ाई जारी रखेंगी।

शुक्रवार को सेलिना जेटली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट किया। उन्होंने उन कानूनी नोटिसों का जवाब दिया, जो हाल ही में उनके पति पीटर हाग और उनके ससुर वोल्फगैंग हाग की ओर से भेजे गए हैं। नोटिस में अभिनेत्री पर मानहानि करने का आरोप लगाया गया है और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है, हालांकि सेलिना ने बताया कि उन्होंने अपने लीगल रिप्रजेंटेटिव के जरिए इन नोटिसों का जवाब दे दिया है।

अभिनेत्री ने कहा, ''कई साल तक हमारे परिवार से जुड़ी पब्लिसिटी को बढ़ावा दिया जाता रहा, जिसमें मैगजीन कवर, इंटरव्यू और परिवार से जुड़े कई आर्टिकल्स में शामिल होते रहे हैं, लेकिन अब जब मैंने अपनी निजी परेशानियों, कानूनी संघर्ष और एक मां के रूप में अपनी चिंताओं के बारे में बात करनी शुरू की, तो मुझे जवाब देने के बजाय कानूनी नोटिस भेजे गए। ये बच्चे मेरे भी हैं, मैं उनकी मां हूं और मैं उनके लिए यह लड़ाई जारी रखूंगी।'' सेलिना जेटली ने आगे कहा, ''मैं हमेशा से ज्वाइंट कस्टडी और आपसी सहमति से तलाक के पक्ष में रही हूं। मैंने कई बार शांतिपूर्ण समाधान की कोशिश की, लेकिन कोर्ट के ऑर्डर होने के बावजूद मैं अपने बच्चों से बात नहीं कर पा रही हूं। लगातार मुझे अपने बच्चों से दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।''

अपने बयान में सेलिना ने बच्चों को लेकर अपनी चिंता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''मुझे डर है कि बच्चों को उनकी जानकारी और सहमति के बिना ऑस्ट्रिया और भारत की अदालतों के अधिकार क्षेत्र से बाहर ले जाया जा सकता है। एक मां होने के नाते यह मेरा अधिकार और जिम्मेदारी दोनों है कि मैं ऐसी चिंताओं को पब्लिकली उठाऊं और अपने बच्चों के हितों की रक्षा करूं।''

इससे पहले पीटर हेग और उनके पिता की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिसों में कहा गया था कि इस मामले में सार्वजनिक रूप पर लगाए गए आरोप उनकी छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसका असर बच्चों पर पड़ सकता है। हालांकि सेलिना जेटली का कहना है कि ऐसा करके उन्हें बदनाम करने, डराने और चुप कराने की कोशिश की जा रही है।

सोनू निगम ने 'बेवफा सनम' के साथ अपनी 'शुरुआत' को याद किया

सोनू ने अपने करियर के दौरान 32 से ज्यादा भाषाओं में 6 हजार से ज्यादा गाने रिकॉर्ड किए हैं। उन्होंने कई नॉन-फिल्म एल्बम रिलीज किए हैं और कुछ हिंदी फिल्मों में एक्टिंग भी की है। सोनू को 2022 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया

मुंबई। तीन दशकों से ज्यादा के करियर में कई सुपरहिट गाने देने वाले सिंगर सोनू निगम ने शुक्रवार को अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने 1993 की फिल्म 'बेवफा सनम' के गाने 'मोहब्बत की कीमत अदा हम करेंगे' की रिकॉर्डिंग के दिनों को याद किया।

सोनू ने 1993 में मुंबई के प्रतिष्ठित फिल्मिस्तान स्टूडियो गोरेगांव में नंबर की रिकॉर्डिंग से तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मेरी शुरुआत। मोहब्बत की कीमत अदा हम करेंगे - बेवफा सनम 7 सितंबर, 1993 फिल्मिस्तान स्टूडियो गोरेगांव..

सोनू ने अपने करियर की शुरुआत 1990 के दशक की शुरुआत में की थी। फिल्म के लिए उनका पहला गाना 1993 में आजा मेरी जान का 'ओ आसमानवाले' था। उन्हें तलाश के टीवी सीरियल गाने 'हम तो छैला बन गए' और बाद में 'अच्छा सिला दिया', 'संदेशे आते हैं' और 'ये दिल दीवाना' गानों से पहचान मिली।

1999 में उनके एल्बम 'दीवाना' ने लोकप्रियता के नए आयाम को छुआ।

तीन दशकों से ज्यादा के अपने सफर में था। उन्हें उनके म्यूजिकल आइडल मोहम्मद रफी के नाम पर 'मॉडर्न रफी' कहा जाता है। उन्होंने 2002 में राजकुमार कोहली द्वारा निर्देशित एक फंतासी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'जानी दुश्मन: एक अनोखी कहानी' से एक वयस्क के रूप में अपने अभिनय की शुरुआत की। फिल्म में अरमान कोहली, मनीषा कोइराला, सनी देओल, अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, सोनू निगम, आफताब शिवदासानी, आदित्य पंचोली, रंभा और शरद कपूर हैं।

बेवफा सनम' की बात करें तो यह गुलशन कुमार की डायरेक्ट की हुई एक म्यूजिकल थ्रिलर फिल्म है। इसमें उनके छोटे भाई कृष्ण कुमार, शिल्पा शिरोडकर, अरुणा ईरानी, ??बीना बनर्जी, शक्ति कपूर और किरण कुमार ने काम किया है।

यह फिल्म सुंदर नाम के एक मशहूर क्रिकेटर की कहानी है, जिसे झूठे आरोपों में जेल भेज दिया जाता है। जेल में रहने के दौरान उसे पता चलता है कि उसकी मंगेतर शीतल किसी और से शादी करने वाली है और गुस्से में आकर वह उसकी हत्या करने का फैसला करता है।

6 साल की उम्र से शुरू किया काम, 17 साल की उम्र में बनीं मां, उर्वशी ढोलकिया ने सुनाया संघर्ष का सफर

मुंबई। टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। खासकर लोकप्रिय सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' में निभाए गए उनके कोमोलिका के किरदार को दर्शक आज भी नहीं भूले हैं। हालांकि, पर्दे पर उनकी सफलता के पीछे एक संघर्ष भरा लंबा सफर छिपा हुआ है। हाल ही में उर्वशी ने शो 'तुम हो ना' में अपने जीवन के कई अनसुने पहलुओं पर खुलकर बात की और बताया कि कैसे उन्होंने बहुत कम उम्र में काम, शादी, मातृत्व और करियर की जिम्मेदारियों को एक साथ संभाला।

बातचीत के दौरान शो के होस्ट राजीव खंडेलवाल ने उर्वशी के संघर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि अक्सर लोग कलाकारों की चमकदार जिंदगी देखते हैं, लेकिन उसके पीछे छिपी चुनौतियों को नहीं समझ पाते। उन्होंने कहा, ''कई महिलाएं अपनी जिंदगी की परेशानियों को लेकर सोचती हैं कि उनके साथ ही ऐसा क्यों होता है। ऐसे में उर्वशी की कहानी लोगों को प्रेरणा और हिम्मत दे सकती है। उन्होंने लगभग छह साल की उम्र से काम करना शुरू किया और बहुत कम उम्र में शादी भी कर ली थी, जिसके चलते वह कम उम्र में मां भी बन गई।''

इस पर उर्वशी ने मुस्कुराते हुए उनकी बात पर बताया कि वह 17 साल की उम्र में मां बनी थीं। उर्वशी ने अपने बचपन की एक दिलचस्प याद साझा की। उन्होंने बताया, ''जब मैं छोटी थी, तब कलर्ड टीवी का दौर शुरू हुआ था और मैं टीवी पर आने वाले विज्ञापनों को बड़े ध्यान से देखा करती थी। एक दिन अचानक मैंने अपनी मां से कहा कि मुझे अब टीवी नहीं देखना है। मेरी मां को लगा कि शायद अब मेरा ध्यान पढ़ाई की तरफ जाएगा। लेकिन, मुझे टीवी देखना नहीं, बल्कि टीवी के अंदर जाना था। मैं खुद स्क्रीन पर आकर लोगों के सामने एक्टिंग करना चाहती थी। मेरे एक्टिंग के सपने की शुरुआत यहीं से हुई थी।''

उर्वशी ने कहा, ''बचपन से ही एक्टिंग मेरा सबसे बड़ा सपना था। मैंने कभी किसी दूसरे पेशे के बारे में नहीं सोचा। मेरे मन में हमेशा यही इच्छा थी कि मैं एक्टिंग करूं और इसी फील्ड में अपना करियर बनाऊं। यही वजह रही कि मैंने बहुत छोटी उम्र से ही मेहनत करना शुरू कर दिया और लगातार अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती रही।''

अभिनेत्री ने कहा, ''बचपन से काम करने की वजह से जिम्मेदारियां उठाना मेरे स्वभाव का हिस्सा बन गया था। कम उम्र में शादी करना, फिर मां बनना और साथ ही अपने करियर को संभालना आसान नहीं था। लेकिन मैंने हर चुनौती का सामना किया और कभी हार नहीं मानी।'' उर्वशी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दिया। उन्होंने कहा, ''जब भी मुझे किसी सहारे की जरूरत पड़ी, तो मेरे माता-पिता हमेशा मेरे साथ खड़े रहे। मैंने जो भी सफलता हासिल की है, उसमें मेरे माता-पिता का योगदान बहुत बड़ा है। उनके समर्थन ने ही मुझे हर मुश्किल परिस्थिति में आगे बढ़ने की ताकत दी।''

उर्वशी की बातें सुनकर राजीव खंडेलवाल भी इमोशनल हो गए। उन्होंने अभिनेत्री के माता-पिता की सराहना करते हुए कहा कि उनके पिता वास्तव में उनके जीवन में एक मजबूत सहारे की तरह रहे हैं। हर व्यक्ति की जिंदगी में ऐसा कोई न कोई होना जरूरी है, जो मुश्किल समय में उसका साथ दे और उसे आगे बढ़ने का हौसला दे।

'डफली वाले' देखते ही भावुक हो जाती हूं, ऋषि कपूर को याद कर बोलीं करिश्मा कपूर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने अपने चाचा और दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर के मशहूर गीत 'डफली वाले' को याद करते हुए बचपन की यादें ताजा कीं। उन्होंने बताया कि बचपन में वह इस गाने को देखने के लिए कई बार थिएटर गई थीं।

डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में जज की भूमिका निभा रहीं करिश्मा कपूर ने इस गाने की विरासत को याद करते हुए कहा, ''ये गाना मैंने बचपन में मेट्रो सिनेमा में जाकर बहुत बार देखा है। जब भी मैं यह गाना देखती हूं तो भावुक हो जाती हूं, क्योंकि मुझे चिंटू अंकल की याद आती है। इस गाने में उन्होंने जिस तरह डफली बजाई है, वह आज भी यादगार है।''

शो में उनके साथ जज की भूमिका निभा रहे अभिनेता और डांसर जावेद जाफरी ने कहा, ''मैं ऋषि साहब का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। बहुत कम कलाकार ऐसे होते हैं जो स्क्रीन पर किसी वाद्य यंत्र को इतने विश्वास के साथ बजाते हुए दिखते हैं। 'डफली वाले' गाने में ऋषि साहब जिस तरह डफली बजाते हैं, उसे देखकर लगता है कि वह सचमुच इसे बजाना जानते हैं।''

यह चर्चा तब हुई, जब प्रतियोगी गीतांजलि ने 1979 की सुपरहिट फिल्म 'सरगम' के मशहूर गीत 'डफली वाले' पर प्रस्तुति दी।

इस गाने में ऋषि कपूर और जया प्रदा नजर आए थे। गीत को लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी थी।

गाने का संगीत प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने तैयार किया था, जबकि इसके बोल आनंद बख्शी ने लिखे थे।

यह गाना लोगों को खूब पसंद आया था और आज भी लोग इस गाने को सुनना पसंद करते हैं।

ऋषि कपूर देअभिनेता के साथ-साथ फिल्म निर्माता और निर्देशक भी थे। फिल्म बॉबी के लिए 1974 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार और साथ ही 2008 में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार सहित अन्य पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। ऋषि कपूर का 30 अप्रैल 2020 को निधन हो गया था।

घर पर मैं इसे पहले ही डांट देता हूं', 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' से जुड़े संजय दत्त और सुनील दत्त के अनसुने किस्से

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सुनील दत्त की अपने बेटे संजय दत्त के साथ बॉन्डिंग बेहद खास और दिलचस्प रही। खासकर फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' के दौरान उनके बीच के मस्ती भरे पल आज भी फिल्म इंडस्ट्री में याद किए जाते हैं। एक बार तो उन्होंने मजाक में डायरेक्टर से कहा था कि 'घर पर मैं इसे पहले ही बहुत डांट देता हूं, अब आप लोग इसे सेट पर मत डांटिए।

सुनील दत्त का जन्म 6 जून 1929 को पंजाब के झेलम जिले के खुर्द गांव में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। बचपन में ही उनके पिता का निधन हो गया था, जिससे उनका बचपन कठिनाइयों से भरा रहा। 1947 के विभाजन के समय उन्होंने अपने परिवार के साथ भारत आने का दर्दनाक सफर देखा। उन्होंने कभी बस कंडक्टर की नौकरी की, तो कभी छोटी-मोटी नौकरियों से घर चलाया। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने मेहनत जारी रखी और धीरे-धीरे रेडियो में काम करने लगे। यहीं से उनकी आवाज और व्यक्तित्व को पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया और 1955 में फिल्म 'रेलवे प्लेटफॉर्म' से शुरुआत की।

1957 में आई फिल्म 'मदर इंडिया' ने उन्हें स्टार बना दिया। इस फिल्म में उन्होंने एक गुस्सैल बेटे 'बिरजू' का किरदार निभाया, जो आज भी याद किया जाता है। इसी फिल्म के दौरान उनकी मुलाकात अभिनेत्री नरगिस से हुई और आगे चलकर यही रिश्ता शादी में बदल गया। दोनों के तीन बच्चे हुए संजय दत्त, प्रिया दत्त और नम्रता दत्त।

अपने करियर में उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में दीं, लेकिन उन्होंने उतार-चढ़ाव भी देखे। फिल्म 'रेशमा और शेरा' की असफलता के बाद वे कर्ज में डूब गए थे, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। धीरे-धीरे उन्होंने फिर वापसी की और अपनी मेहनत से एक बार फिर पहचान बनाई।

उनका अपने बेटे संजय दत्त के साथ रिश्ता बेहद खास था। फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' में जब दोनों साथ आए, तो यह दर्शकों के लिए एक भावनात्मक जुड़ाव बन गया। कहा जाता है कि सुनील दत्त शूटिंग के दौरान जानबूझकर संजय के डायलॉग बदल देते थे ताकि वह हर सीन में नया अंदाज सीखें। इस पर संजय मजाक में कहते थे कि 'पापा के साथ शूटिंग मतलब हर टेक में नया एग्जाम।

वहीं, जब किसी सीन को लेकर डायरेक्टर संजय को फटकार लगा देते थे, तो वह कहते थे कि 'घर पर मैं इसे पहले ही बहुत डांट देता हूं, अब आप लोग इसे सेट पर मत डांटिए।

सुनील दत्त राजनीति में भी सक्रिय रहे और कई बार सांसद चुने गए। 2005 में उनका निधन हो गया, लेकिन वह अपने काम और व्यक्तित्व के जरिए लोगों के दिलों में आज भी जिंदा हैं।

अमिताभ बच्चन ने बताई जीवन में समस्याओं की अहमियत, बोले-हमेशा तुरंत समाधान जरूरी नहीं

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया के माध्यम से जीवन की अनिश्चितताओं और उनसे मिलने वाली सीख पर विचार साझा किए हैं। उन्होंने अपने फैंस को सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी है। उनका कहना है कि समस्याओं का तुरंत समाधान करना हमेशा जरूरी नहीं होता, क्योंकि चुनौतियां व्यक्ति को अनुभव, समझ और सीख प्रदान करती हैं, जो आगे चलकर उसे अधिक परिपक्व और सक्षम बनाती हैं।

अपने ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि समस्याएं जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं और उनसे घबराने के बजाय उन्हें समझने की कोशिश करनी चाहिए। उनका कहना है कि हर दिन इंसान को कुछ न कुछ नया सिखाता है।

अमिताभ ने कहा, 'जब कोई समस्या मन को परेशान करती है, तो उससे उस समस्या का पूर्ण ज्ञान और अनुभव प्राप्त होता है और बदले में समझदार बनने का ज्ञान मिलता है। सीखने के लिए समस्या का होना जरूरी नहीं है, लेकिन अगर अगली बार ऐसी समस्या आती है, तो न केवल उसके समाधान के लिए, बल्कि उससे जुड़ी संभावनाओं और चुनौतियों से निपटने के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

अभिनेता ने कहा, 'जीवन में ये अनिश्चितताएं और चुनौतियां ही जीवन को जीने योग्य बनाती हैं। सकारात्मकता के आवश्यक आत्मविश्वास के साथ ठीक है, बहुत ज्ञान बांट दिया... तो चलिए।

अमिताभ बच्चन यानी बिग बी को आखिरी बार टी. जे. ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित फिल्म 'वेट्टैयान' में देखा गया था। इस फिल्म में रजनीकांत, फहद फासिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, रितिका सिंह, दुशारा विजयन, रोहिणी, राव रमेश, अभिरामी और रमेश तिलक ने अभिनय किया है।

फिलहाल अमिताभ बच्चन फिल्म निर्माता नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 ईस्वी' में काम कर रहे हैं। इस फिल्म में कमल हासन और प्रभास भी हैं।

होर्मुज स्ट्रेट फिर खुलेगा और सुरक्षित रहेगा, यूरोपीय देशों की मदद की जरूरत नहीं : अमेरिकी राष्ट्रपति

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही सुरक्षित रखने के लिए अमेरिका को यूरोपीय सहयोगियों की सैन्य मदद की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह अहम समुद्री रास्ता फिर से खुलेगा और सुरक्षित रहेगा।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए ईरान, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति जैसे मुद्दों पर विस्तार से बात की। होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा में यूरोपीय देश की मदद के सवाल पर ट्रंप ने कहा हमें उनकी मदद की जरूरत नहीं है। हमारे पास दुनिया की सबसे ताकतवर सेना है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने अपने सहयोगी देशों को इसमें शामिल होने का मौका दिया था। हम नाटो देशों के पास गए और दूसरे देशों से भी बात की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने कहा था कि अगर आप मदद करना चाहें तो बहुत अच्छा होगा, लेकिन सबने इसे ठुकरा दिया।' ट्रंप का कहना था कि यह फैसला उन देशों के लिए आगे चलकर महंगा साबित हो सकता है, क्योंकि वे खाड़ी क्षेत्र से आने वाली ऊर्जा पर काफी निर्भर हैं।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के पास अपनी जरूरत से ज्यादा तेल और ऊर्जा संसाधन हैं, लेकिन कई दूसरे देश अब भी खाड़ी क्षेत्र से होने वाली ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे पास जितनी जरूरत है, उससे कहीं ज्यादा तेल और ऊर्जा है, लेकिन यूरोपीय देशों और कई अन्य देशों को इसकी बहुत जरूरत है।

ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट के भविष्य को ईरान के साथ चल रही बातचीत से भी जोड़ा। उन्होंने कहा, 'समझौते का सबसे अहम हिस्सा यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए।'

बाद में उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले ही इस इलाके में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए कदम उठा चुका है।

ट्रंप ने कहा, 'हमने काफी हद तक समुद्री बारूदी सुरंगों (माइंस) को निष्क्रिय कर दिया है। हमारे पास दुनिया के सबसे आधुनिक माइंसवीपर हैं।' होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है। यह फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। दुनियाभर में व्यापार होने वाले कच्चे तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का एक बड़ा हिस्सा हर दिन इसी संकरे समुद्री रास्ते से होकर गुजरता है।

अवैध विदेशी नागरिकों के खिलाफ कानून के अनुसार होगी कार्रवाई : भारत

नई दिल्ली। भारत ने अवैध प्रवासियों को लेकर अपना रुख दोहराते हुए शुक्रवार को कहा कि देश में अवैध रूप से रह रहे सभी विदेशी नागरिकों, जिनमें बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल हैं, के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, नागरिकता सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होते ही अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को उनके देश वापस भेजने की कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी।

नई दिल्ली में साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि भारत में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों से निपटने के लिए स्पष्ट कानूनी व्यवस्था मौजूद है। उन्होंने कहा, 'भारत में यदि कोई विदेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहा है, चाहे वह बांग्लादेश का ही क्यों न हो, उसके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। जहां तक ऐसे लोगों के निर्वासन (डिपोर्टेशन) का सवाल है, इसके लिए दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय तंत्र मौजूद है।'जायसवाल ने बताया कि भारत संदिग्ध अवैध प्रवासियों के मामलों को बांग्लादेश के समक्ष भेजता है ताकि उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि की जा सके। सत्यापन पूरा होने के बाद ही निर्वासन की प्रक्रिया शुरू की जाती है।उन्होंने कहा कि ऐसे कई मामले अभी भी बांग्लादेशी अधिकारियों के पास लंबित हैं और भारत को उम्मीद है कि इन पर जल्द कार्रवाई होगी, जिससे अवैध रूप से रह रहे लोगों

को सुचारु और प्रभावी तरीके से वापस भेजा जा सके। विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह भी कहा था कि उसने भारत में रह रहे 2,680 से अधिक संदिग्ध अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के मामलों को सत्यापन के लिए बांग्लादेश के पास भेजा है। जायसवाल के अनुसार, नागरिकता सत्यापित होते ही भारत मौजूदा द्विपक्षीय व्यवस्था के तहत इन लोगों को बांग्लादेश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू करेगा।

उन्होंने कहा, '2,680 से अधिक मामलों में राष्ट्रीयता सत्यापन का अनुरोध बांग्लादेश को भेजा गया है। सत्यापन पूरा होने के बाद हम इन बांग्लादेशी नागरिकों को निर्वासित करने की स्थिति में होंगे।' विदेश मंत्रालय प्रवक्ता ने यह भी बताया कि कई मामलों में सत्यापन प्रक्रिया पांच वर्ष से अधिक समय से लंबित है।

संक्षिप्त खबर

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल तीन दिवसीय भारत दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे

नई दिल्ली। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल शुक्रवार को तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे। इस वर्ष पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि खनाल की यह यात्रा दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल का उनकी पहली आधिकारिक भारत यात्रा पर हार्दिक स्वागत है। नियमित उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यह यात्रा भारत-नेपाल की विशेष साझेदारी को और सशक्त करेगी।' दौरे के दौरान नेपाल के विदेश मंत्री शनिवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि भारत और नेपाल के बीच विकास सहयोग, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, संपर्क परियोजनाओं और लोगों के बीच संबंधों सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक एजेंडा है। दोनों विदेश मंत्रियों की बैठक में इन सभी विषयों पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि भारत नेपाल के साथ अपनी बहुआयामी साझेदारी को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्ष व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी, ऊर्जा और जन-से-जन संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर विचार करेंगे।

भारत-वियतनाम के आध्यात्मिक संबंधों को नया आयाम, हनोई में खुला बौद्ध धर्म केंद्र

हनोई। भारत और वियतनाम के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। वियतनाम की राजधानी हनोई में एक नए बौद्ध केंद्र का उद्घाटन किया गया। हनोई स्थित भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक बयान में कहा, 'बौद्ध धर्म भारत और वियतनाम के लोगों को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और आध्यात्मिक बंधन है। बौद्ध धर्म ने दोनों देशों की मित्रता को मजबूत करने में हमेशा अहम भूमिका निभाई है और आगे भी निभाता रहेगा। वज्रयान ड्रिगुंग काग्यु समतेन लिंग धर्म केंद्र 4 जून को हनोई में खोला गया।' दूतावास ने बताया कि उद्घाटन समारोह में जियान पगोडा के महंत एवं वियतनाम बौद्ध संघ की केंद्रीय कार्यकारी परिषद के सदस्य परम पूज्य थिच मिन्ह न्धीएम, परम श्रद्धेय खेनत्रुल खुंगा कोंचोक तेनजिन रिनपोछे, अन्य पूज्य खेनपो, संघ के सदस्य तथा श्रद्धालु उपस्थित रहे। भारतीय दूतावास के अनुसार, यह धर्म केंद्र आध्यात्मिकता और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी जुड़ाव को और मजबूत करेगा।

भारत और अर्जेंटीना के बीच रणनीतिक सहयोग के नए अवसरः राजदूत कॉसिनो

नई दिल्ली। भारत अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित भारत-लैटिन अमेरिका और कैरेबियन राउंडटेबल में बोलते हुए अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो कॉसिनो ने भारत और अर्जेंटीना के बढ़ते संबंधों को दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने भारत और अर्जेंटीना के बीच आपसी पूरकता का जिक्र करते हुए कहा कि भारत और हमें मिलकर काम करना है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली और ब्यूनस आयर्स के बीच संबंध 'साझा हितों, समान मूल्यों और मजबूत आर्थिक पूरकता' पर आधारित हैं।

कॉसिनो ने बताया कि भारत अब अर्जेंटीना का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। उन्होंने कहा कि हम दोनों देशों के बीच दूरी बहुत अधि?क होने बाद भी हम दोनों आपसी लाभ के लिए आगे भी साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

उन्होंने कहा, 'हमारे देशों की राजनीतिक और राजनयिक व्यवस्था आज दुनिया में भारत के बढ़ते रणनीतिक महत्व को अच्छी तरह

समझती है। भारत दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।'

उन्होंने कहा, 'एशिया और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र दुनिया में लगातार अधिक महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि दुनिया की लगभग 60 प्रतिशत आबादी इसी क्षेत्र में रहती है।'

कॉसिनो ने बताया कि खाद्य तेलों के मामले में अर्जेंटीना आज भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और भारत की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए निवेश, खुलेपन और अधिक उदारीकरण की जरूरत है, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी भी कई बार कह चुके हैं। उनके अनुसार, इस दिशा में भारत और लैटिन अमेरिकी देशों के बीच अधिक सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है।

राजदूत ने बताया कि 2009 में अर्जेंटीना ने मुंबई में अपना महावाणिज्य दूतावास खोला था, जो भारत की आर्थिक और वित्तीय राजधानी है। इसके बाद 2019 में भारत और अर्जेंटीना ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया। उसी वर्ष दिल्ली में एग्री दूतावास अधिकारी कार्यालय भी खोला गया, जिसका नेतृत्व कृषि व्यवसाय विशेषज्ञ मारियानो बेहेरान ने किया। इसके बाद अर्जेंटीना भारत को खाद्य तेलों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग का यूरोप दौरा, जी-7 सम्मेलन में लेंगे भाग

सोल। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे-म्युंग जून जून में यूरोप का दौरा करेंगे, जिसमें वे फ्रांस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में भी हिस्सा लेंगे। यह जानकारी शुक्रवार को एक वरिष्ठ राष्ट्रपति अधिकारी ने दी।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार वाई सुंग-लैक के अनुसार, ली का यह दौरा बेल्जियम, इटली और वेटिकन तक फैला होगा। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ली की जी-7 बैठक में भागीदारी (15 से 17 जून तक फ्रांस में होगी) जी-7 समूह के निमंत्रण पर हो रही है, ऐसा भी उन्होंने प्रेस ब्रीफिंग में बताया। दौरे के पहले चरण में ली मंगलवार से बुधवार तक ब्रुसेल्स जाएंगे और वहां बेल्जियम के नेताओं तथा यूरोपीय संघ के साथ अलग-अलग शिखर वार्ताएं करेंगे।

इसके बाद, गुरुवार से शनिवार तक वे इटली का राजकीय दौरा

करेंगे। यह दौरा राष्ट्रपति सर्जियो मटारेला के निमंत्रण पर होगा। वहां वे उनके साथ शिखर बैठक करेंगे और बाद में प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से भी बातचीत करेंगे। राष्ट्रपति कार्यालय के अधिकारी ने बताया कि दौरे के तीसरे हिस्से में, ली 14 से 15 जून तक वेटिकन सिटी जाएंगे और पोप लियो से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे 16-17 जून को जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। बेल्जियम की यात्रा इस साल दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 125वीं वर्षगांठ के मौके पर हो रही है।

क्या अमेरिका में भी आलोचकों की आवाज दबा रहा चीन? कांग्रेस की सुनवाई में सख्त कानून की मांग तेज

नई दिल्ली। अमेरिकी कांग्रेस में चीन सरकार की उन कोशिशों पर फिर से सवाल उठाए गए, जिनके जरिए वह अपनी सीमाओं के बाहर भी आलोचकों की आवाज दबाने की कोशिश करती है। गुरुवार को अमेरिकी कांग्रेस में हुई एक सुनवाई में सांसदों, राज्य अधिकारियों और लोकतंत्र कार्यकर्ताओं ने बताया कि चीन अब सिर्फ अपने देश में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में डराने-धमकाने, निगरानी और दबाव बनाने की बढ़ती हुई मुहिम चला रहा है।

यह सुनवाई कांग्रेसनल एग्जीक्यूटिव कमीशन ऑन चाइना (सीईसीसी) में हुई, जो तियानमेन स्क्वायर नरसंहार की 37वीं बरसी के दिन आयोजित की गई थी। इसमें सांसदों ने कहा कि चीन के तरीके अब घरेलू दमन से आगे बढ़कर 'ट्रांसनेशनल रिप्रेशन' यानी सीमाओं के बाहर जाकर दमन

करने की वैश्विक रणनीति बन गए हैं। सुनवाई की शुरुआत में सह-अध्यक्ष सांसद क्रिस स्मिथ ने कहा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) कई तरह के तरीके इस्तेमाल कर रही है। इनमें चीन में परिवार के सदस्यों को हिरासत में लेना, लोगों की निजी जानकारी सार्वजनिक करना (डॉक्सिंग), स्पाइवेयर का इस्तेमाल, डीपफेक वीडियो, हांगकांग से जुड़े इनाम (बाउंटी) और अमेरिका में भी अवैध पुलिस स्टेशन चलाना शामिल है। सह-अध्यक्ष सांसद जिम मैकगवर्न ने कहा कि चीन दुनिया में ट्रांसनेशनल दमन करने वाला सबसे बड़ा देश है। उन्होंने फ्रीडम हाउस के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 2014 से अब तक 319 ऐसे मामले सामने आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को 'ट्रांसनेशनल रिप्रेशन पॉलिसी एक्ट' पास करना चाहिए, जिससे इस मुद्दे की कानूनी परिभाषा तय हो सके और सरकार की प्रतिक्रिया मजबूत हो।

अमेरिका-ईरान तनाव का समाधान युद्ध से नहीं सिर्फ कूटनीति से संभव : डॉ. मोहम्मद फतहली

नई दिल्ली। भारत में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फतहली ने आईएएनएस को दिए एक साक्षात्कार में अमेरिका-ईरान तनाव और बार-बार टूटते संघर्षविराम पर चर्चा की। उन्होंने क्षेत्रीय हालात, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और शांति को लेकर ईरान का पक्ष रखते हुए कहा कि उनका देश शांति, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखता है।

अमेरिका और ईरान के बीच फिर बढ़ते तनाव तथा कूटनीतिक समाधान की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर डॉ. फतहली ने कहा, 'हम पहले भी स्पष्ट कर चुके हैं कि हम युद्ध और शांति, दोनों परिस्थितियों के लिए तैयार हैं। हम बातचीत और संवाद का स्वागत करते हैं। हमारा मानना है कि किसी भी विवाद या मतभेद का समाधान कूटनीति के माध्यम से निकाला जा सकता है। इस्लामिक रिपब्लिक

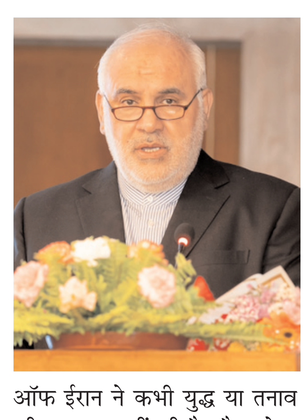

ऑफ ईरान ने कभी युद्ध या तनाव की शुरुआत नहीं की है और हमेशा शांतिपूर्ण तथा राजनीतिक समाधान पर जोर दिया है।'

उन्होंने दावा किया कि आठ अप्रैल को घोषित सीजफायर का हाल के दिनों में कई बार अमेरिकी सेनाओं की ओर से उल्लंघन किया गया। उनके अनुसार, इसी कारण ईरानी सेना ने आत्मरक्षा के अपने वैध अधिकार का उपयोग करते हुए जवाबी कार्रवाई की।

डॉ. फतहली ने कहा कि हम संघर्षविराम के प्रति अब भी प्रतिबद्ध हैं और बातचीत का रास्ता चुनते हैं, लेकिन हमारे देश की सुरक्षा और संप्रभुता हमारे लिए 'रेड लाइन' है। यदि हमारे देश पर कोई हमला या आक्रामकता होती है, तो उसका जवाब उसी स्तर पर और जरूरत पड़ने पर उससे भी अधिक कड़े तरीके से दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कूटनीति के लिए अभी भी अवसर मौजूद हैं और समझौता संभव है, बशर्ते दूसरा पक्ष भी अपनी जिम्मेदारियों का पालन करे तथा किसी प्रकार की उकसावे वाली कार्रवाई या संघर्षविराम उल्लंघन से बचे।

सवालः अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में हाल ही में पारित उस प्रस्ताव को आप कैसे देखते हैं, जिसमें ईरान संघर्ष में राष्ट्रपति ट्रंप के अधिकारों को सीमित करने की बात कही गई है? क्या यह वॉशिंगटन में राजनीतिक विभाजन का संकेत है?

ईरान संघर्ष से बढ़ी महंगाई अस्थायी, जल्द कम होंगी कीमतें : अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट

वॉशिंगटन। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने गुरुवार को अर्थव्यवस्था को लेकर ट्रंप प्रशासन की नीतियों का बचाव किया। बढ़ती ईंधन और उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों को लेकर हो रही आलोचना के बीच उन्होंने लॉमेकर्स से कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण बढ़ी महंगाई अस्थायी है और स्थिति सामान्य होने पर कीमतें फिर कम हो जाएंगी।

यह मुद्दा प्रतिनिधि सभा की वेज एंड मीन्स समिति की लंबी और कई बार तीखी सुनवाई के दौरान बार-बार उठा। डेमोक्रेटिक लॉमेकर्स ने आरोप लगाया कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण ईंधन, घरेलू खर्च और महंगाई बढ़ी है, जिससे अमेरिकी परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है।

बेसेंट ने माना कि इस संघर्ष का असर ऊर्जा बाजारों पर पड़ा है, लेकिन उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव स्थायी नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'ईरान संघर्ष के कारण कीमतों में अल्पकालिक बढ़ोतरी हुई है, जो समय के साथ कम हो जाएगी।' वित्त मंत्री ने कहा कि

हालिया मूल्य वृद्धि के बावजूद अमेरिकी अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है और इसके समर्थन में रोजगार वृद्धि, निजी क्षेत्र में निवेश और वेतन बढ़ने का हवाला दिया।

घुटने की सर्जरी के लिए कांगड़ा एयरपोर्ट से दिल्ली रवाना हुए दलाई लामा, एयरपोर्ट पर उमड़े अनुयायी

नई दिल्ली। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा शुक्रवार सुबह कांगड़ा एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुए। दलाई लामा का यह दिल्ली दौरान उनके स्वास्थ्य से जुड़ा बताया जा रहा है। दिल्लली में विशेष डॉक्टरों की देखरेख में उनके बाएं घुटने की सर्जरी होनी है।

पिछले काफी समय से दलाई लामा अपने निवास हिमाचल प्रदेश के मैकलोडगंज में ही थे। वर्ष 1959 में तिब्बत छोड़ने के बाद से ही वे भारत में शरण लिए हुए हैं और उन्होंने धर्मशाला को अपना स्थायी निवास बनाया है। शुक्रवार सुबह वे दिल्ली के लिए रवाना हुए।

धर्मगुरु दलाई लामा अपने घुटने के दर्द से काफी समय से परेशान चल रहे है। घुटने की सर्जरी करवाने के बाद दलाई लामा जून

के अंत में लद्दाख जाएंगे। वहां वे एक विस्तारित अवधि तक प्रवास करेंगे। लद्दाख में उनके कार्यक्रमों और प्रवास की विस्तृत जानकारी बाद में जारी की जाएगी। शुक्रवार सुबह उनके दिल्ली रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर अनुयायियों की भीड़ जमा हो गई। धर्मगुरु के दर्शन के लिए उनके अनुयायी एयरपोर्ट के बाहर बारिश के बीच खड़े रहे।

इस दौरान वहां दो महिलाओं ने बातया कि वे सुबह-सुबह गुरु जी दर्शन के लिए यहां पहुंची हैं। महिला ने बताया कि गुरु जी घुटने के इलाज के चलते दिल्ली जा रहे हैं। जैसे ही हमें जानकारी हुई यहां उनके दर्शन के लिए यहां आ गए।

उन्होंने कहा, हम सब गुरु जी के अच्छे स्वास्थ्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं, भगवान उनको जल्दी स्वस्थ करें। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने बौद्ध धर्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्हें वर्ष 1989 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

पीएम मोदी के कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का कद बढ़ा, देश बना ताकतवर : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पीएम मोदी के 12 साल के कार्यकाल की तारीफ करते हुए कहा कि दुनिया भी इस चीज को मानती है कि पीएम मोदी के कार्यकाल में भारत अब पहले वाला भारत नहीं रहा। वह अब कमजोर नहीं बल्कि ताकतवर भारत बन गया है।

लखनऊ में मीडिया से बातचीत के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के तौर पर निश्चित रूप से एक रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले भी, वे कई वर्षों तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और लगभग 13 साल तक सेवा की। अब 12 साल से प्रधानमंत्री के तौर पर देश की सेवा कर रहे हैं। मेरा मानना है कि उनके कार्यकाल के दौरान अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का कद काफी बढ़ा है और यह बात केवल उनके मंत्रिमंडल के सदस्य के तौर पर नहीं कह रहा हूं, सारी दुनिया इसको मानती है कि भारत कमजोर नहीं, ताकतवर बन गया है। 10 जून को पीएम मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनने पर पश्चिम बंगाल मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि दुनिया में पीएम नरेंद्र मोदी जैसा कोई नहीं है। यह रिकॉर्ड अपने आप बन जाएगा। जनता को उनका आशीर्वाद मिला है और जिस तरह से वह काम कर रहे हैं, भविष्य में कई और रिकॉर्ड बनेंगे।

भाजपा सांसद मनन मिश्रा ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री को तो एक के बाद एक रिकॉर्ड बनाने हैं। 10 जून को जो हो रहा है, वह तो एक छोटी सी बात है। हमारे प्रधानमंत्री पहले ही कई रिकॉर्ड बना चुके हैं और भविष्य में भी कई और रिकॉर्ड बनाएंगे।

भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि देश खुशकिस्मत है कि भारत माता ने ऐसे बेटे को जन्म दिया है, जिनका नाम नरेंद्र दामोदरदास मोदी है और जिन्होंने इतिहास रचा है। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के सबसे लंबे समय तक चुने हुए प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यह रिकॉर्ड 10 तारीख को टूटेगा। वे लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहेंगे और उम्मीद है कि वे सभी रिकॉर्ड तोड़ देंगे। पीएम नरेंद्र मोदी 2029 और 2034 में भी जीतेंगे और लंबे समय तक देश की सेवा करते रहेंगे, क्योंकि उनके लिए देश ही सब कुछ है। पीएम मोदी के लिए देश ही सब कुछ है। 12 साल में भारत की तकदीर को संवारने का काम किया है। हम सभी को गर्व है कि हम सभी उनके साथ काम कर रहे हैं।

वायुसेना प्रमुख की फ्रांस यात्रा, मजबूत हुई दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने फ्रांस की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न कर ली है। इस दौरान दोनों देशों के बीच दशकों पुरानी सामरिक और रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

गौरतलब है कि वायुसेना प्रमुख का यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब भारत और फ्रांस के बीच 114 राफेल लड़ाकू विमानों की संभावित मेगा डील को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। फ्रांस की वायु एवं अंतरिक्ष सेना के मुख्यालय बालार्ड में एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना प्रमुख जनरल जेरोम बेलांजे के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस अवसर पर उनका सैन्य सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया गया। दोनों पक्षों ने वायु सेनाओं के बीच परिचालन सहयोग, संयुक्त प्रशिक्षण, तकनीकी आदान-प्रदान और भविष्य की साझेदारी को और व्यापक बनाने पर चर्चा की।

यात्रा के दौरान वायु सेना प्रमुख ने फ्रांस के राष्ट्रपति के सैन्य स्टाफ प्रमुख जनरल विन्सेंट गिरो से भी मुलाकात की। उन्होंने पेरिस स्थित प्रतिष्ठित सैन्य शिक्षण संस्थान 'एकोल द गेर' और 'एकोल मिलिटेयर' में अधिकारियों को संबोधित किया। इस दौरान भारत से विनिमय कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारी कैडेट भी मौजूद रहे।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने मोंट-दे-मार्सां एयर कॉम्बैट सेंटर का दौरा कर वहां की परिचालन क्षमताओं का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने ऑरलियाँ एयर बेस से ए-400एम सैन्य परिवहन विमान में परिचयात्मक उड़ान भी भरी। वायुसेना प्रमुख के इस कदम से दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग और पारस्परिक समझ को बढ़ावा मिला। दौरे का एक महत्वपूर्ण पहलू फ्रांस की प्रमुख रक्षा कंपनियों के साथ बैठकें रहीं।

वायुसेना प्रमुख ने डसॉल्ट एविएशन, थेल्स, सफ्रान और एमबीडीए के वरिष्ठ प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

संक्षिप्त खबर

विश्व पर्यावरण दिवस पर आचार्य प्रशांत ने ब्रिटेन के सर्वप्रतिष्ठित मंचों पर उठाया जलवायु संकट का मूल प्रश्न

लंदन। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय दार्शनिक और लेखक आचार्य प्रशांत इन दिनों ब्रिटेन के सर्वाधिक प्रतिष्ठित बौद्धिक और नीति-निर्माण मंचों पर एक ऐसा संदेश लेकर उपस्थित हैं जो वहां की परंपरागत पर्यावरण चर्चा से सर्वथा भिन्न है। कैम्ब्रिज यूनियन में क्षमता तक भरे सभागारों को संबोधित करने से लेकर ब्रिटिश हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य के साथ एकल संवाद तक, और ब्रिटेन की आम जनता के बीच सार्वजनिक सत्रों से लेकर ऑक्सफोर्ड, लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स, किंग्स कॉलेज लंदन और लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक तक आगामी कार्यक्रमों की एक लंबी श्रृंखला, यह दौरा हर पड़ाव पर एक ही बात कहता आया है: पर्यावरण संकट से निपटने का पश्चिमी तरीका काम नहीं किया है, और तब तक नहीं करेगा जब तक उस एकमात्र कारण को नहीं परखा जाता जो इस संकट को जन्म देता है। 30 मई को जब आचार्य प्रशांत कैम्ब्रिज यूनियन पहुंचे तो कार्यक्रम एक घंटे का था, परंतु हुआ कुछ और। कैम्ब्रिज जज बिजनेस स्कूल के सेंटर फॉर इंडिया एंड ग्लोबल बिजनेस के निदेशक प्रोफेसर जयदीप प्रभु के संचालन में हुई इस फायरसाइड चैट में अर्थशास्त्रियों, एमबीए छात्रों, व्यापार जगत के विद्वानों और नीति-निर्माताओं से भरे सभागार ने प्रश्नों का ऐसा सिलसिला शुरू किया जो थमने का नाम नहीं लेता था।

गुजरात पुलिस ने 'ऑपरेशन डेल्टा हंट' के तहत 568 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा

गांधीनगर। गुजरात पुलिस ने 'ऑपरेशन डेल्टा हंट' के तहत राज्य में कथित तौर पर गैर-कानूनी रूप से रह रहे 568 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि कई जिलों में तलाशी और वेरिफिकेशन अभियान जारी हैं।

राज्य सरकार के अनुसार, ये गिरफ्तारियां डिप्टी सीएम और गृह मंत्री हर्ष संघवी की देखरेख में पूरे गुजरात में चलाए गए समन्वित अभियानों के दौरान की गईं। शुक्रवार सुबह 8 बजे तक दर्ज किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, हिरासत में लिए गए लोगों में 172 पुरुष, 282 महिलाएं और 114 बच्चे शामिल हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में शुरू किए गए इस अभियान का दायरा लगातार बढ़ता गया है। गुजरात पुलिस ने शुरू में 3 जून को 362 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लेने की सूचना दी थी। यह संख्या 4 जून को बढ़कर 501 हो गई और शुक्रवार सुबह तक 568 तक पहुंच गई।

अधिकारी वेरिफिकेशन प्रक्रिया के तहत सैकड़ों अन्य लोगों से भी पूछताछ कर रहे हैं। राज्य सरकार के एक बयान में संघवी ने कहा कि राज्य की सुरक्षा और शांति से कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घुसपैठ और अनधिकृत बसावट के खिलाफ इसी तरह के अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे। 'ऑपरेशन डेल्टा हंट' को खुफिया जानकारी पर आधारित एक समन्वित अभियान के तौर पर शुरू किया गया था, जिसमें पूरे गुजरात की पुलिस इकाइयां शामिल थीं।

'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रदर्शन के खिलाफ याचिका दिल्ली हाईकोर्ट ने जल्द सुनवाई की मांग ठुकराई

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 6 जून के प्रदर्शन के खिलाफ दायर याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मामले की सुनवाई निर्धारित समय के अनुसार ही की जाएगी।

सेव इंडिया फाउंडेशन नामक संगठन की ओर से दायर याचिका में मांग की गई कि प्रस्तावित आंदोलन के दौरान प्रदर्शन और धरनों से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट के तय दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। याचिकाकर्ता ने अदालत से इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की। हालांकि कोर्ट ने याचिका पर जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया है।

'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रदर्शन को लेकर दायर याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई से पहले याचिकाकर्ता संगठन सेव इंडिया फाउंडेशन के वकील विकास शर्मा ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को संविधान के तहत शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन बिना अनुमति के बड़ी संख्या में लोगों को एकत्रित करने की घोषणा गंभीर चिंता का विषय है। विकास शर्मा ने कहा, ''किसी को भी शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करने का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन यदि कोई यह घोषणा करता है कि पांच लाख या दस लाख लोग किसी स्थान पर एकत्र होंगे और इसके लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली गई है, खासकर राष्ट्रीय राजधानी में, तो यह गंभीर मामला बन जाता है।'' उन्होंने कहा कि इसी वजह से अदालत का दरवाजा खटखटाना जरूरी हो गया। उनके अनुसार, अब तक प्रदर्शन के आयोजकों की ओर से न तो किसी प्रकार की व्यवस्था की जानकारी दी गई है और न ही यह बताया गया है कि इतने बड़े प्रदर्शन को शांतिपूर्ण ढंग से कैसे संचालित किया जाएगा। सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखना बेहद जरूरी है। ऐसे में प्रदर्शन से संबंधित सभी आवश्यक नियमों और दिशानिर्देशों का पालन किया जाना चाहिए ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं, याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता उमेश चंद शर्मा ने कहा कि उनकी मांग है कि मध्य दिल्ली या जंतर-मंतर के आसपास 'कॉकरोच जनता पार्टी' के नाम पर लोगों को बिना अनुमति एकत्र होने की अनुमति न दी जाए।

स्वच्छ और हरित पर्यावरण के लिए पेड़ लगाएं : सीएम मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर जन जागृति अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जगह-जगह पौधारोपण भी हो रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेशवासियों से स्वच्छ और हरित पर्यावरण के लिए पेड़ लगाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने संदेश में कहा कि पेड़-पौधे, नदियां, पर्वत और वन्य जीव हमारे जीवन के आधार हैं। भारतीय परंपरा ने हमें प्रकृति के साथ रहने का मार्ग दिखाया है। स्वच्छ और हरित पर्यावरण के लिए पेड़ लगाएं। प्रकृति के अनुकूल जीवन शैली अपनाएं और इसके प्रति लोगों को भी जागरूक करें।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने जयप्रकाश जिला चिकित्सालय परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ भी दिलाई।

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा भावी पीढ़ियों के लिए सबसे मूल्यवान उपहार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन एवं स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों से देश में जन-जागरूकता बढ़ी है, इस दिशा में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

रामलला के दरबार में पहुंचे थल सेना प्रमुख, हनुमानगढ़ी में भी किया दर्शन

अयोध्या। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शुक्रवार को अपने निजी दौरे पर अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने हनुमानगढ़ी और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन-पूजन कर देश की सुरक्षा, समृद्धि और कल्याण की कामना की।

सेना प्रमुख बनने के बाद यह उनका पहला अयोध्या दौरा रहा, जिसे लेकर धार्मिक स्थलों और सैन्य प्रतिष्ठानों में विशेष तैयारियां की गई थीं। पहुंचने पर प्रशासनिक और सैन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। वहां से वह सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने संकटमोचन हनुमान जी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की।

इसके बाद जनरल उपेंद्र द्विवेदी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र पहुंचे और रामलला के दिव्य दरबार में माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में उनके आगमन पर मंदिर प्रशासन और सुरक्षा अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मंदिर व्यवस्था से जुड़े विहिप के वरिष्ठ पदाधिकारी गोपाल नागरकट्टे ने भी उनका अभिनंदन किया। दर्शन के दौरान सेना प्रमुख ने मंदिर निर्माण की प्रगति, स्थापत्य कला और परिसर की व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने परकोटा क्षेत्र में स्थित अन्य मंदिरों का भी अवलोकन किया। उन्होंने मंदिर परिसर में कुछ समय बिताकर वहां की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा को करीब से महसूस किया। इस दौरान उनके परिवार के सदस्य भी साथ मौजूद रहे। सेना प्रमुख के दौरे को देखते हुए हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस, प्रशासन और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी पूरे समय सतर्क रहे और दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा।

शरीर पर स्लोगन लिखकर और पेड़-पौधे लिए अनोखे अंदाज में लोगों को जागरूक कर रहा शख्स

प्रयागराज। एक ओर जहां पूरे देश में पर्यावरण दिवस, पेड़ पौधे लगाकर या अन्य तरीकों से मनाया जा रहा है। वहीं, प्रयागराज में एक शख्स अनोखे तरीके से पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैला रहा है। यह शख्स अपने शरीर पर पर्यावरण संरक्षण संबंधी स्लोगन और पेड़-पौधे लिए पूरे शहर में भ्रमण कर रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दारागंज इलाके में राजेंद्र कुमार तिवारी उर्फ दुकान जी का एक अनोखा प्रयास देखने को मिला। वह प्रयागराज के दारागंज की सड़कों पर घूम-घूम कर अपने गेटअप और स्लोगन के माध्यम से लोगों को वृक्ष लगाने की सलाह दे रहे हैं। इतना ही नहीं, इनके साथ यहां के लोग भी जुड़कर साथ में उनकी यात्रा में शामिल होकर पेड़ लगाने और उसको सुरक्षित करने की सलाह दे रहे हैं।

वह लोगों से कह रहे हैं कि एक पेड़ जीवन के लिए लगाएं, ताकि आने वाले दिनों में ऑक्सीजन लेकर घूमने की जरूरत ना पड़े। इनका यह भी कहना है कि पेड़ की एक बच्चों की तरह देखभाल करें। विश्व पर्यावरण दिवस पर इन्हीं की यात्रा शहर के विभिन्न जगहों पर देखने को मिल रही है। राजेंद्र तिवारी उर्फ दुकान जी ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, 'मैं लोगों से निवेदन करने निकला हूं। घर-घर जाकर निवेदन कर रहा हूं कि पर्यावरण को बचाए रखने के लिए एक पेड़ अवश्य लगाएं। जिस तरह से हमारी भूमि बंजर होती जा रही है और प्रकृति के साथ हम लोग जो खिलवाड़ कर रहे हैं, उसको बंद करना होगा नहीं तो आगे आने वाली युवा पीढ़ी को हम शुद्ध वायु नहीं दे पाएंगे।'

अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार के विरोध में मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक, ग्रामीणों ने की सड़क जाम

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले के कटकमदाग अंचल कार्यालय में कथित भ्रष्टाचार और जमीन के दाखिल-खारिज में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को एक युवक 80 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया।

इससे इलाके में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए और युवक के समर्थन में सड़क जाम कर दिया।

टावर पर चढ़े युवक की पहचान कटकमदाग निवासी विकास कुमार के रूप में हुई है। उसका आरोप है कि वह पिछले करीब 14 वर्षों से पांच एकड़ जमीन पर खेती कर रहा है, लेकिन संबंधित भूमि का दाखिल-खारिज किसी अन्य व्यक्ति के नाम कर दिया गया।

विकास का कहना है कि वह अपनी शिकायत लेकर कई बार अंचल कार्यालय पहुंचा, लेकिन उसे न्याय नहीं मिला। उसका आरोप है कि पिछले छह महीनों से उसे लगातार कार्यालय के चक्कर लगवाए जा रहे हैं। विकास कुमार मोबाइल टावर पर चढ़कर प्रशासन और अंचल कार्यालय के खिलाफ नारेबाजी कर रहा है। उसने चेतावनी दी है कि जब तक उसकी जमीन से जुड़े मामले में उचित कार्रवाई नहीं की जाती और कथित गड़बड़ियों की जांच नहीं होती, तब तक वह नीचे नहीं उतरेगा।

असम कैबिनेट का विस्तार, 12 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

गुवाहाटी। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में एनडीए की बंपर जीत के बाद असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली कैबिनेट में 12 मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही, राज्य की नई सरकार का गठन पूरा हो गया।

गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में मुख्यमंत्री सरमा, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, विधायकों और सरकारी अधिकारियों की मौजूदगी में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ लेने वाले 12 विधायकों में, अश्विनी राय सरकार, अशोक सिंघल, बिमल बोराह, बिस्वजीत दैमारी, जयंत मल्ला बरुआ, कौशिक राय, केशव महंता, कृष्णेंदु पॉल, नीलिमा देवी, पीयूष हजारिका, रानोज पेगू और सुशांत बोरगोहेन, शामिल हैं। इस नए विस्तार के साथ, मंत्रिपरिषद की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। इसमें मुख्यमंत्री सरमा और वे चार मंत्री भी शामिल हैं, जिन्होंने पहले ही शपथ ली थी। इनमें अजंता नियोग, रामेश्वर तेली, अतुल बोरा और चरण बोरो का नाम शामिल है।

नई कैबिनेट की संरचना में निरंतरता और बदलाव का मिश्रण दिखता है। भाजपा नेतृत्व ने पिछली सरकार के कई अनुभवी मंत्रियों को बनाए रखा है और साथ ही नए चेहरों को भी शामिल किया है। अशोक सिंघल, पीयूष हजारिका, जयंत मल्ला बरुआ, रानोज पेगू, बिमल बोराह और एजीपी नेता केशव महंता जैसे सीनियर नेताओं ने अपनी कैबिनेट की जगह बनाए रखी है, जो पार्टी का उनके प्रशासनिक अनुभव पर भरोसा दिखाता है। अश्विनी राय सरकार, बिस्वजीत दैमारी, नीलिमा देवी और सुशांत बोरगोहेन पहली बार मंत्रिपरिषद में शामिल हुए हैं। दैमारी पिछले कार्यकाल में असम विधानसभा के स्पीकर रह चुके हैं। नई कैबिनेट में पिछली सरकार के कुछ मंत्रियों की छुट्टी भी हुई है, जिनमें चंद्र मोहन पटोवारी, जोगेन मोहन और उरखाओ ग्वरा ब्रह्मा शामिल हैं। पूर्व मंत्री रंजीत कुमार दास को विधानसभा का स्पीकर नियुक्त किया गया है। राजनीतिक जानकारों का मानना ??है कि कैबिनेट का गठन प्रशासनिक निरंतरता बनाए रखने और साथ ही सरकार में क्षेत्रीय और सामाजिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने की एक कोशिश है। यह मंत्रिमंडल तब गठित किया गया जब एनडीए की 2026 के असम विधानसभा चुनाव में निर्णायक जीत के बाद सरमा ने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री के तौर पर पदभार संभाला।

अंडमान के अपतटीय ब्लॉक में ऑयल इंडिया ने की प्राकृतिक गैस की नई खोज, तीसरे खोजी कुएं में हाइड्रोकार्बन की पुष्टि

नई दिल्ली। सरकारी महारत्न कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने शुक्रवार को अंडमान के उथले समुद्री (अपतटीय) ब्लॉक में अपने तीसरे खोजी कुएं में प्राकृतिक गैस की नई खोज की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि यह खोज इस क्षेत्र में हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी का एक और महत्वपूर्ण संकेत है।

कंपनी के अनुसार, विजयपुरम-3 (स्थान ओएईबी) नामक यह कुआं ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) के तहत ऑफशोर अंडमान ब्लॉक एएन-ओएसएचपी-2018/1 में ड्रिल किया गया है।

यह कुआं अंडमान द्वीप समूह के पूर्वी तट से लगभग 15 किलोमीटर दूर समुद्र में स्थित है, जहां पानी की गहराई 355 मीटर है।

कंपनी ने बताया कि ड्रिलिंग कार्य इयोसीन भू-स्तर में 1,900 मीटर से अधिक गहराई तक किया गया।

एक्सचेंज फाइलिंग में ऑयल इंडिया ने बताया कि कुएं के प्रारंभिक उत्पादन परीक्षण में प्राकृतिक गैस की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। छिद्रण (परफोरेशन) के बाद लगातार गैस जलती हुई दिखाई दी, जो गैस की उपलब्धता का संकेत है।

कंपनी ने बताया कि कुएं में दबाव तेजी से बढ़ा और इसके बाद गैस का उत्पादन शुरू हो गया।

ऑयल इंडिया ने अपनी नियामकीय फाइलिंग में कहा, 'ऑयल इंडिया लिमिटेड को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी के तहत ऑफशोर अंडमान ब्लॉक एएन-ओएसएचपी-2018/1 में अंडमान द्वीप समूह के पूर्वी तट से 15 किलोमीटर दूर और 355 मीटर जल गहराई पर ड्रिल किए गए तीसरे खोजी कुएं विजयपुरम-3 (स्थान ओएईबी) में प्राकृतिक गैस की मौजूदगी मिली है।'

कंपनी ने कहा कि फिलहाल गैस के नमूनों का परीक्षण किया जा रहा है ताकि उसकी संरचना और ऊष्मीय क्षमता (कैलोरिफिक वैल्यू) का पता लगाया जा सके।

इसके साथ ही समस्थानिक (आइसोटोप) अध्ययन भी किया जा रहा है, जिससे हाइड्रोकार्बन के स्रोत और उत्पत्ति को समझने में मदद मिलेगी।

यह अंडमान अपतटीय ब्लॉक में हाइड्रोकार्बन की दूसरी पुष्टि है। इससे पहले सितंबर 2025 में दूसरे खोजी कुएं विजयपुरम-2 (स्थान ओएईए) में भी प्राकृतिक गैस की खोज हुई थी।

अब तक इस ब्लॉक में तीन खोजी कुएं ड्रिल किए जा चुके हैं, जिनमें से दो में हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी के संकेत मिले हैं।

कंपनी ने इस नई खोज को एक महत्वपूर्ण संकेतक बताया है, जो इस क्षेत्र में हाइड्रोकार्बन के स्रोत, उनके प्रवाह मार्ग या संभावित भंडार की मौजूदगी की ओर इशारा करता है।

ऑयल इंडिया का मानना है कि यह खोज भविष्य में क्षेत्र में होने वाली खोज और उत्पादन गतिविधियों की रणनीति तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

भद्रासन से मजबूत होते हैं घुटने और कूल्हे, महिलाओं के लिए भी लाभकारीः आयुष मंत्रालय

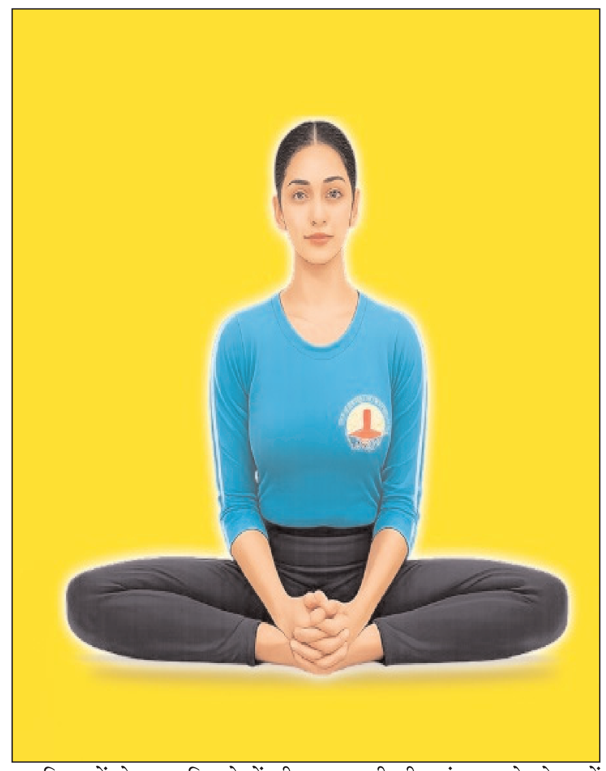

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने लोगों को योग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा कर भद्रासन के लाभों के बारे में जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा कि भद्रासन एक ऐसा योगासन है, जो शरीर और मन दोनों को दृढ़ता प्रदान करता है तथा कई स्वास्थ्य लाभ देने में सहायक माना जाता है।

आयुष मंत्रालय ने अपनी पोस्ट में कहा, 'क्या आप जानते हैं कि 'भद्रासन' आपके तन और मन दोनों को दृढ़ता प्रदान करता है? यह एक ऐसा योगासन है जो घुटनों और कूल्हों को मजबूत बनाने के साथ-साथ पेट का तनाव भी कम करता है और महिलाओं के स्वास्थ्य व गर्भावस्था में विशेष लाभकारी है। आइए इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें, लेकिन ध्यान रखें कि गठिया और साइटिका के मरीज इसका अभ्यास करने से बचें।

पोस्ट के साथ साझा किए गए वीडियो संदेश में बताया गया कि भद्रासन को अंग्रेजी में 'द ऑस्पिशियस पोज' भी कहा जाता है। यह आसन शरीर और मन दोनों को स्थिरता और मजबूती प्रदान करता है। नियमित अभ्यास से घुटनों और कूल्हों की हड्डियां मजबूत होती हैं तथा घुटनों के दर्द में भी राहत मिल सकती है।

वीडियो में यह भी बताया गया कि भद्रासन पेट में किसी भी प्रकार के तनाव को दूर करने में सहायक है। महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान होने वाले पेट दर्द और अन्य असुविधाओं से राहत दिलाने में भी यह लाभकारी माना जाता है। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं के लिए भी यह आसन उपयोगी बताया गया है। हालांकि, आयुष मंत्रालय ने सावधानी बरतने की सलाह भी दी है। मंत्रालय के अनुसार, एक्यूट आर्थराइटिस यानि गथिया और साइटिका से पीड़ित लोगों को भद्रासन का अभ्यास नहीं करना चाहिए।

इससे पहले, एक अन्य पोस्ट में आयुष मंत्रालय ने योग के महत्व और ताड़ासन के लाभों के बारे में जानकारी दी। मंत्रालय ने पोस्ट में कहा, 'योग का मतलब मुश्किल आसन करना नहीं है। यह आसान और सहज गतिविधियों के बारे में है जो हमारे शरीर को लचीला बनाए रखती हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, इन योगासनों को हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होना चाहिए। ताड़ासन या माउंटेन पोज़ योग के सबसे ज़रूरी शुरुआती आसनों में से एक है। यह पूरे शरीर को हल्का खिंचाव देता है और शरीर के पोस्चर (मुद्रा) को बेहतर बनाता है।

योग को बनाएं दैनिक जीवन का हिस्सा, ताड़ासन से मिलते हैं कई लाभः आयुष मंत्रालय

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाता है। योग दिवस को देखते हुए आयुष मंत्रालय लगातार लोगों को योग के प्रति जागरूक करने में जुटा हुआ है। इसी क्रम में मंत्रालय ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा कर योग के महत्व और ताड़ासन के लाभों के बारे में जानकारी दी।

आयुष मंत्रालय ने अपने पोस्ट में कहा, 'योग का मतलब मुश्किल आसन करना नहीं है। यह आसान और सहज गतिविधियों के बारे में है जो हमारे शरीर को लचीला बनाए रखती हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, इन योगासनों को हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होना चाहिए। ताड़ासन या माउंटेन पोज़ योग के सबसे ज़रूरी शुरुआती आसनों में से एक है। यह पूरे शरीर को हल्का खिंचाव देता है और शरीर के पोस्चर (मुद्रा) को बेहतर बनाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, ताड़ासन पूरे शरीर को हल्का खिंचाव प्रदान करता है और शरीर की मुद्रा (पोश्चर) को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह योग की सबसे महत्वपूर्ण शुरुआती मुद्राओं में से एक मानी जाती है।

मंत्रालय की ओर से पोस्ट के साथ शेयर किए गए एक वीडियो में ताड़ासन करने की विधि भी बताई गई। वीडियो में बताया गया कि सबसे पहले सीधे खड़े हों और अपने दोनों हाथों को ऊपर उठाएं। इसके बाद पूरे शरीर को ऊपर की ओर खींचते हुए स्ट्रेच करें तथा कुछ समय तक इसी स्थिति में रहते हुए सामान्य रूप से श्वास लेते रहें।

इससे पहले, गुरुवार को मंत्रालय ने कहा था कि नियमित योगाभ्यास कमर के निचले हिस्से में होने वाले दर्द जैसी आम समस्याओं से राहत दिलाने में मददगार साबित हो सकता है। भागदौड़ भरी जीवनशैली, लंबे समय तक बैठकर काम करने की आदत और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग पीठ और कमर दर्द की समस्या से जूझ रहे हैं। आयुष मंत्रालय ने ऐसे लोगों के लिए योग को एक प्राकृतिक और प्रभावी उपाय बताया है। मंत्रालय के अनुसार, 'योग-युक्त रहें, रोग-मुक्त रहें' का मंत्र अपनाकर लोग अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं और कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव कर सकते हैं।

आयुष मंत्रालय ने पीठ और कमर दर्द से राहत पाने के लिए कुछ विशेष योगासनों और प्राणायाम के सुझाव भी दिए थे। इनमें अर्द्धचक्रासन, सेतुबंधासन, कटिचक्रासन, वक्रासन, भुजंगासन और सूर्य भेदन प्राणायाम शामिल हैं। इन अभ्यासों को नियमित रूप से करने से पीठ की मांसपेशियों में मजबूती आती है और रीढ़ की लचक बेहतर होती है।

इबोला के कारण स्पेन में डीआर कांगो का प्री-वर्ल्ड कप मैत्री मैच रद्द, कांगो ने जताई आपत्ति

मैड्रिड । कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य ने स्पेन के अधिकारियों के मैत्री मैच रद्द करने के फैसले की आलोचना की। नौ जून को चिली के खिलाफ होने वाला प्री-वर्ल्ड कप मैत्री मैच अफ्रीकी देश में चल रहे इबोला प्रकोप के कारण रद्द कर दिया गया।

यह मैच दक्षिणी स्पेन के ला लिनिया डे ला कॉन्सेप्सियन में खेला जाना था, लेकिन मंगलवार को शहर के मेयर जुआन फ्रैंको ने घोषणा की कि सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण मैच नहीं होगा।

फ्रैंको ने कहा, 'मैंने नौ जून को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और चिली के बीच होने वाले मैच पर रोक लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

उन्होंने बताया कि ला लिनिया की स्थानीय स्वास्थ्य सेवा के प्रमुख की रिपोर्ट में साफतौर पर सलाह दी गई थी कि संभावित स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए इस मैच की मेजबानी नहीं की जानी चाहिए।

डीआर कांगो की टीम विश्व कप अभियान की तैयारी के लिए बेल्जियम में एक सुरक्षित स्वास्थ्य व्यवस्था के अंदर प्रशिक्षण कर रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 26 खिलाड़ियों में से कोई भी खिलाड़ी कांगो में नहीं खेलता है और न ही सीधे वहां से बेल्जियम के प्रशिक्षण शिविर में पहुंचा है। हालांकि, सपोर्ट स्टाफ के कुछ सदस्य और संभव है कि कुछ प्रशंसक वहां से आए हों।

सन्हिुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से आयोजित एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, डीआर कांगो के संचार मंत्री पैट्रिक मुयाया ने इस स्थिति पर अफसोस जताया।

उन्होंने कहा, 'स्पेन के अधिकारियों के साथ हमें गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने फैसला किया है कि हमारी राष्ट्रीय टीम का दूसरा निर्धारित मैच इबोला के कारण नहीं खेला जा सकता।

मुयाया ने कहा, 'मेरा मानना है कि हमारा कोई भी खिलाड़ी किंशासा या कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में नहीं खेलता। वे सभी लगभग तीन हफ्तों से बेल्जियम में हैं और विश्व कप की तैयारी कर रहे हैं। इस तरह के फैसले को भेदभावपूर्ण माना जा सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, इबोला एक गंभीर और अक्सर जानलेवा बीमारी है। यह वायरस जंगली जानवरों (जैसे फल खाने वाले चमगादड़, साही और अन्य प्राइमेट) से इंसानों में फैल सकता है। इसके बाद यह संक्रमित व्यक्ति के खून, शरीर से निकलने वाले तरल पदार्थ, अंगों या अन्य शारीरिक द्रवों के सीधे संपर्क से फैलता है।

एम्स के कार्यवाहक निदेशक डॉ. निखिल टंडन के खिलाफ अवमानना नोटिस जारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने डीएनए जांच रिपोर्ट से जुड़े एक मामले में अपने आदेश का पालन न करने पर एम्स नई दिल्ली के कार्यवाहक निदेशक के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की है। अदालत ने उन्हें 7 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने इस बात पर नाराजगी जताई कि अदालत के स्पष्ट निर्देश के बावजूद एम्स निदेशक की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया गया। इसके बजाय एम्स के एक उप सचिव (डिप्टी सेक्रेटरी) ने हलफनामा दाखिल किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 16 अप्रैल को दिए गए आदेश में साफ तौर पर निदेशक से व्यक्तिगत स्पष्टीकरण मांगा गया था। ऐसे में किसी अन्य अधिकारी द्वारा उनकी ओर से जवाब दाखिल करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान एम्स की ओर से पेश वकील ने बताया कि फिलहाल संस्थान में स्थायी निदेशक नहीं हैं और वर्तमान अधिकारी केवल कार्यवाहक निदेशक के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, हालांकि अदालत ने इस दलील को खारिज कर दिया।

पीठ ने कहा कि चाहे कोई अधिकारी स्थायी पद पर हो या कार्यवाहक के रूप में, उसे अपने पद की जिम्मेदारियां निभानी होंगी। अदालत ने कहा कि वह इस मामले में कार्यवाहक निदेशक को संदेह का लाभ देने के पक्ष में नहीं है और प्रथमदृष्टया यह अवमानना का मामला बनता है।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एम्स के कार्यवाहक निदेशक डॉ. निखिल टंडन को मामले में पक्षकार बनाते हुए उनके खिलाफ अवमानना नोटिस जारी किया। अदालत ने निर्देश दिया कि वे 7 जुलाई को दोपहर 12 बजे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हों और अपना जवाब पेश करें।

मामले के मुख्य पक्ष पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एम्स के फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग की डीएनए रिपोर्ट पर भी गौर किया। रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया कि संबंधित व्यक्ति का डीएनए प्रोफाइल बिमल किशोर और प्रतिभा कश्यप के डीएनए प्रोफाइल से मेल खाता है, जिससे यह साबित होता है कि बिमल किशोर उसके जैविक पिता हैं।

डीएनए रिपोर्ट के निष्कर्षों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उससे संबंधित लंबित आवेदनों पर अब अलग से निर्णय देने की आवश्यकता नहीं है और उन्हें निस्तारित कर दिया गया।हालांकि मामला 7 जुलाई को केवल कार्यवाहक निदेशक की उपस्थिति और अवमानना नोटिस पर उनके जवाब पर विचार के लिए सूचीबद्ध रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने डीएनए रिपोर्ट की प्रतियां सभी संबंधित पक्षों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। साथ ही मूल रिपोर्ट याचिकाकर्ता के वकील को सौंपने और उसे संबंधित हाईकोर्ट के समक्ष पेश करने का भी आदेश दिया है, ताकि वहां कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जा सके।

सेहत और स्वाद का शानदार मेल 'लौकी कलाकंद', घर पर बनाएं गर्मियों की खास मिठाई

नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में लोग ऐसे खानपान या मिठाइयों की तलाश करते हैं, जो स्वादिष्ट होने के साथ सेहतमंद भी हो। ऐसी ही एक मिठाई का नाम है 'लौकी कलाकंद', जो न केवल मिठास से भरपूर बल्कि सेहतमंद भी है।

आमतौर पर लौकी का इस्तेमाल सब्जी बनाने में किया जाता है, लेकिन इससे तैयार होने वाला कलाकंद मिठाई प्रेमियों के लिए एक खास विकल्प है। यह मिठाई कम कैलोरी वाली होने के साथ-साथ कई पोषक तत्वों से भरपूर होती है। यही वजह है कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोग भी इसे पसंद करते हैं।

लौकी में पानी की मात्रा काफी अधिक होती है, जिससे शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद मिलती है। इसमें फाइबर, पोटैशियम, कैल्शियम और कई जरूरी विटामिन पाए जाते हैं। यही कारण है कि यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाने, पेट को ठंडक देने और शरीर को ऊर्जा प्रदान करने में सहायक मानी जाती है। फाइबर, विटामिन ए, पोटैशियम, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

ऐसे में लौकी कलाकंद पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद होती है। फाइबर की वजह से कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। कम कैलोरी होने के कारण वजन नियंत्रण में मदद करती है। पोटैशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखता है और दिल को स्वस्थ बनाता है। साथ ही यह त्वचा को चमकदार बनाने और शरीर से विषाक्त तत्व निकालने में भी सहायक है। गर्मियों में यह एनर्जी बनाए रखने में कारगर साबित होती है। लौकी कलाकंद बनाना बहुत आसान है। इसके लिए सबसे पहले ताजी लौकी को अच्छे से धोकर छील लें, बीज निकाल दें और कद्दूकस कर लें। कढ़ाई में दो बड़े चम्मच घी गरम करें, उसमें कद्दूकस की हुई लौकी डालकर मध्यम आंच पर लगभग 10-15 मिनट तक भून लें। फिर स्वाद के अनुसार चीनी मिलाकर पानी सूखने तक पकाएं।

एनीमिया की वजह बन सकता है अनहेल्दी खाना, बचाव के लिए इन बातों का रखें ध्यान

नई दिल्ली। बदलती जीवनशैली और फास्ट फूड की बढ़ती आदतों के बीच अनहेल्दी खानपान लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रहा है। खुद को लेकर की गई ये लापरवाही एनीमिया जैसी स्वास्थ्य समस्याओं की भी वजह बनते जा रहे हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि शरीर को जरूरी पोषक तत्व न मिलने पर एनीमिया जैसी समस्या जन्म ले सकती है। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर में पर्याप्त मात्रा में स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाएं नहीं बन पातीं, जिससे कमजोरी, थकान और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, एनीमिया का एक प्रमुख कारण पौष्टिक आहार की कमी है। यदि रोजाना के आहार में आयरन, प्रोटीन, विटामिन और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का अभाव हो तो शरीर में खून की कमी होने लगती है। यही कारण है कि संतुलित और पोषण से भरपूर भोजन को स्वस्थ जीवन की बुनियाद माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि केवल पेट भरना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि भोजन का पौष्टिक होना भी उतना ही जरूरी है। जंक फूड, अत्यधिक तला-भुना भोजन और पोषणहीन आहार लंबे समय में स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में संतुलित और पौष्टिक भोजन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना बेहद जरूरी है। सही खानपान न केवल एनीमिया जैसी समस्याओं से बचाव करता है, बल्कि शरीर को स्वस्थ, सक्रिय और ऊर्जावान बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि एनीमिया से बचाव के लिए लोगों को अपनी रोजाना की थाली में पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी और सरसों आयरन का अच्छा स्रोत होती हैं। इसके अलावा दालें, अंडे और मांसाहारी भोजन शरीर को जरूरी प्रोटीन और आयरन प्रदान करते हैं, जो खून बनने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मौसमी फलों का सेवन भी एनीमिया से बचाव में मददगार माना जाता है। फलों में मौजूद विटामिन और खनिज तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ पोषण संबंधी कमियों को दूर करने में सहायक होते हैं। वहीं, नट्स और बीज, जैसे बादाम, अखरोट और तिल, शरीर को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराते हैं।

लॉर्ड्स टेस्टः ओली रॉबिन्सन ने इंग्लैंड को पहली पारी में दिलाई बढ़त, न्यूजीलैंड पिछड़ी

लॉर्ड्स। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की पहली पारी 113 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 27 रन की अहम बढ़त मिली है।

न्यूजीलैंड को पहली पारी में 113 रन पर समेटने में इंग्लैंड के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन का अहम योगदान रहा। रॉबिन्सन ने 10.5 ओवर में 39 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके अलावा, जोश टंग ने 10 ओवर में 40 रन देकर 3 विकेट लिए। गस एटकिंसन को 5 ओवर में 9 रन खर्च कर 2 विकेट मिले।

न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी पर गौर करें तो कीवी टीम पहली पारी में इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना मात्र 29.5 ओवर कर सकी और 113 रन पर सिमट गई। कीवी टीम के लिए नौवें नंबर पर आए काइल जैमिसन ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। इसके अलावा ग्लेन फिलिप्स ने 34 रन बनाए। नाथन स्मिथ ने 15 रन बनाए। न्यूजीलैंड के शीर्ष 6 बल्लेबाज सिर्फ 20 रन का योगदान दे सके।

इसके पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम टेस्ट के पहले दिन की 140 रन पर सिमट गई थी। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने सर्वाधिक 56 रन बनाए थे। बेन डकेट 19 रन बनाकर दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। इंग्लैंड के भी 6 बल्लेबाज 2 अंकों में नहीं पहुंच सके थे। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमिसन ने शानदार गेंदबाजी की थी और 14 ओवर में 62 रन देकर 5 विकेट झटके थे। नाथन स्मिथ ने 3 और विल ओरूर्के ने 2 विकेट लिए थे। टेस्ट मैच के पहले दिन (गुरुवार) और दूसरे दिन (शुक्रवार) के पहले सत्र में विकेटों का पतझड़ देखने को मिला है। दूसरे दिन के बचे दो सत्र में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के प्रदर्शन पर नजर रहेगी।

आईपीएल 2026 में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का धमाका जारी

वैभव के मुरीद हुए देवांग गांधी, बोले- टीम इंडिया में मिलनी चाहिए जगह

वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी ने क्रिकेट विशेषज्ञों को भी प्रभावित किया है।

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी के नाम की चर्चा हर तरफ हो रही है। 15 वर्षीय बल्लेबाज ने आईपीएल 2026 में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से हर किसी को खासा प्रभावित किया है। भारत के पूर्व खिलाड़ी और सिलेक्टर देवांग गांधी का कहना है कि वैभव को उनके दमदार प्रदर्शन का इनाम भारतीय टीम में जगह देकर देना चाहिए।

देवांग गांधी ने 'आईएएनएस' से बातचित्त में कहा, "मुझे लगता है कि वैभव को संभालने का तरीका यह है कि उन्हें इनाम के तौर पर भारतीय टीम की कैप दी जानी चाहिए, क्योंकि पिछले दो वर्षों में 15 वर्षीय बल्लेबाज ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। वह दुनिया के टॉप गेंदबाजों की पिटाई कर रहे हैं।"

गियर भी बदल रहे वैभवः गांधी

उन्होंने आगे कहा, "मेरे लिए उनके आखिरी दो पारियां लाजवाब रही। सनराइजर्स पर वह गियर भी बदल रहे थे।"

सभी बॉक्स टिक कर चुके हैं: पूर्व चयनकर्ता

गांधी ने कहा, "**एक बल्लेबाज जो इतना परिपक्व है कि वह सिंगल भी ले सकता है, सिचुएशन के हिसाब से खेल सकता है और फिर भी 200 से ज्यादा का स्ट्राइक रेट बनाए रख सकता है, तो मेरे लिए उन्होंने सभी बॉक्स टिक कर दिए हैं।**"

"क्या आप सोच सकते हैं कि वह उसी अथॉरिटी के साथ टेस्ट मैच खेले? बिल्लुक वैसा न सही, लेकिन इसका आधा भी हुआ, तो उन्हें टेस्ट खेलते हुए देखने में बहुत अच्छा लगेगा। गेंदबाजों को हार्ट अटैक आएगा, है ना?"

– देवांग गांधी, पूर्व चयनकर्ता

मुख्य बातें

- 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी का आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन
- दुनिया के टॉप गेंदबाजों की कर रहे धुनाई: देवांग गांधी
- भारतीय टीम की कैप देकर इनाम देने की वकालत
- फीलडिंग में सुधार की सलाह
- भारत-ए और लाल गेंद क्रिकेट में मौके देने की जरूरत

फीफा विश्व कप टिकटिंग में तकनीकी खामी, फैंस ने बिना भुगतान के खरीद लिए टिकट

नई दिल्ली। फीफा को फीफा वर्ल्ड कप 2026 की टिकट बिक्री के दौरान एक तकनीकी गड़बड़ी की वजह से असहज स्थिति का सामना करना पड़ा है। फुटबॉल फैंस ने बिना भुगतान किए विश्व कप के टिकट खरीद लिए। इससे फीफा को नुकसान हुआ। फुटबॉल की वैश्विक संस्था ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए बिना भुगतान के खरीदे गए टिकटों को रद्द कर दिया है और फैंस से कीमत अदा करने की अपील की है।

फीफा के मुताबिक, 'लगभग 60 प्रशंसकों को 3 जून को एक आधिकारिक संदेश भेजा गया, जिसमें बताया गया कि चेकआउट प्रक्रिया के दौरान हुई भुगतान संबंधी समस्या के कारण उन्हें टिकट बिना किसी भुगतान शुल्क के आवंटित हो गए थे। यह एक तकनीकी त्रुटि थी और टिकटों की वास्तविक कीमत सिस्टम में सही ढंग से प्रदर्शित नहीं हो सकी। प्रशंसकों द्वारा खरीदे गए टिकट सुरक्षित रखे जाएंगे और उन्हें सही राशि का भुगतान करने के लिए आमंत्रित किया गया है। मामले से जुड़ा एक कथित ई-मेल भी सामने आया है, जिसे टिकट टॉक नेटवर्क ने ऑनलाइन साझा किया। ई-मेल के अनुसार, फीफा ने टिकटों की कीमत में आई गड़बड़ी की पहचान कर उसे ठीक कर दिया है। संगठन ने बताया कि 21 मई 2026 को फीफा की आधिकारिक टिकटिंग वेबसाइट पर हुई इस समस्या के कारण कुछ टिकट चेकआउट के समय गलत कीमत पर दिखाई दिए और उसी आधार पर लेनदेन भी पूरा हो गया।

ई-मेल में प्रभावित ग्राहकों को सूचित किया गया कि सामान्य बिक्री नियमों के तहत सभी ऐसे टिकट ऑर्डर रद्द कर दिए गए हैं जिनमें गलत मूल्य वाले टिकट शामिल थे। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि संबंधित ऑर्डर के लिए यदि कोई भुगतान हुआ है तो उसका पूरा रिफंड दिया जाएगा।

ई-मेल में कहा गया कि टिकट सात दिनों तक उनके फीफा टिकटिंग खाते में आरक्षित रहेंगे। यदि इस अवधि के भीतर खरीदारी पूरी नहीं की जाती है तो आरक्षित टिकट हटा दिए जाएंगे।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब फीफा वर्ल्ड कप 2026 के टिकटों की ऊंची कीमतों को लेकर पहले से ही बहस चल रही है।

साई सुदर्शन वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी, हम उन्हें पर्याप्त मौके देंगेः गौतम गंभीर

चंडीगढ़ । टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ कर दिया है कि भारतीय टीम साई सुदर्शन को अभी पर्याप्त मौके देगी। गंभीर का कहना है कि सुदर्शन एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और वह हाल ही में आईपीएल 2026 में 700 से ज्यादा रन बनाकर आ रहे हैं। गंभीर के बयान के बाद यह लगभग तय हो गया है कि अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में नंबर तीन की पोजीशन पर सुदर्शन ही खेलते दिखाई देंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गंभीर ने कहा, 'मेरा हमेशा से मानना है कि किसी भी खिलाड़ी को अपनी काबिलियत साबित करने के लिए पर्याप्त मौके मिलने चाहिए। साई सुदर्शन खराब फॉर्म में नहीं हैं और वह आईपीएल 2026 में 700 से अधिक रन बनाकर आ रहे हैं। अगर हम किसी खिलाड़ी को 4 या 5 पारियों के आधार पर जज करेंगे, तो हम टीम तैयार नहीं कर पाएंगे।' हेड कोच ने आगे कहा, 'ऐसा नहीं है कि हम अगर एक खिलाड़ी को 5 मुकाबले में आजमाएंगे, तो दूसरे को सिर्फ एक या दो मुकाबलों में मौका देंगे। हालांकि, अभी हम साई सुदर्शन के साथ जाना चाहते हैं और उन्हें पर्याप्त मौके देना चाहते हैं। वह एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि वह शानदार प्रदर्शन करके दिखाएंगे।' सुदर्शन ने भारत के लिए अब तक कुल 6 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान खेली 11 पारियों में सुदर्शन ने 27 की औसत से खेलते हुए 302 रन बनाए हैं। क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में सुदर्शन ने अब तक दो अर्धशतक लगाए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में सुदर्शन के पास अपनी काबिलियत को साबित करने का सुनहरा मौका होगा।

मैच की परिस्थितियों के हिसाब से खेलना जरूरी, हमने पंत को गेम बदलने के लिए नहीं बोला: गौतम गंभीर

चंडीगढ़। ऋषभ पंत का बल्ला इन दिनों खामोश चल रहा है। आईपीएल 2026 में भी पंत कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। हालांकि, अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए पंत को भारतीय टीम में जगह दी गई है। हेड कोच गौतम गंभीर का कहना है कि पंत को उनका खेलने का तरीका बदलने के लिए बिल्कुल भी नहीं कहा गया है।

हालांकि, गंभीर ने कहा कि पंत को मैच की परिस्थितियों को देखकर बल्लेबाजी करने की जरूरत है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गंभीर ने कहा, 'हर खिलाड़ी को जज उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। जहां तक बात ऋषभ पंत की है, तो हम चाहते हैं कि वह वैसा ही खेले जैसा खेलते हैं। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि हम चाहते हैं कि पंत अपने खेलने के तरीके को बदलें। हालांकि, इंटरनेशनल क्रिकेट में आपको परिस्थितियों के हिसाब से बल्लेबाजी करनी पड़ती है। परिस्थितियों को पढ़ना और समझना बेहद जरूरी है कि उस वक्त टीम को आपसे कैसी बल्लेबाजी की जरूरत है। आपको परिस्थितियों को देखकर ही अपने शॉट्स खेलने होंगे।

हेड कोच ने आगे कहा, 'हालांकि, ऐसा नहीं है कि किसी को बोला गया कि आप अपने नेचुरल गेम से हटकर बिल्कुल अलग तरह के खेलो। टेस्ट क्रिकेट हो या वनडे या फिर टी20, हर फॉर्मेट में रन बनाना और विकेट लेना ही असली मकसद है। उसे आप नहीं हट सकते हैं, वो आप चाहे जैसे भी बनाओ आपकी मर्जी है, लेकिन परिस्थिति को समझना काफी महत्वपूर्ण है।

ऋषभ पंत साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई घरेलू टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे, लेकिन उनका प्रदर्शन दोनों ही टेस्ट मुकाबलों में निराशाजनक रहा था। हालांकि, इंग्लैंड दौरे पर पंत ने दमदार प्रदर्शन किया था, लेकिन चोट के चलते उन्हें बीच सीरीज से ही बाहर होना पड़ा था। पंत के पास अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट में अपनी खोई हुई फॉर्म को हासिल करने का शानदार मौका होगा।

श्रीलंका के जेवलिन थ्रोअर रुमेश थरंगा ने नीरज चोपड़ा का तोड़ा रिकॉर्ड, 92.62 मीटर दूर फेंका भाला

रोम। श्रीलंका के स्टार जेवलिन थ्रोअर रुमेश थरंगा पथिरगे ने वांडा डायमंड लीग की प्रतिष्ठित गोल्डन गाला पिएत्रो मेनेया प्रतियोगिता में इतिहास रच दिया है। उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 92.62 मीटर दूर भाला फेंका और नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

पथिरगे ने अपने पहले ही प्रयास में 84.49 मीटर का थ्रो किया, जो जीत के लिए काफी माना जा रहा था। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दूसरे प्रयास में 90 मीटर की दूरी को भी पार कर दिया। इसी थ्रो के साथ ही वह साल 2026 सीजन में 90 मीटर या उससे अधिक दूरी का थ्रो फेंकने वाले पहले एथलीट बने।

रुमेश ने 92.62 मीटर का थ्रो फेंकते हुए 20 साल से कायम एंड्रियास थोरकिल्डसन के 90.34 मीटर के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। इस ऐतिहासिक थ्रो के साथ वह दुनिया की ऑल-टाइम लिस्ट में आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि वह दूसरा सबसे बेस्ट थ्रो करने वाले एशियाई खिलाड़ी भी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में भारत के एथलीट नीरज चोपड़ा को भी पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने 90.23 मीटर का थ्रो फेंका था।

रुमेश का यह थ्रो 2024 ओलंपिक फाइनल के बाद से दुनिया का सबसे लंबा थ्रो भी रहा। इस प्रदर्शन ने उन्हें दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स पर स्पष्ट बढ़त दिलाई, जिन्होंने 83.91 मीटर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं, विश्व कांस्य पदक विजेता कर्टिस थॉम्पसन तीसरे स्थान पर रहे। जीत के बाद पथिरगे ने खुशी जताते हुए कहा कि यह जीत उनके लिए किसी उत्सव जैसी है। उनका कहना था कि इस तरह का प्रदर्शन उनके करियर के सबसे खास पलों में से एक है।

जीत के बाद पथिरेज ने कहा, 'मैंने आज नेशनल रिकॉर्ड बनाने की पूरी कोशिश की और मैं इसे तीन मीटर बेहतर करने में कामयाब रहा। भले ही आज मेरे सिर्फ दो प्रयास ही वैध रहे, लेकिन मैं मानसिक तौर पर काफी स्थिर हूं। रबात में बहुत गर्मी थी, लेकिन रोम का मौसम अच्छा है और दूर तक थ्रो करने के लिए आदर्श परिस्थितियां लग रही थीं।'

इस कामयाबी के साथ ही रुमेश 90 मीटर का थ्रो करने वाले सिर्फ चौथे एशियाई बन गए हैं। उनसे पहले चीनी ताइपे के चेंग चाओ-सुन (91.36 मीटर), भारत के नीरज चोपड़ा (90.23 मीटर) और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन व पाकिस्तान के खिलाड़ी अरशद नदीम हैं, जिन्होंने कई बार यह आंकड़ा पार किया है।

अंडर-18 हॉकी एशिया कपः भारतीय महिला टीम को सेमीफाइनल में मिली हार, चीन ने कटाया फाइनल का टिकट

काकामिगाहारा। भारतीय महिला टीम का अंडर-18 हॉकी एशिया कप का फाइनल खेलने का सपना टूट गया है। रोमांच से भरपूर सेमीफाइनल मुकाबले में 2-2 से स्कोर बराबर रहने के बाद भारतीय टीम को चीन के खिलाफ शूटआउट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत के लिए नौशीन नाज (3वें मिनट) और किरण एक्का (54वें मिनट) ने गोल किए, जबकि चीन के लिए ली जेयान (24वें मिनट) और झांग युझेंग (48वें मिनट) ने गोल किए। भारत ने पहले क्वार्टर में शानदार शुरुआत की और तीसरे मिनट में ही पहला गोल कर दिया।

कप्तान स्वीटी कुजूर ने मिडफील्ड से सर्कल के अंदर नौशीन को एक शानदार पास दिया, जिन्होंने शानदार शॉट खेलकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। दोनों टीमों ने मिडफील्ड में अच्छा प्रदर्शन किया और सर्कल के अंदर अच्छे मौके बनाए, लेकिन शुरुआती क्वार्टर में कोई और गोल नहीं कर पाईं।

चीन को 21वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन फेंग जियाक्सिन के ड्रैगफ्लिक को भारतीय गोलकीपर महाक परिहार ने गोल पोस्ट में जाने से रोक दिया। हालांकि, तीन मिनट बाद ही 24वें मिनट में भारत की डिफेंस में की गई गलती की वजह से चीन को बराबरी करने का मौका मिल गया, जिसका फायदा उठाकर चीन के ली जेयान ने फील्ड गोल करके स्कोर बराबर कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में चीन को 34वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय बैकलाइन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल होने से बचा लिया। अगले कुछ मिनटों में चीन ने ज्यादा समय तक बॉल पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन बराबरी नहीं कर सका। 43वें मिनट में भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वह चीन के डिफेंस को भेदने में सफल नहीं हो सका। दोनों तरफ से कई मौके मिलने के बावजूद, चौथे क्वार्टर में दोनों टीमें 1-1 से बराबर रहीं।

आखिरी क्वार्टर के तीसरे मिनट में चीन ने पेनल्टी कॉर्नर से बढ़त बना ली। हालांकि शुरुआती शॉट को भारत के पहले रशर ने रोक दिया, लेकिन रिबाउंड पर बॉल चीन की झांग युझेंग (48वें मिनट) के पास गई, और उन्होंने गोल करते हुए चीन को बढ़त दिला दी। हालांकि, चीन की बढ़त कुछ ही मिनटों तक रही, क्योंकि भारत की किरण (54वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बराबरी कर ली और फुल-टाइम तक स्कोर 2-2 रहा।

चीन ने शूटआउट में भारत को 3-1 से हराया, जिसकी वजह उनके गोलकीपर लियू जू के कुछ शानदार बचाव रहे। चीन के लिए लू टोंग टोंग, गे चेन और गुओ जियाक्सिन ने शूटआउट में अपने मौके बनाए, जबकि संदीपा कुमारी शूटआउट में भारत की ओर से गोल करने वाली एकमात्र खिलाड़ी रहीं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415